



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 22, 1980 (चैत्र 2, 1902)

No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 22, 1980 (CHAITRA 2, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 जनवरी 1980

मं. पी/1890-प्रशा. I.—संघ लोक सेवा आयोग की सम-
मंस्यक अधिसूचना दिनांक 17 दिसम्बर, 1979 के अनुक्रम में
अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग
(स्टाफ) विनियम 1958 के विनियम 4 के परन्तुक द्वारा
प्रदत्त शक्तियों के अधीन डा. टी. रामासामी को 22 दिसम्बर,
1979 से इस वर्ष की अवधि के लिए अध्यक्ष आयोगी आदेशों तक,
जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप-
सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एम. बालचन्द्रन
अवर सचिव (प्रशा.)
कृत अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1980

मं. एन. 9. आर. सी.टी. 21.—इस आयोग के अधीक्षक
संशोधन अधिसूचना मंस्या एन 9. आर. सी.टी. 21 दिनांक
28-1-80 में केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद् द्वारा श्री एस.

पाल को 6-1-80 से अगले आदेश तक अनुभाग अधिकारी
नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 फरवरी 1980

सं. 09. आर. सी.टी.—केन्द्रीय सतर्कता आयोक्त एतद्
द्वारा श्री एन. एन. शर्मा, स्थाई अनुभाग अधिकारी को इस
आयोग में दिनांक 22-2-80 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप से
अधिसम्म आदेश तक अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. 9. आर. सी.टी.—केन्द्रीय सतर्कता आयोक्त
एतद् द्वारा श्री एस. एन. दुर्गल (केन्द्रीय सचिवालय सेवाएँ—
संलग्नशान ग्रंथ) को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 27-2-80
(अपराह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से उप-सचिव के
पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 मार्च 1980

सं. एन. 9. आर. सी.टी. 21.—केन्द्रीय सतर्कता आयोक्त
एतद् द्वारा श्री कृष्ण लाल आहुजा, इस आयोग के स्थाई सहायक
को स्थानापन्न रूप से दिनांक 1-3-80 से 29-5-80 तक या
अधिसम्म आदेश तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी नियुक्त
करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्र
अवर सचिव
कृत केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 मार्च 1980

सं. आ०.दो. 1437/79-स्थापना.—महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल ने आक्टर (कॉमारी) ऊमारानी नारजरी को 6-12-79 के पूर्वाह्न में केवल तीन माह के लिये अधिक उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ स्पष्ट में नियुक्त किया है।

दिनांक 3 मार्च 1980

सं. आ०.दो. 1102/78-स्थापना.—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी. डी. आ०. ग्रेड-II) डा. वी. कृष्ण राव, ग्रप मैन्टर केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल पल्लीपूरम, को केन्द्रीय संचिल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 2 फरवरी 1980 के अपराह्न से कार्य भार मुक्त कर दिया है।

वी. के. करकरा
सहायक निदेशक
(प्रशासन)

विस्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं. 1222/ए.—दिनांक 13-2-1978 के क्रम में श्री पृ. व्ही. सुब्रूमनीयन लेखा अधिकारी, विभागीय अधिकारी, तार विभाग, सोसपुर, को लेखा अधिकारी के रूप में, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, ना. रोड में 13-2-1980 के पूर्वाह्न से और एक साल के लिये प्रतिनियुक्ति पर उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करते हैं।

ना. रामर्पित,
ज्येष्ठ उप महाप्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परोक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1980

सं. प्र. 1/8(16)/111/4859.—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की महमिल से श्री एम. एन. सलवान, लेखापरीक्षा अधिकारी को नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन लि. में जून 10, 1978 से स्थायी संचिलयन के लिए सम्मीकृति प्रदान कर दी है। केन्द्रीय संचिल सेवा (पैशन) 1972 के नियम 37 के अधीन उक्त कारपोरेशन में स्थायी संचिलयन की तिथि से उन्हें सरकारी में से जबकाश प्राप्त समझा जाये।

महेन्द्र सिंह भरना
निदेशक लेखापरीक्षा

महालेखाकार का कार्यालय

आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 1 मार्च 1980

सं. प्रशा. I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री डि. वि. सत्यनारायण राठ को महानेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद इवारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ०.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर 15-2-80 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रशा. I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर. श्रीपादराजन् को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद इवारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ०.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर 15-2-80 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रशा. I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वी. वी. गम ब्रह्म शास्त्री को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद इवारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ०.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर 15-2-80 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रशा. I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पृ. आर. सुब्रूमणियन् को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद इवारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ०.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर 15-2-80 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रशा. I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम. एन. के. वैकट रामन् को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद इवारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ०.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर 18-2-80 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रशा. I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम. एन. के. वैकट रामन् को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद इवारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ०.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर 18-2-80 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रश्ना I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैद्राबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वै. सुब्रमण्यम्-I को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैद्राबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-ई. वी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 18-2-80 के पूर्वान्ह से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के द्वावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रश्ना I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैद्राबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के. रामकृष्ण-1 को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैद्राबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-ई. वी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 18-2-80 के पूर्वान्ह से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के द्वावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रश्ना I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैद्राबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर. के. एस. प्रकाश राव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैद्राबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-ई. वी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 15-2-80 के अपरान्ह से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के द्वावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं. प्रश्ना I/8-132/79-80/376.—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैद्राबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री टी. एस. प्रभाकर गढ़ को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैद्राबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-ई. वी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 20-2-80 के पूर्वान्ह से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के द्वावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

(ह.) अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र.)

रक्षा मंत्रालय

डी. जी. आ. एफ. मर्स्यालय सिविल सेवा

(आईनेस्स फैक्टरी बोर्ड)

कलकत्ता-700069, दिनांक 20 फरवरी 1980

सं. 6/80/ए-ई-1(एन.जी).—श्रीमान् महानिदेशक, आईनेस्स फैक्टरीयाँ, निम्नलिखित अधिकारियों को, प्रत्येक के सामने दर्शाएँ गए पदों में और तारीखों से वरिष्ठता में बिना प्रभावी हुए वर्तमान रिक्तियों में स्थानापन्न आधार पर प्रोन्नत करते हैं:—

स्थानापन्न सहायक

(1) श्री गोवर्धन लाल,	1-2-1980
सहायक स्टाफ अफसर (तद्धर्थ)	से अभिम अदेश न होने तक
(2) श्री एस. के. खानपीर	वही
सहायक स्टाफ अफसर (तद्धर्थ)	वही

(3) श्रीमती आरती बोस, स्थानापन्न सहायक 1-2-1980 सहायक स्टाफ अफसर स्टाफ अफसर से अभिम प्रदेश (तद्धर्थ) न होने तक

उपर्युक्त अधिकारीगण अपनी प्रोन्नति की तारीख से दो बाबां तक परखावधि पर रहेंगे।

डी. पी. चक्रवर्ती,
ए. डी. जी. आ. एफ. (प्रशासन)
कृत महानिदेशक, आईनेस्स फैक्टरीयाँ

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-400022, दिनांक 20 फरवरी 1980

सं. 17/14/78-स्थापना.—महानिदेशक, श्री डी. डी. श्रीवास्तवा स्थायी प्रधान लिपिक को कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर विनांक 8 फरवरी 1980 प्रवाहिन से नियुक्त करता है।

ए. के. चक्रवर्ती,
महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नहूं दिल्ली-110011, दिनांक 3 मार्च 1980

सं. 12(116)/61-प्रशासन (राजपत्रित).—राष्ट्रपतिजी, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत युगांडा सरकार के प्रशासनाधीन प्रतिनियुक्ति से वापसी होने पर श्री एस. बन्धो-पाध्याय, उप निदेशक (यांत्रिक) को विनांक 7 जनवरी, 1980 (प्रवाहिन) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिक) के रूप में तबर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गृष्म
उपनिदेशक (प्रशा.)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग)

नहूं दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1980

सं. प्र.-1/1(1054).—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नहूं दिल्ली में अबर प्रगति अधिकारी, श्री देव राज को विनांक 13-2-80 के पूर्वान्ह से इसी महानिदेशालय, नहूं दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री देव राज की सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर है। इस नियुक्ति से उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहुँचेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

सं. प्र. 1/1.(1056).—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कानपुर में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री. बी. एस. माथुर को दिनांक 1-1-1980 के पूर्वान्त से उसी निदेशालय, कानपुर में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री माथुर की सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर है। इस नियुक्ति से उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और इससे उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 22 फरवरी 1980

सं. प्र. 1/1(1145).—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री एच. सी. प्रेसी को दिनांक 12-11-79 (पूर्वान्त) से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड II) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कठण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1980

सं. प्र-6/57(8)भा० 10.—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारियों (वस्त्र) को प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के स्थाई पदके मद्देत नियुक्त करते हैं:—

अफ्म. सं.	नाम तथा	स्थायी होने की तारीख
सर्वश्री		
1.	एन. बासे.—	1-11-1971
2.	जी. एस. मुंशी.—	1-11-1972
3.	एच. विश्वास.—	8-11-1972
4.	टी. जे. जार्ज.—	8-11-1972
5.	आर्ट. एन. कपूर.—	12-11-1972
6.	बी. पी. चक्रवर्ती.—	30-4-1974
7.	आर. के. मिश्रा.—	30-4-1974
8.	जी. के. शुक्ल.—	1-7-1974
9.	आर. एन. कौल.—	1-1-1975
10.	राजेन्द्र सिंह.—	6-9-1975
11.	ए. आर. हुसैनी.—	1-1-1976
12.	एच. एन. चक्रवर्ती.—	1-2-1976
13.	पी. एन. मुखर्जी.—	8-4-1976
14.	संकुमार सोम.—	1-1-1978
15.	जे. के. घोष.—	1-3-1978
16.	बी. रुद्र.—	1-7-1978
17.	बी. पी. जैन.—	11-11-1978
18.	गुरमुख सिंह.—	1-6-1979

दिनांक 23 फरवरी 1980

सं. प्र.-6/247(256)/60-11.—जमशेदपुर निरीक्षणलय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) और स्थानापन्न सहायक निदेशक श्री सी. पी. मिन्हा निवृत्तमान आयु होने

पर दिनांक 31-1-80 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 25 फरवरी 1980

सं. प्र. 6/247(85).—स्थायी उप निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए धातुकर्म शास्त्र के ग्रेड-II) और निरीक्षण निदेशालय (धातु), जमशेदपुर में स्थानापन्न निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-I) श्री ए. के. गुहा निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-1-80 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

पी. डी. सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात सान और कोल मंत्रालय

(सान विभाग)

भारतीय सान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 फरवरी 1980

सं. ए.-19012/124/80-ए.—विभागीय पदोन्नती समिति की सिफारिश पर श्री व्ही. एस. कड़स्कर, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञानिक) को दिनांक 23 जनवरी के पूर्वान्त से आगामी आदेश होने तक भारतीय सान व्यूरो में वर्ग 'ब' के पद में स्थानापन्न सहायक खनन भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जासी है।

एस. बालगोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय सान व्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

दहरादून, दिनांक 28 फरवरी 1980

सं. सी-5603/718-ए.—श्री सालिग राम, स्थानापन्न अधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय, 30 जनवरी, 1980 (अपराह्न) से श्री ए. एस. रावत, स्थापना एवं लेखा अधिकारी जिनका स्थानान्तरण हो गया है, के स्थान पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. से. ग्रुप 'बी') के पद पर दक्षिण मध्य सर्किल कार्यालय भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में 840-40-1000-द. रो.-40-1200 रुपये के वेतन मान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

सं. सी. 5604/718-ए.—श्री ए. बी. सस्कार, मैप क्यूरेटर, 27 सितम्बर 1979 (अपराह्न) से श्री राम लाल, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (तदर्थ आधार पर) जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग कलिकाता में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. कं. सेवा ग्रुप 'बी') के पद पर 840-40-1000-द. रो.-40-1200-रु. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

सं. सी-5605/718-ए.—श्री एम. राजू, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय (इस समय अनुसंधान एवं

विकास निदेशालय, सर्वे. प्र. एवं मा. उ. के. से सम्बद्ध) 15 अक्टूबर 1979 (पूर्वाह्न) से श्री वंखुमा, स्थापना एवं लखा अधिकारी (तदर्थ आधार पर) जो 41 दिन की छट्टी पर गए हैं, के स्थान पर सर्वे. प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वक्षण विभाग, हैदराबाद में, स्थापना एवं लखा अधिकारी (सा. क. से. ग्रृष्ण बी) के पद पर 840-40-1000-द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में पदर्थ आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।

के. पू. खोला,
मेजर जनरल
भारत के महासचिवक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1980

शूद्धि-पत्र

सं. ए. 12025/2/79-भण्डार-1.—इस निदेशालय को दिनांक 22 जनवरी, 1980 की अधिमूचना संख्या ए. 12025/2/79-भण्डार-1 के सन्दर्भ “श्री सुमीर चौधरी” के स्थान पर “श्री समीर चौधरी” पढ़े।

शिव दयाल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1980

सं. ए. 27-6/75-प्रशासन-I.—श्री पी. एल. नव्यर का उनके मूल कार्यालय में परावर्तन हो जाने के परिणामस्वरूप उन्होंने 1 फरवरी 1980 पूर्वाह्न से राष्ट्रीय भलेरीया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में लेला अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

वह 1 फरवरी, 1980 से 1 मार्च, 1980 तक तीस दिन के अवकाश पर रहे गये हैं।

सं. ए. 12025/2/78-प्रशासन-I.—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. नामदेव आनन्दराव भवाली को 6 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पूर्ण में वन्त शल्य चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए. 12026/20/78(एम. जे. एच.)/प्रशासन-I.—श्रीमती भीमीहीनी गिहानी ने 22 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से सफरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शास्त्र लाल कृठियाला
उप निदेशक प्रशासन (सं. व प.)

कृषि और सिचाई मंत्रालय
(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1980

सं. मि. 2-1/79-स्था. (i).—महायक मंपादक (हिंदी) के पद पर श्री औमप्रकाश गृष्ट की तदर्थ नियुक्ति 1-12-1979 से आगे 6-6-1980 तक बढ़ा दी गई है।

दिनांक 29 फरवरी 1980

सं. मि. 2-4/79-स्था. (I).—श्री आर्द्ध. एम. चावला, अधिकारी (कॉर्टि प्रथम) को विस्तार निदेशालय, कृषि और सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग), में स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी समूह ‘बी’ (राजपत्रित) (लिपिक वर्गीय) रूपये 650-30-740-35-810- द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. 40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ रूप में 4 फरवरी 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक पदान्तत किया गया।

सं. मि. 2-4/79-स्था. (I).—श्री नेमचन्द्र जैन, अधिकारी (कॉर्टि प्रथम) को विस्तार निदेशालय, कृषि और सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में स्थानापन्न विशेष अधिकारी (पर्याप्तजना) समूह ‘ब’ (राजपत्रित) (अलिपिक वर्गीय) रूपये 840-40-1000 द. रो. -40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ रूप में 4 फरवरी 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक पदान्तत किया गया।

बद्रीनाथ चड्ढा,
निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पर्यावरण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं. ए. 19025/33/79-प्र. त.—विभागीय पदान्तरण समिति (वर्ग बी) की मस्तुतियों के आधार पर श्री मी. एम. जनार्धनम, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के आधीन बम्बई में दिनांक 1-1-1980 (पूर्वाह्न), से अगले आदेशों तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग iii) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 29 फरवरी 1980

सं. ए. 19025/27/79-प्र. त०—श्रीमती सुषन नायर वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के आधीन केचीन में दिनांक 1-2-1980 (अप्रूप्राह्न) से 31-3-1980 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है जो भी पहले हो स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी अल्प कालीन आधार पर नियुक्त किया गया है।

बी० ए० भ० मनिहार,
प्रशासन निदेशक
कर्ते श्रव्यि विपणन अधिकारी

भारा प्रभाण प्रनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं. पी० ए०/79(11)/79-आर० II.—नियंत्रक, भारा प्रभाण प्रनुसंधान केन्द्र श्री सुचीन्द्रम रामा सुम्मेयर सांबित्रियम, सकलैण्ड येड आशुलिपिक, 1 एक्टर अनुसंधान केन्द्र, कलपाक्षम को सहायक प्रशासन अधिकारी ग्रेड (रूपये 650-960) म, भारा

परमाणु अनुसंधान केन्द्र में 30 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से, अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

ए.० ए.म० दीक्षित,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक फरवरी 1980

सं० पी०पी०ई०डी०/३(262)/७६-प्रशासन-२२९७—
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के निदेशक एतदद्वारा इस प्रभाग के स्थायी महायक कार्मिक अधिकारी, श्री पी० जी० मेनन को फरवरी, 19, 1980 के पूर्वाह्न से अप्रैल 3, 1980 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सामान्य प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति सामान्य प्रशासन अधिकारी श्री आर० विह०, बाजपेयी के स्थान पर की जा रही है जिन्हें प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है।

सं० पी०पी०ई०डी०/३(262)/७६-प्रशासन/२२९८—
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतदद्वारा इस प्रभाग के स्थायी प्रबन्ध कोटि लिपिक श्री ए.न० टी० वारवानी को फरवरी 19, 1980 के पूर्वाह्न से अप्रैल 3, 1980 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० जी० मेनन के स्थान पर, जिन्हें सामान्य प्रशासन अधिकारी श्री आर० विह०, बाजपेयी के स्थान पर सामान्य प्रशासन अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है, की जा रही है।

ब० वि० थले,
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

लैंडराबाद-५०००१६, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं० प० छ० प्र०/२/२८९६/७९-प्रशासन—श्री जोसफ रेम्ज़ पीटर द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० के अस्थायी पद से दिया गया त्याग पत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 8 फरवरी, 1980 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

एस० एस० नाथ,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 21 फरवरी 1980

सं० टी० ए० पी० ए०/१/१८(३)/७७-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री ए.स० नाथ, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो कि नई दिल्ली स्थित आर० एस० टी० एस० में प्रशिक्षण के लिए प्रति नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर श्री यो० गणपति, स्थायी वैशिक्षिक सहायक

को तारापुर परमाणु बिजलीघर में रु० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-द० रो०-४०-९६० के वेतनक्रम में दिनांक 19 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से 3 अप्रैल, 1980 तक के लिए तदर्थं आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए.० डी० देसाई, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० ए० ३२०१३/३/७९-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति जी श्री हरबंस मिह, विद्युत एवं वांचिक अधिकारी को दिनांक 14 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से छः बाहू की अवधि के लिए तदर्थं आधार पर रु० ११००-५०-१६०० के वेतनमान में सहायक निदेशक (उपस्कर) के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

श्री हरबंस मिह को महानिदेशक नागर विमानन के मुख्यालय नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

सं० ए०-३२०१४/१/७९-ई०-०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 17 मित्रेश्वर, 1979 से अथवा आदेश हाने तक नियमित आधार पर प्रौद्योगिकी एवं सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	
		१	२
१.	श्री धर्म पाल	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम	
२.	श्री ए.म० ए.म० भारद्वाज	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम	

२. दिनांक 17 जनवरी, 1980 की अधिसूचना स०ए० ३२०१४/१/७९-ई० ए० एतदद्वारा रद्द की जाती है।

बी० वी० औहरी,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० ए०-१२०२६/४/७४-ई० I—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के परिणामस्वरूप अपने मूल कार्यालय में परावर्तित हो जाने पर श्री ए.स० सी० भाटिया ने 1 फरवरी, 1980 अपराह्न से नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सी० क० क० बत्स,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० ए०-१२०२५/७/७९-ई० ए.स०—मंष लोक सेवा आयोग की मिफारिश पर राष्ट्रपति जी श्री कानून गोहिम को दिनांक

29 जनवरी, 1980 में और अन्य आदेश होने तक सहायक निदेशक, विमान सुरक्षा (इंजीनियरी) वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं और उन्हें मड़ानिदेशक नामग्रविमानन का कार्यालय गमा दृष्टि पुरम, नई दिल्ली में तबात करते हैं।

पृष्ठ १० पृष्ठ १० स्वामी,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं. 1/30/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री डी० एन० गायचौधरी को बिलकुल तदर्थ आधार पर 25-5-1978 से 4-1-1980 तक की अवधि के लिए और नियमित आधार पर 5 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से प्रौढ़ आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. 1/253/80-स्था०—विदेश संचार सेवा, स्विचन ममूह, बम्बई के स्थानापन्न सहायक अभियंता, श्री एम० जे० दमाल को 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से अपनी नियुक्ति से त्याग-पत्र देने की अनुमति दे दी गई।

सं. 1/405/80-स्था०—मद्रास के स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री एम० एस० मणि 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से निवर्तन की आयु के हो जाने पर सेवा निवृत्त हो गए।

पृष्ठ १० एल० मल्होदा,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षण निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1980

सं. 1/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतालय, मेरठ के वरिष्ठ ग्रेड के निरीक्षक श्री डी० सी० आहूजा को, जो आजकल निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में प्रतिनियुक्त है, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतालय, मेरठ के दिनांक 11-2-1980 के स्थाना आदेश सं. 12/80 द्वारा अधीक्षक ग्रुप "ख" (केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के रूप में पदोन्नत किए जाने पर, दिनांक 12 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सी० सं० 1041/29/79

कृ० रेखी,
निरीक्षण निदेशक

प्रकाशन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1980

सं. 1/80—श्री तिलक राज शर्मा कार्यालय, अधीक्षक, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय को दिनांक 7-2-80 के पूर्वाह्न से प्रकाशन निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली, में तदर्थ रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

सं. डी०पी०/168/80/प्रशासन

ए० डी० नागपाल,
निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतालय

बम्बई, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं. 11/उ० ई० (ए०) 2/79—बम्बई-
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतालय 1 के निम्नलिखित प्रशासनिक अधिकारी/परीक्षक वर्ग "ख" अधिवर्षिकी पर अपने नामों के आगे अंकित तिथियों के अप० में सेवा निवृत्त हो गये हैं :—

क्रम सं०	नाम एवं पदनाम	सेवामिवृति की तिथि
1.	श्री पी० सी० जोधी प्रशासनिक अधिकारी	31-1-1980
	श्री एस० एन० शाह परीक्षक	31-1-1980

सं. II/उई०-(ए०) 2/79—श्री एस० एन० शाह, कार्यालय अधीक्षक ने पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतालय बम्बई-1 में परीक्षक वर्ग "ख" के रूप में 23-1-1980 (पूर्वाह्न) में कार्यभार सम्भाल लिया है।

कृ० श्री दिलीप सिंह जी,
समाहृता,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1980

सं. 42016/1/80-प्रशा० चार—केन्द्रीय जल आयोग के कार्यालय आदेश सं. ए०-32014/2/79-प्रशा० पांच, दिनांक 8-8-1979 के अनुक्रम में, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, निम्नलिखित अधिकारियों की अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के पद की तदर्थ नियुक्ति को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 15-8-1980 तक की, आगे की अवधि के लिए अथवा ये पद नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहल हो, एतद्वारा बढ़ाते हैं :—

1. श्री डी० एस० मदान
2. श्री ए० पी० खाना
3. श्री विनोद कौल

4. श्री एस० वेंकटारमन
5. श्री रवीन्द्र सक्सेना
6. श्री प्ल० पी० भयानकर

अतिरिक्त सहायक निदेशक के प्रेषण में उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति पूर्णतः स्थानीय प्रबंध की है और इससे वे केन्द्रीय जल आयोग में नियमित पदोन्धति के हकदार नहीं होंगे।

जे० के० साहा,
अवर सचिव, कृते प्रध्यक्ष,
केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, विनांक 27 फरवरी 1980

सं. ए०-१९०१२/७७७/७९-प्रशासन पांच—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग डा० (कुमारी) सुशीला कुमारी को सहायक अनुसंधान अधिकारी, (विज्ञान-रसायन) के रूप में केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली में स्थानापन्न अभियान में रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में रु० ७१०/- (सात सौ दस रुपये केवल) के प्रारंभिक वेतन पर २१ जनवरी, १९८० की पूर्वाह्न से, अगले आवेषों तक, नियुक्त करते हैं।

डा० (कुमारी) सुशीला कुमारी सहायक अनुसंधान अधिकारी (विज्ञान रसायन) के पद पर 21-1-1980 से वो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा,
ग्रन्थर सचिव
दीप जल आयोज

निभणि मङ्गानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक १ मार्च १९८०

सं० 23/2/77-ईसी-2---केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, प्रत्येक के आगे लिखी तारीखों से वार्षिक्य की आयु प्राप्त करने (58 वर्ष) पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

क्र०	नाम	मेवा निवृति	वसंमान पदनाम
सं०		वो तारीख	
1	2	3	4

सर्वश्री

- | | | |
|--|----------------------------|---|
| 1. बो० पाल० मनचत्वा
कार्यपालक इंजीनियर
(सिविल) | 31-1-80
(दोपहरबाद | कार्यपालक इंजी-
नियर “पी” परि-
मार्जल के०लो०नि०
वि०, सादिक
नगर, नई दिल्ली |
| 2. एस० एस० बासू
कार्यपालक इंजीनियर | 31-1-80
(दोपाहर
बाद) | निर्माण मर्गेश्वर-
II (उड्डयन)
के० लो० नि० |

1	2	3	4
			विं, आर० कौ० पुरम, नई दिल्ली
3. जे० एस० अग्रवाल कार्यपालक इंजोनियर	31-1-80 (दोपहरवाद)		कार्यपालक हंजी• नियर विद्युत परिमण्डल न० 4 (दिल्ली प्रशासन) नई दिल्ली

एस० एस० पी० राव
प्रशासन उप निदेशक,
निर्माण महानिदेशक

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
नई दिल्ली, दिनांक 29 फरवरी 198

सं० 1/93/69-क० मी०-9—इस विभाग के बरिष्ठ वास्तु-विद्, श्री बी० एस० गोडबोले, वार्धक्य की श्राय प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 29-2-1980 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हो गए।

हर्ष देव सिन्हा,
प्रणाली उप निदेशक

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ७७/ई० बी०/७०८—सर्वामान्य की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिभूचित किया जाता है कि दक्षिण रेलवे के वर्तमान पालघाट (ओलावकोट) और मदुरै मण्डलों का २ अक्टूबर, १९७९ से तीन मण्डलों अर्थात् पालघाट (आलव-क्कोट), मदुरै और तिरुवनन्तपुरम के रूप में पुनर्गठन कर दिया गया है। २६ जनवरी, १९८० से ओलावक्कोट मण्डल का नाम बदलकर पालघाट मण्डल रखा दिया गया है। ये मण्डल दक्षिण रेलवे के नियंत्रण में रहेंगे। इन तीन मण्डलों का क्षेत्राधिकार इस प्रकार होगा:—

मंडल मुख्यालय का नाम	क्षेत्राधिकार
1	2

1. पालघाट

जोलारपेट्टै (छोड़कर) से मंग-
सूर; श्रीगणेश में निलाम्बुर
गोड, पालघाट दाउन से पालघाट
जंक्षन; कोयाम्बतुर नार्थ से
मेट्टुपालयम; मेट्टुपालयम से
उदकमेडलक; झरोड से तिह-
च्चिरापल्ली फोर्ट (छोड़कर)
सेलम से मेट्रम डैम; सेलम
जंक्षन से सेलम मार्केट; इस-
गुर -कोयाम्बतुर नार्थ-पोदवनर।

1	2
2. मदुरै	तिरुच्चिरापल्ली जंक्शन (छोड़कर) से रामेश्वरम पोर्ट; तिरुच्चिरापल्ली जंक्शन (छोड़कर) से मदुरै; मदुरै से तूती-कोरिन; मदुरै से बोधिनायकनूर; विश्वनगर से विलन; मदुरै से मानमदुरै; चिङ्गिल से पोद्दनगर (छोड़कर); पोलिंच से पालघाट टाउन (छोड़कर); विश्वनगर से मानपदुरै; मानियाच्चि से तेनकाशी; तिरुनेलवेलि से तिरुबंदूर।
3. तिरुवनन्तपुरम	शिराणूर (छोड़कर) से कोच्चिन हार्बर टर्मिनस; एण्कुलम से तिरुवनन्तपुरम; तिरुवनन्तपुरम से कन्याकुमारी।

नागरकोयल से तिरुनेलवेलि तक (लगभग 72 किलोमीटर) बड़ी लाइन बनकर जब तैयार हो जायेगी तो उसे नये तिरुवनन्तपुरम भंडल में शामिल कर दिया जायेगा।

ये तीन मंडल अपने-अपने मंडल रेल प्रबन्धक के अधीन होंगे।

के० बालचन्द्रन,
सचिव, रेलवे बोर्ड एवं,
पदेन संयुक्त सचिव।

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1980

सं० 20—श्री गुरुबनक्षत्र सिंह भारतीय रेलवे सेवा यानिक इंजीनियरिंग के अधिकारी का त्याग पत्र दिनांक 2-11-79 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया गया है।

प्रार० के० नटेसन,
महाप्रबन्धक

सिकन्दराबाद, दिनांक 28 फरवरी 1980

सं० पी०/185/जी० ए० जैड/मैक—यांत्रिक इंजीनियरों के भारतीय रेल सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों (परिवीक्षाधीन) को, विशिष्ट मध्य रेलवे में उनके नाम के आगे बतायी गयी तारीख से उस सेवा की श्रेणी-1 अवधि वेतनमान में स्थायी किया जाता है:-

क्र०स०	नाम	स्थायी की तारीख
1.	श्री बी० एन० राजेश्वर	20-10-1978
2.	श्री एन० एल० मधुसूदन	17-2-1979
3.	श्री डॉ० पोतुराजू	22-11-1979

एन० नीलकण्ठ शर्मा,
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक (का) का कार्यालय

गुहाटी-11, दिनांक 23 फरवरी, 1980

सं० ई०/55/II/90(ओ०)—श्री तख्तराम, स्थानापन्थ प्रबन्धकार्मिक अधिकारी (कल्याण) पू० सी० रेलवे को महाप्रबन्धक के सहायक सचिव के रूप में दिनांक 11-3-69 से अनन्तिम रूप में स्थायी किया जाता है।

बी० बैंकटरमणी,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेट्रोपोलिटन स्ट्रक्चरल बर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० 4309/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेट्रोपोलिटन स्ट्रक्चरल बर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगा।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्रीयार्ने इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० 28836/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्रीयार्ने इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० भार० सरकार
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिंग ट्रैकर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 29 फरवरी, 1980

सं० जी०/स्टैट/560/2979/1749—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसारण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिंग ट्रैकर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित

न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० एन० मौलिक,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्रभात कमल कन्सट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1980

सं० 7133/560/पी०सी० V/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रभात कमल कन्सट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ग्रीन स्टोन आटो इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1980

सं० 7069/560/पी०सी० V /79—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ग्रीन स्टोन आटो इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भारका आइल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 मार्च, 1980

सं० 7173/560 पी०सी० V/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भारका आइल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

य० सत्यनारायण,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार।

कार्यालय आयकर आयुक्त

आयकर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी, 1980

सं० कोआर्ड/पब०/दिल्ली/सी०/77-78/44435—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 10-8-77 के आदेश के अनुसरण में आयकर आयुक्त, दिल्ली-1,

नई दिल्ली लोक हित में उचित समझकर उन करदाताओं के नाम प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1977-78 के अंतिम दिन अर्थात् 31-3-1978 को 1,00,000/- रु० या अधिक का बकाया है:—

क०	करदाता का नाम और पता	दो वर्ष और उससे अधिक की बकाया राशि
सं०		

1.	आशा राम वर्मा, सी०पी० डब्ल्य०डी०, नई दिल्ली	33,30,000
2.	मैसर्स ऐलेनबरी एण्ड क० (प्रा०) लिमिटेड, 10-दरियागंज दिल्ली	2,03,58,000
3.	मैसर्स एशिया उद्योग, 10 दरिया गंज, दिल्ली	1,31,000
4.	आनंदी लाल (स्वर्गीय) मार्फत हरी राम, पी०ओ० हरी राम शंकर लाल 4-बी०, बेयर हाउसिंग एरिया, नारायणा, दिल्ली	12,82,000
5.	मैसर्स भारत यूनियन एजेंसीज (प्रा०) लिमिटेड, 10, दरिया गंज, दिल्ली	45,10,000
6.	मैसर्स चांद फाइनान्स एण्ड चिटफंड (प्रा०) लिमिटेड मार्फत यशपाल भसीन, एफ-41, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली	2,18,000
7.	मैसर्स डालमिया जैन एमरेक्स लिमिटेड, 10, दरिया गंज, दिल्ली	77,34,000
8.	मैसर्स ग्रीन ग्रुप एण्ड फाइनान्स चिटफंड द्वारा मैसर्स एस० के० भंडारी एण्ड क० सी० ए०, एम०-132, कनाट सर्कस, नई दिल्ली	1,06,000
9.	इन्द्र प्रस्थ फाइनान्स एण्ड चिट फंड (प्रा०) लिमिटेड द्वारा श्री एस० सी० मनेजा एड्योकेट, एम०-4, जंगपुरा, एक्सटेंशन नई दिल्ली	1,80,000
10.	डा० जे० धर्म तेजा द्वारा मैसर्स रघुनाथ राय एण्ड क० सी० ए०, 3-हनुमान रोड, नई दिल्ली	3,16,43,000
11.	मैसर्स यूनाइटेड इंडिया जनरल फाइनान्स (प्रा०) लिमिटेड (परिसमापना-धीन) द्वारा सरकारी परिसमापक, भारत स्काउट्स बिल्डिंग, नई दिल्ली	9,35,516

सं० कोओआई०/पब०/दिल्ली/बी०/77-78/44440—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 10-8-77 के आदेश का अनुसरण करते हुए,

आयकर आयुक्त दिल्ली-1, नई दिल्ली लोक हित में उचित समझकर एतद्वारा उन निर्धारितियों के नाम तथा अन्य विवरण प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान कम से कम 6000/- रु की पेनल्टी लगाई गई थी :—

क्र० सं०	नाम और पता	हैसियत	निर्धारित वर्ष	धारा	राशि (रुपए)
I. 22-007- मैसर्स प्यारे लाल साईकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी सीटी- 5678 लि० (परिसमापनाधीन) द्वारा सरकारी परिसमापक, 16- रिंग रोड, नई दिल्ली			1961-62 1965-66 1965-66 1965-66 1971-72 1971-72 1971-72	273 271(1) (ए०) 271(1) (बी०) 273 271(1) (बी०) 271(1) (बी०) 273	27,677 1,95,875 39,175 29,381 13,000 78,00 97,50

दिनांक 29 फरवरी, 1980

सं० समन्वय/प्रकाशन/दिल्ली/प०/77-78/45142—निम्न-
निखित सूची में वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान (क) दो
लाख रुपए से अधिक आय पर कर-निर्धारित किए गए व्यक्तियों
और हिन्दू अविभक्त कुटुम्बों (ख) दस लाख रुपए से अधिक
आय पर कर-निर्धारित की गई कर्मी, व्यक्तियों के संगमों या
कम्पनियों के नाम दिए गए हैं (एक) में “श्राई” व्यक्ति की
“एच” हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की “सी” कम्पनी की हैसियत
का सूचक है तथा (दो) में निर्धारित वर्ष (तीन) में विव-
रणी में दिखायी गई आय (चार) में कर-निर्धारित आय
(पाँच) में निर्धारिती द्वारा देय कर और (छह) में निर्धा-
रिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है :—

- (1) मैसर्स कान्टीनेंटल डिवाइस कं० (श्राई०) लि० नरेना
इण्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-22-007-सीटी-
4355 (एक) कम्पनी (दो) 1975-76 (तीन)
14,25,770 (चार) 15,58,280 (पांच) 76,253
(छह) 76,253
- (2) मैसर्स इण्डो-यूरोपियन मशीनरी कं० (प्रा०)
लि० कूचा उस्तांद दग, चांदनी चौक, दिल्ली-
22-0007-सी० जेड०-5436 (एक) कम्पनी
(दो) 1976-77, 77-78 (तीन) 12,11,330
1748,330 (चार) 12,11,330, 17,99,940
(पांच) 8,13,238, 11,49,346 (छह)
8,13,238, 11,82,550
- (3) मैसर्स आर० बी० श्राई० तीरथ राम शाह (इंडिया)
(लि०) 5, पार्सियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली 22-007-
सी० एन०-5337 (एक) कम्पनी (दो) 1974-
75 (तीन) 7,81,669 (चार) 10,81,669
(पांच) 7,40,470 (छह) 7,40,470
- (4) मैसर्स श्री राम रैफरीजरेशन इण्डस्ट्रीज लि०, 19-
कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, 22-007-
सी० वाई-4807 (एक) कम्पनी (दो) 1974-75

(तीन) 35,78,220 (चार) 36,26,500
(पांच) 20,94,356 (छह) 20,94,356

(5) श्री विराजी यत्वाप्त, 33-नजफगढ़ रोड, इण्ड-
स्ट्रीपल एरिया, नई दिल्ली-22-017-पी० वाई०-
3229 (एक) श्राई (दो) 1975-76 (तीन)
2,94,620 (चार) 2,94,620 (पांच),
2,03,468 (छह) 2,03,468

वागिक अमी लाल,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-
नई दिल्ली

आयकर अमील अधिकरण का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं० एक० 47-ए० बी० (एटी०)/50-भा० II—आयकर अपील
अधिकरण के अध्यालिखित अधिकारीगण, जो सहायक पंजीकार
के पद पर स्थानापन रूप से कार्य कर रहे हैं, की नियुक्ति
की पुष्टि दिनांक 1 अगस्त, 1978 से की जाती है :—

1. श्री आर० एम० छिकी
2. श्री सी० पी० संथानम
3. श्री एन० एन० नायक
4. श्री एम० बी० लाडे
5. श्री एम० एन० मंडल
6. श्री सत पाल
7. श्री एच० सी० श्रीवास्तवा
8. श्री ए० एन० तिवारी
9. श्री एल० आर० अप्रवाल
10. श्री जी० एम० सेठे
11. श्री एस० छलिया

टी० डी० सुणा,

अध्यक्ष,

आयकर अपील अधिकरण

प्रलेप धार्मि० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-व (1) के पश्चीन सूचना
[भारत उत्तराखण्ड]

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रोज़ III बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० आर० III/ए० पी०-३४६/७९-८०—भतः
मुझे, व्ही० एस० शेषाद्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-व
के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए 2, एस० नं० 65, हिस्सा नं० 5 एस०
नं० 72 एवं नं० 6 और 8 एस० नं० 76 हिस्सा नं० 1
है तथा जो मजास में स्थित है (मौर इससे उपाग्रह अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 15-६-७९ विलेख संख्या नं० एस० 647/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृहयमान प्रतिक्रिया से, ऐसे बृहयमान प्रतिक्रिया का
प्रत्यह अतिशय अधिक है और अन्तर्भूत (अन्तर्भूतों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उत्त पापा यथा प्रतिक्रिया, अन्तरिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
सिद्धि के बास्तविक काम से अनियत नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत; उक्त अधिक्रिया के अधीन कर देने के अन्तराल के द्यायित्व में
कठीं करने पा उससे बचने में तुष्टिका के लिए;
ओट्टवा

(क) ऐसी किसी भाव या किसी घन या मूल्य आविष्कारों
को जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; प्रा-
यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती हाता प्रक्रिया नहीं किया
यथा जो वा किया जाना चाहिए वा, कियाने
सुविधा के लिए;

भतः प्रभ; उक्त अधिनियम की आदा 269-व के अनुसरन
में, मैं उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपबारा (1)
के अधीन अन्तरिति अविष्कारों, अवदात :—

(1) तदिरा इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्री नथुभाई एन० पटेल और शांतिवाई एन० पटेल
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अविष्कारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविष्कारों में से किसी अविष्ट हारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अविष्ट हारा अवोहस्ताकरी के पास
सिद्धि के लिए जा सकेंगे।

एवं अन्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्तर्गत 203 में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्तर्गत में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 647/79 उपरजिस्ट्रार
अधिकारी अन्तरिती हाता दिनांक 15-६-७९ को रजिस्टर्ड किया गया
है।

व्ही० एस० शेषाद्रि
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अन्तरिती

दिनांक: 30 जनवरी, 1980.

मोहर:

प्रलेप आई० डी० एन० एस०—

आवश्यक विविधियम्, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 प (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 फरवरी 1980

निर्देश सं० के० एन० एल०/13/79-80—ग्रातःमुझे गो० सि० गोपाल निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त अर्जन रेंज डी० एल० एफ० कालीनी रोहतक

आवश्यक विविधियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विविधियम्' कहा बया है), की घारा 269-व के पश्चीन सकाम विविधिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 8 बीघा 11 बिस्ते तथा फैक्ट्री बिल्डिंग है तथा जो कस्बा करनाल में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण विविधियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मझे यह विवाह करने का कारण है कि यकायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्षित अधिक है और परप्रस्तु (भव्यरक्तों) और सम्मतिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण विविधियम् में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया यादा है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावट, उक्त विविधियम्, के पश्चीन कर देने के प्रमुखके के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी घन या भून्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय प्रायकर विविधियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त विविधियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती घारा प्रकट नहीं किया यादा या या किया याना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त विविधियम् की घारा 269-व के प्रनुसारण में, उक्त विविधियम् की घारा 269-व की उपचाप (1) के पश्चीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुन्दर लाल सुपुत्र श्री फतेहल्द, श्री ओम प्रकाश, चन्द्र प्रकाश योगेन्द्र प्रकाश पुत्रान् श्री सुन्दर लाल श्रीमती सरला देवी पत्नी ओम प्रकाश मार्फत मैं सुन्दर राइस मिल्स करनाल (अन्तरक)

(2) मैसर्स उगर सैन एन्ड सन्स करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी घालेपः—

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमव्याप्ति अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा प्रभोहस्तान्तरी के पास लियित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रभुक्त लम्बों और पदों का, जो उक्त विविधियम् के प्रधानाद 20-व में यादा परिचायित हैं, वही प्रथ होता जो उस प्रधानाद में विद्या वादा है।

अनुसूचों

सम्पत्ति भूमि 8 बीघे 11 बिस्ते तथा फैक्ट्री बिल्डिंग जो कि कस्बा करनाल में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्री-कर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1635 दिनांक 7-6-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त(निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 26 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 फरवरी 1980

निदेश सं. पी.० एन.० पी.०/22/79-80—अतः मुझे गो.० सि० गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज डी० ए.० एफ कालोनी रोहतक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के प्रधीन व्यक्ति कार्यकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, बिक्री वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रोर जिस की सं० कृषि भूमि 28 कनाल 19 मरले प्लाट नं० 48 गाँड़ कालोनी है तथा जो कचरोली तहसील पानीपत में स्थित है (ग्रोर इसमें उपायदृश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 22-6-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिस्तिरिक्त की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यापापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रोर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीतर ऐसे अन्तरण के मिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिद्धि उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से दुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के बतारक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन्न-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कश्मीरी लाल मपुत्र श्री राम दास पुत्र श्री सोहना राम निवासी पैराडाइज कृषि कार्म कचरोली तह० पानीपत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवान देवी पत्नी श्री करम न्द पुत्र श्री गणेशीदास निवासी डी-11/6 माडल टाउन देहली-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथोदत्तात्त्वातीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर एवं का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं शही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कृषि भूमि 28 कनाल 19 मरले जो कि प्लाट नं० 48 गाँड़ने कालोनी कचरोली तह० पानीपत में स्थित है तथा ग्रोर अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1425 दिनांक 22-6-79 में दिया गया है।

गो.० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 26 फरवरी 1980
मोहर :

प्रस्तुत प्राइंटी ३० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक
रोहतक, दिनांक 26 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० एन० पी०/12/79-80—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज ही० एल० एफ० कालीनी रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० ३० २ है तथा जो इन्डस्ट्रीयल प्लाट एरिया पानीपत में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलशन राय, धनपत राय, दर्शन राय पुत्रान श्री गिरधारी लाल निवासी ६९/१२ प्रभात रोड देहली
२. श्री टे. द्वान्द धर्मवीर यशवीर पुत्रान श्री रामकिशन दास निवासी ५९/१२ प्रभात रोड देहली

(अन्तरक)

चमन लाल मनोहरलाल भार्फत श्री चमन लाल पुत्र श्री गेन्दा राम श्री मनोहर लाल पुत्र श्री ईश्वर दाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा. प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रियल प्लाट टी-२- ८४४४ वर्ग गज जो कि इन्डस्ट्रियल एरिया पानीपत में स्थित है तथा जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक १८६४ दिनांक १६-७-१९७९ में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 26 फरवरी 1980
गोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

झर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 फरवरी 1980

निवेश सं० एस० आर० एस०/39/79-80—अतः मुझे गो० चि० गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त झर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है।

और जिस की सं० रोकान नं० 825 शडी बाजार है तथा जो सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वायित्व में कपो रहने वा उपरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (.957 का 27) के प्रतीकार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अक्षियों अधार्तः—

(1) श्री शंकर लाल, प्यारालाल पुत्रान श्री राजदत्त निवासी सिरसा (अन्तरक)

(2) श्री जगदीश राय पुत्र श्री शाम लाल मार्फत मैसर्स लाल घन्थ शाम लाल रोडी बाजार सिरसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यालयान्धि करता है।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 825 जो कि रोडी बाजार सिरसा में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2975 दिनांक 20-7-79 में दिया गया है।

गो० चि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

झर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 26 फरवरी 1980

मोहर :

प्राकृत आहे० शी० एल० इस० इस०—

(1) 1. श्री० शी० लोवज 2. पैरी गोपक

(पन्तरक)

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269वा (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती घार० शोभना बेंची

(पन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचिंचन-16

कोचिंचन-16, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निवेश सं० एल० शी० 369/79-80—यतः मुझे, के० नारायणा
मेनोन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269वा के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से
अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्री-
फरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-6-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विवास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और पन्तरक (पन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरियों)
के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण विधिन में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) पन्तरण न हुई हिसा प्राप्त का बाबा, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के पन्तरक के शायित्र में
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
और/पा

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त समाप्ति ते प्रबंधन के लिए
कार्राहिंगा करना है।

उक्त सम्पत्ति ते प्रबंधन ते नियन्त्रण ते छोड़ में आज्ञा —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तन्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा
म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या इनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अनुसूची

15 Cents of land with buildings as per schedule attached
to doc. No. 2505/79.

के० नारायण मेनोन
सकाम प्राधिकारी आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 6 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए के अनुमरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उठाघारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि : --

3-506CHI/79

परम्परा भाई० टो० ए० १९८०- - -

(1) श्री सी० श्री० वर्मा

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन यूनियन
भारत परसार

(2) श्रीमती उण्ड्यम्मा आद्वेष

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 2 फरवरी 1980

निवेश सं० एल० सी० 396/79-80—यतः मुझे के० नारायणा
मेनोन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिलका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-6-1979

को पूर्वोक्त विष्वास के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार पूर्ण, उसके दृश्यमान प्रतिकल ऐ, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्वरक
(अन्वरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्वरण के लिए तथा यादा गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्वरण लिखित में आमतिक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्वरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्वरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भागीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्वर-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
गुविधा के लिए;

अग्र: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अन्वरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित नियमों, अपति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्त्वावधी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गमनि में हिन्दू-
बद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रधिनियम में दिया गया है।

7600 Cents of land with buildings as per schedule attached
to doc. No. 2173/79.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 2 फरवरी 1980

मोहर:

प्राप्ति प्राइंटी टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43 की धारा

(1) श्री के० टी० जार्ज

(अन्तरक)

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, एरणाकुलम

कोचिच्चन-16, दिनांक 12 फरवरी 1980

निवेश सं० एल० सी० 397/79-80—यतः मुझे के० नारायणा भेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके रूपात् 'उत्तीर्णनाम' कहा जाता है), ना धारा 269-ख के पश्चीत सभी प्राधिकारी को, पड़ रिक्त रहने के कारण है यि स्थावर मालानि, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पेरूनाड विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राशी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-6-8 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यहापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल में, पेरूनाड दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है यार 1:12.5 (प्रन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) ने ऐच एस० अन्तरण 6 लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) श्रीमती श्रीष्ठियाम्मा जार्ज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजेंग के लिए कार्यालयाद्वारा करता है।

इसके सम्पत्ति के बजेंग के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितब वडे किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रहेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही कृप्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूदित

9 acres of rubber estate as per doc. No. 2310/79.

के० नारायणा भेनोन
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रकाश प्राप्ति ० टी० एन० एस०-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घास
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रबंधन रेंज एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 398/79-80—यतः मुझे के० नारायणा
मेनोन,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घास 269-ष
के अधीन सामग्री प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
में प्रधिक है,
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पेरुनाडु विलेज में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय राजी में भारतीय रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-79
को पूर्वोक्त सं॒ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के निए प्रत्यक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पद्धति
प्रतिशत स प्रधिक है प्रोटर प्रत्यक्षरक (अन्तरको) प्रोटर प्रत्यक्षरिती
(प्रत्यक्षरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के बारे तथा पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में बास्त-
विक करने के उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन जर देने के प्रत्यक्षरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बढ़ने में सुविधा के मिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिम्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रम-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानु
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, जिसने में सुविधा के मिए;

यतः प्रबंध, उक्त प्रधिनियम की घास 269-ष के बद्धमारण में,
में, उक्त प्रधिनियम की घास 269-ष की उपलाई (1) के पद्धति,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० टी० जार्ज

(प्रत्यक्षरक)

(2) श्रीमती चित्तिवास्मा जार्ज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यशाला करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजस्व पर प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसेवांची व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रश्नियां बाद में
प्रमाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) १० दूतावास के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वे हितमुद्देश किसी
पन्थ व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास निवित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिचयित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

9 acres of rubber estate as per doc. No. 2406/79.

के० नारायण मेनोन,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रबंधन रेंज एरणाकुलम

विवाद 12 : प्रत्यक्षरी ।
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण, सहायक आयकर भ्राम्भ (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 399/79-80—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पेर्लनाड विलेज में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय राष्ट्री में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-6-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल ऐसे, दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बोब ऐसे अनुरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण विद्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) भी के० टी० जार्ज

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लैस्याम्मा जार्ज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अपार्प होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकें।

इष्टोक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से वापिसी में राप्ते करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिपासे में सुविधा के लए;

9 acres of rubber estate as per doc. No. 2414/79.

के० नारायण मेनोन

साधारण प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 12 फरवरी 1980
मोहर :

कला अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, प्रधारि :—

प्रस्तुत आई० दो० एन० एट०----

(1) श्री के० दी० जार्ज

(भूत्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती त्रैस्याम्मा जार्ज

(भूत्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सशास्त्र प्राविधि वायुमा (नियंत्रण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 फरवरी 1980

कुदेश सं० एल० सी० 400/72-80-यतः मुझे के० नारायण
मनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस को सं० अनुसूची के अनुसार है, जो बेस्नाड विलैज में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राशी में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-7-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव
पाया गया प्रतिफल निम्ननिचित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निवित
में वास्तविक रूप से रुचिर नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई फिसी प्राप्ति को ग्राहक, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

9 acres of rubber estate as per doc. No. 2437/79.

के० नारायण मनोन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 12 फरवरी 1980

मोहर :

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम, को धारा 269-व के प्रत्युत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उत्तरा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्ररूप प्राइंटी० टी० एन० एस०

(1) श्री बी० बालब नाथर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० हर्षोल्लामद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 फरवरी 1980

निवेश सं० एल० सी० 401/79-80—यतः मुझे के०
नारायण मेनोनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिस की सं० अनुमूल्य के अनुसार है (और इससे उपादान
अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नेमूम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांकको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वार्तावान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिगत भे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुमूल्य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;Property mentioned in the schedule attached to doc.
No. 1528/79.के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज एरणाकुलम

दिनांक : 12 फरवरी 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुति प्राइवेट टी० एन० एस०—

(1) श्री भारत प्रधानमंत्री पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 402/79-80—यतः—मुझे के० नारायण
मेनोन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाम गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(2) श्री जी० मुकुलम पिल्लै

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना
की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;के० नारायण मेनोन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज एरणाकुलमअत, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
पारीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—दिनांक : 12 फरवरी 1980
मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती के० जी० तंकम्मा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) डा० वी० पी० मक्कार

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

एरणाकुलम्, दिनक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 403/79-80—यतः मुझे के० नारायणा
मेनोनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम् में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम् में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-6-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिकूल, निम्नलिखित
उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संत्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोद्दृताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

लाइकरण: — इसमें रुक्त शब्दों प्रौर वदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में अधिभापित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 Cents of land with building in Sy. No. 506/5 of
Ernakulam Village.के० नारायणा मेनोन
संभव प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

दिनांक : 12 फरवरी 1980

मोहर :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
नरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतु:—

4—506GL/79

प्रखण्ड पाई० टी० एन० एस०—
प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निवाश सं० ए० सी०/रेंज-२/कल०/१९—यतः मुझे के०
सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 80 है तथा जो फिडार रोड कलकत्ता, स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-६-७९
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण
लिखित में आसनशील रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्च
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उच्च अधिनियम की घारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उच्च अधिनियम की घारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अस्ति:—

(1) श्रीमती साधना बनर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्समध्ये अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किनी अथ व्यविधि द्वारा, अधोदानाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण 2 काठा 14 छटांक 9 स्क्वेयर फिट 80,
फिडार रोड कलकत्ता, मौजा बेलछरिया

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2,
54 रफी अहमद किलवाई रोड कलकत्ता-

दिनांक 31 दिसम्बर 1979
मोहर :

प्रकल्प आई० बी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 19 जनवरी 1980

निर्देश सं० 529/TR-62/C-78/Cal/79-80 यतः मुझे आई०
बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 41 है तथा जो शिवतला स्ट्रीट, कल० स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-79 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
म सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा को उपाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री महाबीर प्रसाद सरणी जईना रोड आदर्श०

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशी प्रभा जईना

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए जारीबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधिहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्थलदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

41 सिवतला स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 9 कठा जमीन पर
आंसिक घार तल्ला और आंसिक पांच तल्ला मकान का 1/3 हिस्सा
जो 4-6-79 तारीख में डीड नं० I-3048 अनुसार रजिस्ट्रार आफ
एयमुरेन्स कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्ट्री द्वारा

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 64, रकी अहमद

किल्डवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 19 जनवरी 1980

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 25 जनवरी 1980

निर्देश एस० आई० 530/टीआर-67/सी-63/कल०-1/
79-80—यह, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 123ए (1/3 भाग) है तथा जो लेनिन सरनी-कल० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-6-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री ईश्वरी प्रसाद गोवेंका

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रेश्वर नेत्राटिया, माइनर पिंडा देवकरन नेत्राटिया

(अन्तरिती)

(3) 1. ओरियन्टल इन्डिया वर्क्स 2. शरत चन्द्र पंडित
3. भारत मोटर इन्डिया वर्क्स 4, सांतरा एण्ड को०
5. मनोरंजन बह्या।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्तवन्धनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

करीब 17 कट्ठा 15 छटांक 14 स्को० फूट जमीन साथ मकान का अविभक्त 1/3 हिस्सा जो 123 ए, लेनिन सरनी, कलकत्ता पर अवस्थित और जो वलिल सं० I-3403 ता० 21-6-79 का अनुसार है।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I 54, रफी अहमद किंदबाई रोड,
कलकत्ता -16

दिनांक : 25 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकल्प शार्दूली०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अञ्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जनवरी 1980

निदेश सं० 531/टीआर-68/सी-52/कल०-1/79-80—
श्रतः मुझे, शार्दूली० वी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधीन सम्बंध प्राधिकारी को, यह विवराव करने का कारण
है कि स्थानीय प्रधारिति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 123ए (1/3 भाग) है तथा जो लेनिन सरनी,
कल० स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विवराव करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और भ्रमरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई छिपो आय की शारीर उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायत्व में कमी करने या उससे इच्छने में मुश्किल
के लिए, और वा

(ख) ऐसे किसी भाव वा विवाद के अस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती दाय प्रकट नहीं किया जा सकता या
या किसी जना चाहिए वा, छिपने में मुश्किल के
कारण;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ईश्वरी प्रसाद गोयेंका

(अन्तरक)

(2) श्री केऽनेमाटिया

(अन्तरिती)

(3) 1. ओरियन्टल इंजी० वर्से 2. शरत चन्द्र पंडित
3. भारत मोटर इंजी० वर्से 4. सांतरा एण्ड को०
5. मनोरंजन बहुया ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यनितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में
दिया दुआ है।

अनुसूची

करीब 17 कट्ठा 15 छटांक 14 स्को० फुट जमीन साथ
मकान का अविभक्त 1/3 हिस्सा जो 123ए, लेनिन सरनी, कलकत्ता
पर अवस्थित और जो दिलिल सं० I-3404 ता० 21-6-79 का
अनुसार है।

शार्दूली० वी० एस० जुनेजा,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, 54, रफी अहमद
फिल्डर्स रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 25 जनवरी 1980

मोहर :

प्रस्तुप स्थाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जनवरी 1980

निदेश सं० नं० 532/टीआर-68/सी-51/कल०-1/79-80—

यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 123ए (1/3 भाग) है तथा जो लेनिन सरनी, कल० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार भौमि, भौमि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, प्रथमतः :—

(1) श्री ईश्वरी प्रसाद गोयेका

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० नेवाडिया

(अन्तरिती)

(3) 1. ओरियेन्टल इंजी० बक्स० 2. भारत चन्द्र पडित
3. भारत भोटर इंजी० बक्स० 4. सांतरा एण्ड को०
5. मनोरंजन बरया ।

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि पात्रसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अवोधस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 17 कट्ठा 15 छटांक 14 स्को० फुट जमीन साथ मकान का अविभक्त 1/3 हिस्सा जो 123ए, लनिन सरनी, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० I-3405 ता० 21-6-79 के अनुसार है ।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, 54, रफी अहमद किदवाई
रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 25 जनवरी 1980

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी 1980

निदेश सं० ए० सि० 97/रेंज-VI/कल०-/79-80—यतः
मुझे, को० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिस की सं० 42/931 है तथा जो मौजा देवग्राम विधान है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलपाइयुडी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-6-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उपरोक्त बचतें में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भूत
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

(1) श्री सुनील कुमार राय

(अन्तरक)

(2) मैसंस डार्जिलिंग फ्लॉट्स (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

परगना बैकुन्थापुर, मौजा—वेबग्राम, जिला जलपाइयुडी, स्थित
12 कट्ठा 8 छटांक जमीन के सब कुछ जैसे कि 1979 का दसिल
सं० 2244 में आँर पूर्णरूप से वर्तित है।

को० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV,
54, रफिअहमद किलवाई रोड, कस० 1
दिनांक : 28 जनवरी 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टॉ० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 28 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० सी० 98/रेंज-IV/कल०/79-80—यतः
मुझे, के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 22 है तथा जो साधनपुर महला स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री विमलेन्दु बसु, सरोजाक्षय बसु,
बिलुपाक्षय बासु, मनोजाक्षय बासु,
शोभनाक्षय बासु, शैलजाक्षय बासु, उटपलाक्षय बासु,
श्रीमती आभा बासु, श्रीमती जयश्री मित्रा, और
श्रीमती जयन्ति मित्रा,
(अन्तरक)
- (2) श्री जय प्रकाश अग्रवाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/5 साधनपुर महला कालना रोड, बर्धमान में 1,66 एकड़
जमीन का साथ मकान सब कुछ जैसे 1979 का घलील सं० 4244
में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV,
54, रफीअहमद किल्वार्ड रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 28 जनवरी 1980
मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एस० ——

ग्रामहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
. अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 फरवरी 1980

निर्देश सं० 533/टीआर-38/सी-32/कल०-2/79-80—यतः
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० 24 और 25 है तथा जो तांत्रिकागान रोड
कलकत्ता-14 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 18-6-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ग्रीर/या

(ख) पेसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

5-506GI/79

(1) श्री सुमील कुमार और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री अमृत सत्तार और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान साथ 1 कट्ठा 4 छटांक 21 स्को० फुट जमीन जो 24,
तांत्रिकागान रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और मकान साथ 3 कट्ठा
7 छटांक 35 स्को० फुट जमीन जो 25, तांत्रिकागान रोड, कलकत्ता
पर अवस्थित जो रजिस्ट्रार, सियालदाह द्वारा रजिस्ट्रीकृत बसील
ता० 18-6-79 का अनुसार है।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-IV,

54, रफीग्रहमद किल्डवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 1 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकाशनांग दी० एस० एस०—

आधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन तृच्छा

भारत मराठा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस०आई०-534/टीआर-63/सी-55/कल०-I/
79-80—यतः मुझे, आई० वो० एस० जुनेजा,
व्यापार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि द्वावर संपत्ति विवाका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है।

और जिस की सं० 40 (1/4 भाग) है तथा जो गतेश चन्द्र एव्यनू
स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-6-79
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल कर पद्धत
प्रतिष्ठित अधिक है और अन्तर (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्थ में कमी
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/य

(ब)ऐसी किसी आय या किसी धन या क्षय आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिस जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

प्रत. इव, उक्त अधिनियम लो धारा 269-ष के अनु-
सरण में, मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री प्रल्लादराइ अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) श्री नरसिंहदास अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रखे पूर्वान्तर रमति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की आरोड़ से 45
दिन की अवधि या असम्भवी अविक्षियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो बीं शवाल बाद
में असाध द्वारी हो, के भीतर पूर्वान्तर अधिकारी ने मे
रियो अवित द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में चितवद्ध किसी
अन्य अवित द्वारा, अवोहस गक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रधुक्त अद्वयों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 3 छठांक 26 स्को० फुट जमीन साथ टिन-शेड
जो 40 गतेशचन्द्र एम्बिन्यु कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार
अब, एम्युरेन्मेम, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिनांक सं० 3501
का अनुसार है।

आई० वो० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-IV,

54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16
दिनांक : 1 फरवरी 1980
मोहर :

प्रलेप आई० बी० एन० एग०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० आई० 535/टीआर-64/सी-56/कल-1/

79-80—यतः मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,

आशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित वाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिस की सं० 40 (1/4 थोर) है तथा जो गनेश चन्द्र एभिन्यु
कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
26-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिफल की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अस्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवितियों
को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922
(1932 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तिमी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या केवल जाता था ही था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाता
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवितियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोवर्धन दास अग्रवाल

(मन्त्री)

(2) श्री बालकृष्ण दास गुप्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के बाबत मे कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरें अवितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के द्वितीय पूर्वोक्त अवितियों
में से किसी अविति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के द्वितीय उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृदय-
बद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में निम्न जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कठ्ठा 3 छटांक 26 स्को० फुट जमीन साथ टिन-शेड
जो 40, गनेशचन्द्र एभिन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित जो रजिस्ट्रार
अब एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 3500 का
अनुसार है।

आर० बी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-IV

54, रकीश्वरमद किलोमीटर रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 1 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 फरवरी 1980

निवेश सं० ए० सी० 101/रेंज-IV/कल०/79-80—

बतः मुझे, को० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सदम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त अधिकारी ने इसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 8/1 है तथा जो किंडे रोड हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे उच्चने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अवर्ति :—

(1) श्री शंकर नाथ चटर्जी (अन्तरक)

(2) मैसर्सं सेठ आईरन फाउण्ड्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तरंगेवाली अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधित वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियों के भीतर द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधिकारी द्वारा अविक्षियों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8/1, किंडे रोड, बांकरा, हावड़ा में 1 बीघा, 2 कट्टा, 11 छटांक जमीन साथ मकान का सबकुछ जैसे 1979 का दलील सं० 977 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 2-2-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एस० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 4 फरवरी 1980

निवेश सं० 661/एक्वा० आर०-III/79-80/कल०—
वतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अंतीम सकाम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायीर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 158 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अंतीम, तारीख 12-6-1079

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल निर्दित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अंतीम कर देने के प्रन्तरक के बाबिल से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अंतीम, निम्नलिखित अधिकितयों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रमादेवी सारोगी और अन्य
(अन्तरक)

(2) मैस० उसानील मार्केटिल (प्रा०) लिमि०
(अस्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यधारियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभी श्रीहोती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थायीर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मध्योहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त पद्धतों और पद्धों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 158, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता पर स्थित अंशीन और मकान का अंश जो रजिस्ट्रार अब एसुरेंस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत डलिल सं० I-3228/1979 का अनुसार है।

आई० वी० एस० जुनेजा
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 4-2-1980

मोहर :

प्रधन माई० ठो० एन० ए०---

प्राधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 फरवरी 1980

निवेश सं० ए० मि० /102/रेंज- /कल०/1979-580—
यतः मुझे, को० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या 65 है तथा जो लक्षणदाम लेन, हावड़ा
में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
9-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कषित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए भीरुया

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छत्तेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा; के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती बनमाला दत्त, अंजन दत्त, हरिस राणी पेटेल
(अन्तरक)
- (2) गडफे ब्लूमहिट सोमान
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

65 लक्षण दाम लेन, हावड़ा, में 2 काटा, 11 छटाक 5
संक्षेपर फुट जमीन का साथ मकान का सबकुछ जैसे 1979 का
दलील सं० 1556 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV/कलकत्ता,

तारीख: 5-2-1980
मोहर:

प्रमुख प्राप्ति ८२० एन० एग०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 फरवरी 1980

निदेश सं० ए०सी०-९९/रेज-IV/कल०/1979-80—यतः
मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कार। है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ठाग सं० 848 है तथा जो मौजा अर्जुनपुर, पि०
एम० राजारहाट, डम डम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 18) के अधीन, तारीख 5-6-1979
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यसापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष्यह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से अन्तरित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या ग्रामीण स्थानों
को, जिन्हे भारतीय अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ घन्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता जाहिं था, तिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- (1) मैमसू डोमाकि एन्ड संग प्रा० लि० किता
(अन्तरक)
(2) श्री अमलेन्द्र घोष, बिमलन्द्र घोष, सुखेन्दु स्व० श्री
घोष, श्रीमती लालाव्य घोष, संयुक्ता घोष, प्रताप
घोष, संप्रभिता घोष, पूर्णेन्द्र घोष, निर्मलेन्द्र घोष।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जो प्राप्ते :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में वर्णित की तारीख में
45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी अधिकारी गरि
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधिया जो भी
प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में वर्णित की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
कियों ग्राम अधिकत द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकें।

स्वाक्षरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही पर्याय द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास
माया है।

अनुसूची

दाग सं० 848, मौजा-अर्जुनपुर, राजारहाट, डमडम,
परम्परा 4 काटा, 3 छाटाक जमीन का साथ मकान वा सब-
कुछ जैसे 1979 का दलील सं० 3079 में और पूर्णरूप
से वर्णित है।

के० मिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV /कलकत्ता

तारीख: 8-2-1980

मोहर :

प्रमुख आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1980

निवेश सं. ए० सी० 100/रेंज-4/कल०/1979-80—यह:
मुझे, के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ढाग सं० 474, है तथा जो मौजा सिलीगुड़ी
जि० दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिलीगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 18-6-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या प्रन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रन्तरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत्: —

- (1) श्री विरेन्द्र नाथ राय सरकार, विवेद नाथ राय
सरकार (अन्तरक)
(2) श्री कृष्ण लाल प्रबीण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस व्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

परगना बैकप्टपुर, थाना-सिलीगुड़ी जिला-दार्जिलिंग
स्थित 42 कट्टा जमीन का सबकुछ जैसे के 1979 का
दलील सं० 3821 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता
तारीख: 13-2-1980
मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.---
पापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV /कल।
कलकत्ता दिनांक 14 फरवरी 1980

निदेश सं. ए० सी 103/रेंज-IV/कल 79-80—अतः, मुझे,
के० मिहा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है

और जिसकी मूल्य है तथा जो मौजा-कनकपुर जिला मिदनपुर
शहर में स्थित है (प्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण-
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पासकुरा में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 29-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याद
गया प्राकृत, निम्नतिवित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सोमाद आलि मलिक (अन्तरक)
(2) मेसर्स टाम्पलिस कॉलेज स्टोरेज को० प्रा० लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के
लिए कार्रवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख ने 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्यधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टव्यकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मौजा-कनकपुर, पासकुरा, मिदनापुर में 61 डेसिमल अमीन
का सबकुछ जैस 1979 का इलाल सं. 3417 में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सभाम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV/कलकत्ता

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-२/कल०/९-८०७—यतः मुझे, को० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 30 है तथा जो सेमेन टेंक लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थाः—

(1) श्री दिजेन्द्र लाल बेनर्जी और अदर्श

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया धोब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहृस्नाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

जमीन परिमाण 3 कासा 5 छटाक, 28 स्क्वेयर फुट,
30 सेमेन टेंक लेन, कलकत्ता ।

के० सिन्हा
सभम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२ कलकत्ता

तारीख :

मोहर :

प्रख्युक्त धार्हा० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, विनांक 21-12-1980

निवेश सं० ए० सी० 104/रेज-IV/कल०/1979-80—यतः;
मुझे, के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० डाग सं० 955, 918, 947, 972, 1286,
1288, 1289 है तथा जो धापा बांगुर, में स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया तिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में
सुविधा के लिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः :—

- (1) श्री समीर कुमार सरकार, प्रदीप कुमार सरकार,
प्रबीर कुमार सरकार (अन्तरक)
(2) श्री सुरेश चन्द्र भानुलाल पारेख (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्तात्कारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लिखित रूप से :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छापा बांगुर, 24 परगना में 500 बिधा "गोमक पोटा
भेर" का सब कुछ जैसे 1979 का दलील सं० 3128
में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV/कलकत्ता

तारीख: 21-12-1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, तारीख 21-2-1980

निदेश सं० ए० सी० 105/रेंज-IV /कल०/79-80 —यतः,
मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० तोजी सं० 1378/1379 है तथा जो सुन्दरबन
पी० एस० केनिंग स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12-6-79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी कियरने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री समीर कुमार सरकार, प्रदीप कुमार सरकार
प्रबीर कुमार सरकार, (अन्तरक)
(2) श्री सुरेश भंसाली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

सुन्दरबन, पी० एस० केनिंग, 24 परगना में० 223 एकड़
6 छटांक "मखीली मेरी" का सब कुछ जैसी 1979 का दलील
सं० 3225 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 21-2-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16 तारीख 20-2-80

निदेश ए० सी०/106 रेज-IV /कल०/1979-80—यतः

मुझे, के० सिन्हा,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
आजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 29 है तथा जो काली बारी लेन में स्थित
है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
पृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में छविन
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आमितियों
को, जिन्हे, मार्टीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर्स अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, यद्य, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपग्राहा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वनाथ मजूमदार, श्री जगेश्वर मजूमदार,
सम्भूनाथ मजूमदार, श्रीमती निहार काना मजूमदार,
कमला सेन गुप्ता, श्रीमती सिप्रा दास गुप्ता
(अन्तरक)

(2) 1. श्री लिंदीप बधू रोय, 2. श्रीमती बनी रोय
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

29 कानी बंधु लेन, पि० एस० कसबा, 24 परगना पर
स्थित 1 काटा 15 छटाक 31 स्क्वेयर फुट जमीन साथ मकान
सह कुछ जैसे 1979 का दलील सं० 2727 में और पूर्ण रूप
से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV/कलकत्ता
तारीख: 20-2-1980
मोहर

प्रलूप प्राई. डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के प्रभाव सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 फरवरी 1980

निवेश सं०ए०बी० 107रिंज-IV/कल०/1979-80—यतः मुझे,
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सकाम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 323 है तथा जो द्वापा, बांगुर, 24-परगना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (प्रभारकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिशत, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में
वाहवित रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रभाव कर देने के प्रभारक के दायित्व
में जमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय पर किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशाला
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रभाव
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वेश्वी समीर कुमार सरकार, प्रदीप कुमार सरकार
प्रदीप कुमार सरकार
(अन्तरक)

2. श्री धीरे द्र नाथ नियोगी
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाल्पेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्धताकारों के पाम
निवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जा उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

मनुसूची

मौजा द्वापा, बांगुर, 24 परगना में 300 बिला "जगू
मेरी" का सब कुल जैसे 1979 का बिल सं० 3080 में और
पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 21-2-1980

मोहर:

प्रलूप प्राईटी•एन•एस•—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक फरवरी 1980

सं० ए० सि० /रेंज II/कल०/1979-80—यत० मुझे
के० सिन्हा,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 19/ है तथा जो पाठकपारा रोड़ में स्थित
है, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29
जून, 1979

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा केंलिए;

प्रतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निर्मल रानी सेठ

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशिला गारोड़िया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण—6 कोटाह 19/1 पाठकपारा रोड़,
कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा:

269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30-1-1980

सं. 39/जून/79—ग्रतः मुझे श्रोत् आनन्दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 17 महल फस्ट स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (प्रीर इसमें उपाखण्ठ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे एस आर ओ I मदुरै (डाक नं. 2285/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यपान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँ अक्षय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; श्रोत्/गा।

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुभरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ।—

1. (1) श्रीमती मुधाथाल एची (2) श्री सुब्रमनिया चेतियार
(3) पैनैथापा चेतियार

(अन्तरक)

2. श्रीमती अंडालम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी हिए। करता हूँ।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन 6 सम्बन्ध में होई भी आवेदन :—

(a) इस सूचना के उत्तराव में प्रकाशन को नारोव से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(b) इस सूचना के उत्तराव में प्रकाशन को नारीव से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अवित्त द्वारा अन्तरितीकरण के पास लिखित में किए जा सकें।

इन्होंने :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के पद्धतयां 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं. 2285/79 जे० एम० आर०-I मदुरै भूमि और निर्माण डोरन० 17, महल I स्ट्रीट मदुरै।

श्रोत् आनन्दाम सकाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 30-1-1980

मोहर :

प्रलेप प्राईंडो टो० एन० एस०—

पात्रक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी, 1980

स० 40/जून/79—अतः, मुझे थ्रो० आनंदाम
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इनके तश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
बारा 269-घ के प्रधीन सक्रम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- र० से अधिक है

और जिसकी सं० 17 महल व 1ली स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है
(और इससे उपाध्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मदुरै (डाक न० 2286/79)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन जून, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंता एतियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

1. (1) मुताताल प्राधीन (2) सुधरमनियम छेदियाएँ
(3) पर्नेपथ छेदियार

(अन्तरक)

2. श्री एस० सतिमा पठेतियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदो का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचारित है,
रही अर्थ होगा, जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्त्र आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

(थ्रो० आनंदाम)

सक्रम प्रधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-, मद्रास

प्रतः ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की प्रारा 269-घ के अनुभरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपग्रहा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधारितः—

7-506GI/79

तारीख : 30-1-1980

मोहर :

प्रकप पाई० डी० एन० एव०----

1. श्री आर० राम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269व (1) के अधीन सूचना

2. श्री कौ० रामसामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-I, कलकत्ता

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1980

निवेश स० 67/जून/79—अतः मुझे, श्रो० आनंद्राम
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269व
 के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
 कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
 से अधिक है।
 और जिसकी स० 107 और 108 बेस्ट पेस्माल है जो मैस्ट्री स्ट्रीट
 मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मदुरैडप्पम,
 मदुरै (आक न० 870/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
 प्रतिक्रिया के लिये प्रभृति को गई है और मुझे यह विवास करने
 का कारण है कि इसपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 बृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे बृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से
 अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पावा यथा प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
 उद्देश्य से छह भन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में करित नहीं
 किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के ग्राहक के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण 1 द्वारा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के पधीन कर रेने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इचम में तुरिधा के लिए; और/या

मनुसंची

डाकुमेंट न० 870/79 एस० आर० श्रो० पुदुमंडपम, मदुरै
 भूमि और निर्माण डोर न० 107 और 108 बेस्ट पेस्माल मैस्ट्री
 स्ट्रीट, मदुरै।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिये था, छिनाने वे सुविधा के लिए;

श्रो० आनंद्राम
 मक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 श्रजन रेंज-I, मद्रास

अतः अ. उक्त अधिनियम की गा० 269-ए के अनुपरण में
 में, उक्त प्रदिनितर की बारा 269-ए को उपबारा (1)
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवात :—

तारीख : 30-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास-

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० 41/जून/79—अतः मुझे, श्रो० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० नं० 4 कहबोम्मान I स्ट्रीट है, जो बी० बी० कुलम, नरिमेडु मधुरे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, मधुरे (डाकू नं० 2171/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरं (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके के वायिव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतृत:—

1. श्रीमती एम० कस्तूरी अम्माल

(अन्तरक)

2. श्रीमती पार्वतीसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2171/79 जे० एस० आर० 1, मधुरे भूमि और निमाने-डोर नं० 4, कहबोगन I स्ट्रीट बी-बी कुलम, नरिमेडु, मधुरे।

श्रो० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-2-80
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, सद्वास
मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० 93/जून/79—अतः मुझे, औरो आनंद्राम
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० नं० 1719 व 1114
उत्तमपालयम

गांव है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावड़ प्रनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस आर-I, मद्रास नार्थ (डाक नं० 2218/79) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्भीकृत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती आर० राजेस्वरी अम्माल

(प्रस्तरक)

2. श्री एस० आर० नल्लप्प नायडू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रान्केप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अधीतर उक्तस्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रगृहित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्ययन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2208/79 जे० एस० आर० 1 मद्रास नार्थ,
अग्रिकल्चुरल भूमि सर्वे नं० 1719 व 1114—3.90 एकरस
उत्तमपालयम गांव, मदुरै।

ओ० आनं तम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-2-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

1. श्रीमती एस० गोविंदमाला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० 97/जून/80—अतः मुझे, ओ० आनंद्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
।० से अधिक है

और जिसको सं० 87 नार्थ पेमाल मैस्ट्री स्ट्रीट मदुरै में स्थित
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
र्टर्स अधिकारी के नायालय पुदुमजंपम, मदुरै (डाकून० 868/79
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून, 1979

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
निम्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
यापाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावधि अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री एम० पट्टानी चेट्टिपर

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लामी से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूबद्ध
फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्रोडस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 868/79 एस० आर० ओ० पुदुमजंपम, मदुरै
भूमि और निमाण डोर नं० 87, नार्थ पेमाल मैस्ट्री स्ट्रीट मदुरै।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-2-1980
मोहर:

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर व्यवित्रितम्, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० 110/जून/79—अतः महो, श्रो० आनंद्राम आयकर व्यवित्रितम्, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त व्यवित्रितम्' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दरए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सी० 168, तिरुनगर, तिरुपरंगुडरम है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय तिरुपरंगुडरम (डाकू० नं० 636/79) में रजिस्ट्रीकरण व्यवित्रितम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तियं अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोत्र ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, विभावित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती श्रो० बालम्माल

(मत्तरक)

2. श्रीमती एस० राजेस्वरी सेतुरामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के लिए कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंधमें कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रावृद्धताओं के ना। लिखित में किए या संकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त गद्वां प्रौढ़ गद्वां का, जो उक्त व्यवित्रितम्, के प्रधायाय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

(क) प्रस्तर द से हुई किसी आय की बाबत, उक्त व्यवित्रितम् के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 636/79 एस० श्रो० तिरुपरंगुडरम भूमि और निर्माण प्लाट नं० सी०-168 तिरुनगर तिरुपरंगुडरम मदुरै

(ख) ऐसा किसी आय या इसी आय या अन्य मासितियों को विहृ भारतीय आयकर व्यवित्रितम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यवित्रितम् या घनन्कर व्यवित्रितम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त व्यवित्रितम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त व्यवित्रितम् की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

श्रो० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 7-2-1980
मोहर:

प्ररूप ग्राही टी० एन० एस० -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 8 फरवरी 1980

सं० 28/जून/79—ग्रतः मुझे ओ० श्रान्द्राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 25 बेस्ट पेरमाल है, जो मैस्ट्री स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुदुमंडपम, मदुरै (डाक नं० 1064/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गठः न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सीतालक्ष्मी अम्माल-पावर एजेन्ट,
एस० जोविदाराजन ।

(अन्तरक)

2. माईनर एस० पी० शांता
वै, गाजियन वी० एस० पी०
सुब्बैया गट्टीयार ।

(मन्त्रिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तोक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दण्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1064/79 एम० आर० ओ० पुदुमंडपम, मदुरै भूमि और निर्माण डोक नं० 25 बेस्ट पेरमाल मैस्ट्री स्ट्रीट मदुरै ।

ओ० श्रान्द्राम

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 8-2-80

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास-00006, दिनांक 8 फरवरी 1980

सं. 29/जून/79—अतः मुझे श्रो० अनंत्राम

आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 25 है जो बेस्ट पेमाल मैस्ट्री स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुदुमडप्पम मदुरै (डाक नं. 1070/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार है मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल प्रतिविवित उद्देश्य में उस प्रतरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वे वाबप उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए इन व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) सर्वेश्वी एस० गोविंदाजन,
(2) जी० राजगोपाल

(प्रन्तरक)

2. माईन एस० पी० शांता, बै० गार्जियन
बी० एस० पी० सुम्मेया गेट्टीयार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो थी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस त्रैतीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि विसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदैकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं. 1070/79 एस० आर० ओ० पुदुमडप्पम, मदुरै भूमि और निर्माण डोक नं. 25, बेस्ट पेमाल मैस्ट्री स्ट्रीट, मदुरै।

श्रो० अनंत्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 8-2-80
मोहर :

प्रलय आई० टी० एस० —

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्राहन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-60006, दिनांक 8 फरवरी 1980

स० 26/जून/79—ग्राहन मुझे ओ० आनंद्राम

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सरत्रे नं० 216/4बी०, 3बी०, 855/1, 883, 23 और 24 है, जो पट्टीवीरानपट्टी, सेबुगमपट्टी निलाकोटाई तालुक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नक्तपट्टी (डाक नं० 170/79 में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयाप्तीकरण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल वे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई तियों ग्राहन को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन हर देश के अन्तररक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राहन या किसी धरने या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्राहन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन नेम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—506GL/79

1. श्री बी० एरनस्ट

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती रेनका श्रीनिवासन

(2) श्री एस० देवायग्या

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्राहन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन को अधिक या तत्पश्चात्यों अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोस्थानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 170/79 एस० आर० ओ० चत्पट्टी एमी-कलचरल भूमि-सरवे नं० 216/4बी०, 216/3बी०, 855/1, 883, 23 व 24, पट्टीविरनपट्टी, सेबुगमपट्टी।

ओ० आनंद्राम
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण),
ग्राहन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 8-2-1980।

मोहर:

प्रकृत आई० टी० एस० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के पश्चीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास
मद्रास-600006, दिनांक 8 फरवरी 1980

निदेश सं० 105/जून/79—गत: मुझे श्री प्रो० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' जून गया है), की प्राच 269-प के पश्चीन संक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधावर सम्बन्धित जिएक' उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिमकी मं० सरवे नं० 231 है, जो कोडेकनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडेकनाल (डाकु० नं० 217/79) में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधावरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अक्षरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित वर्द्धेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रधावरा में त्रुटि किसी भाषा की वारत, उक्त अधिनियम के पश्चीन कर देने के अन्तरक के वापिति में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के घनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1) के पश्चीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवति: ।—

1. श्री आर० वीजायारगुनाथ तोड़ेमान,

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमति आर० राजेश्वरी
(2) , के० जायालक्ष्मी
(3) , एस० सुब्बलक्ष्मी,
(4) , इंद्रानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अङ्गाय 20-क में परिचालित हैं, वही पर्याय होता जो उस अङ्गाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 217/79 एस० आर० ओ० कोडेकनाल, एग्रीकल्चरल भूमि और निमाण सरवे नं० 231, 52 एकड़ और 28 सेंट्स जो कोडेकनाल।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 8-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी, 1980

निदेश सं० 4/जुलाई/79—यतः मुझे ओ० श्रान्द्राम,।
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 48 नार्थ बीच रोड है, जो
मद्रास-600001 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जे एस० आर०-II, मद्रास (डाकु० नं० 2655/79) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई निसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उच्चारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधारितः—

1. दो सवूत इंडिया फ्लोर मिल्स (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

2. एस० ए० सतार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2655/79 जे० एस० आर०-II मद्रास
भूमि और निर्माण—लया डोर नं० 48, नार्थ बीच रोड,
मद्रास-600 001।

ओ० श्रान्द्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख 8-2-1980

मोहर :

प्रकाश प्राइंट बी.एस.एस.---

1. श्री सी० धनेशन और अवरम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की आदा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी, 1980

निदेश सं० 8690—अतः मुझे राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-ग के प्रधीन सम्प्रभावकारी को, यह विवाह संपत्ति का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पचाँवें प्रमुखीकरण मूदलियार है, तथा जो स्ट्रीट कुम्भकोनम में स्थित है (और इससे उपावह अनुभूति में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुम्भकोनम (डाकुमेंट सं० 1097/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अधिनियम की गई है और मुझे यह विवाह संपत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रतिशत है और प्रतिरक्ष (अन्तरकी) और प्रत्यक्षिती (अन्तरिक्षिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिरक्ष फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति निवित में वास्तविक रूप से विवित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीं अवधियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवह जिसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदृश्य शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण के तुर्हि किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी इरामे पा उठसे उक्ते में सुविधा के लिए। और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण पचाँवें प्रमुखीकरण, मुदालि स्ट्रीट, कुम्भकोनम (डाकुमेंट सं० 1097/79)

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या निर्माण या अन्य अधिकारी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, जिसने में सुविधा के लिए।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-ग के प्रमुख संपत्ति में, मैं उक्त अधिनियम की आदा 269-ग की उपलब्धता (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् 1—

तारीख 4-2-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०----

1. श्रीमती मरमतनी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रवीन सूचना

2. श्रीमती तिरिपुरमुन्दरी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, पश्चात् आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी, 1980

निरेश सं० 7359—अतः मुझे राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयात् करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० कील स्ट्रीट है, तथा जो चिदम्बरम में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाकुमेंट
सं० 2495/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के प्रधीन जून, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात् करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरन (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रखित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी रखने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण 11, कील स्ट्रीट, चिदम्बरम, (डाकुमेंट
सं० 2495/79)

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बाल कृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथनं रेज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

तारीख 9-2-1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1980

निदेश सं० 10213—यतः मुझे राधा कृष्ण बाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 75, डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद रोड है, तथा जो
कोयम्बटूर में स्थित है (ओर इससे उपांड अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
कोयम्बटूर, (डॉकुमेंट सं० 1739/79), में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री आर० नागराजन

(अन्तरक)

2. श्री राह० वी० घापाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
निपी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निम्नांि 75 डाक्टर, राजेन्द्र प्रसाद रोड,
कोयम्बटूर (डॉकुमेंट सं० 1739/79)

राधा कृष्ण बाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास ।

यतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख 7-2-1980

मोहर :

प्रस्तुति ग्राही ३० टी० एन० एस०---

1. श्री पानडुरनंदन चेट्टियार ललिताम्माला।

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री बद्रनारायण

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी, 1980

निवेश सं० 10101—यतः मुझे, राधा, बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सकार अधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० रनको कौनडर स्ट्रीट है तथा जो कोयम्बटूर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण स्पृह से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर
(डाकुमेंट सं० 2856/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि टी० सं० 3/1865/2, और 3/1866, रनको
कौनडर स्ट्रीट, कोयम्बटूर, (डाकुमेंट सं० 2856/79)।

राधा बालकृष्ण
सकार अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अचान्ति :—

तारीख : 8-2-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8-फरवरी, 1980

निवेश 10101—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० रनबे घौनडर स्ट्रीट, है तथा जो कोयम्बटूर में
स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्षों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पानडुरनथन चेट्टीयार

(अन्तरक)

2. श्री राम कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख ने 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि वाले में मापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चें का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टीस सं० 3/1865/2 और 1866 रनबे घौनडर
स्ट्रीट, कोयम्बटूर, (आकुमेंट सं० 2855/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख 8-2-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेश सं० 10100—यतः मुझे, राधा, बाल कुण्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
प्रधीन पश्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- है में
अधिक है।

और जिपकी सं० वेस्ट बेनकिट्स्वामी, है तथा जो
कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2923/79) में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से रूप के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल में, ऐसा दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तथा यादा गया प्रति-
कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप या अस्तित्व नहीं लिया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) केसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—
9—506G1/79

1. श्री पी० रटनम

(अन्तरक)

2. श्री प्रफुल्ल सेजपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरक्कीन्द्रीय व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि—वेस्ट बेनकिट्स्वामी रोड, कोयम्बटूर (डाकुमेंट
सं० 2923/79)

राधा बालकुण्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 7-2-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हार्षित इताल परिवर्तन वार्ता (टिगोरा)

अर्जन रेंज II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेदण सं० 10235—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन संश्लेषण को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 34 ईरोड है तथा जो ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुपोइंट सं० 2552/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979

को पूर्वोक्त संश्लेषण के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संश्लेषण का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है आर अन्तरक (अन्तरकों) श्री अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तीण के लिए तगड़ा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा हो लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० के० सकतिवेल

(अन्तरक)

2. श्री जी० सीरस्टंघ घोनडर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संश्लेषण के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संश्लेषण के अर्जन के पश्चात् मैं होऊँ जी आयो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील गे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, र भीतर, पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी भावित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—यपां अनुसूची शब्दों द्वारा दर्शन का, जो उक्त अधिनियम के विवाद 206 में परिचयित हैं, वहाँ प्रत्येक होगा, जो उन प्रश्नावाप में दिया गया है।

अनुसूची

भूगि और निर्माण सं० सं० 34, ईरोड (डाकुमेंट सं० 2552/79)।

राधा बालकृष्णन
संश्लेषण करने वाले
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 7-2-1980

मोहर :

प्राप्ति आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1980

निकेश सं० 10235—पतः मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब (1) अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 34 है, तथा जो ईरोड में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय ईरोड में (डाकुमेट सं० 2553/79) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून, 1979 को,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके यह
विश्वास करना कारण है कि वशालूवांक सालाह का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल के, ऐसे
दूसरमान प्रतिफल का नहीं वर्गित प्रतिफल है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) वाल प्राधिकारी (प्राधिकारिक) के द्वारा
ऐसे प्रत्यक्ष ही नियुक्त था। यह विश्वास, निम्नलिखित
उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई इसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या नियुक्त वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० के० सकतिलवेल

(अन्तरक)

2. श्री ल० पी० श्रेयास्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (a) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उपांघो व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन से अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से इसी व्यक्ति द्वारा;
- (b) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, पदोन्नताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्राप्त गञ्जों शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधारा 20-ब में परिभाषित हैं, वही अंग होगा, जो उक्त अधिकार में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० स० 34, ईरोड (डाकुमेंट सं० 2553/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 7-2-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1980

निदेश सं० 10235—यतः मुझे राधा कृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 34 है तथा जो ईरोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 2554/79)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः:—

1. श्री वी० के० सक्तिवेल।

(अन्तरक)

2. बाल सुब्रह्मनियम और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के, अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संटोषीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० सं० 34, ईरोड (डाकुमेंट सं०
2554/79)।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 7-2-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1980

निदेश सं० 10235—यतः मुझे राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सं० 34 है, तथा जो ईरोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 2555/79) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच
ऐसे प्रत्यरण ह कि या
उद्देश्य ने उक्त प्रत्यरण निवित्र से वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में तुझे किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी हिसी प्राप्त या हिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री वी० के० सकतिवेल

(अन्तरक)

2. श्री टी० शम्मुड सून्दरम और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शाल करता है।

उक्त प्रधिनियम के प्रत्येक निवाश में कोई भी ग्राहकोः—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रत्याशन की तारीख से 45
दिन को प्रत्येक प्रत्यक्षित व्यक्तियों पर सूचना की
तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
हिसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रत्याशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितवद्धि हिसी
प्रत्यक्षित द्वारा, अत्रोत्पत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों औरादों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क वे परिभासा हैं, वही अर्थ होगा
जो उक्त प्रधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निमणि सं० सं० 34 ईरोड (डाकुमेंट सं०
2555/79) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-2-1980
मोहर :

प्रकृष्ट आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेश सं० 10236—अतः मुझे, राधा बाल कुण्डे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सन्दर्भ प्राप्तिकारी को यह विषयावाच करने का कारण है कि स्थावर मंगलि, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० एस सं० 34, है तथा जो ईरोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 2656/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से छह के पूर्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विषयावाच करने का कारण है कि वास्तुपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्वमान प्रतिशत में, ऐसे वृक्षशाल प्रतिकार वा ऐसी प्रतिशत से अधिक हो और भवतरक (भवतरको) भी उच्चतमी (चतुर्विंशती) वा वाच ऐसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्बन्ध निश्चित ये वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) भवतरप से हुई किसी आय को राधा बाल अधिनियम के अधीन कर देने के मानारक कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरित धारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिन था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के पन्नसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्णतः—

1. श्री धी० के० सक्तिवेल

(अन्तरक)

2. श्री अध्यव्यन और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी छारे उद्दोक्त सम्पत्ति के प्रमेत्र के लिए निम्नलिखित शुल्क दराया है:

उक्त सम्पत्ति के अजेंद्र वा उपर्युक्त नारी छारे वा अन्तरिती—

(१) इस सूचना के रात्रपत्र में वर्णित की गयी वा से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अधिकतयों पर गुणना की गयी तथा 30 दिन की अवधि, और भी अवधि वाद में अपार्ज्य होती हो, के भीतर उद्दोक्त अधिकारी ने ये छिपाने अद्वितीय थारा;

(२) इति गुणन के रात्रपत्र वा अन्तरिती को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वितरण किसी अवधि वारा अवधिवाक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इत्येवं गुणन की विवरण का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 269-ए में वरिभासित है, उसे प्रत्येकीना, जो उत्त प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० सं० 34; ईरोड (डाकुमेंट सं० 2656/79)

राधा बाल कुण्डे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 7-2-1980
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1980

निवेश सं० 8693—यतः मुझे, राधा बाल कृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० 17ए, महात्मा गांधी रोड है तथा जो पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 878/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1980 को पूर्वीकृति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकृति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्हें दृश्यमान प्राप्ति के ऐसे दृश्यमान वित्तिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की विभिन्न प्रतिशत के लिए तत्र पाया गया प्रतिकरण विनियिक उद्देश्य से उक्त प्रतिशत किसिन में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों शर्यतः:—

1. श्री जेयमारी और अन्य

(प्रत्यक्ष)

2. श्री जी० घनेशन

(प्रत्यक्षित)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नोटीफिकेशन:—इसमें यथानु शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—17ए, सालेतेल, मुरैयालपेड़, पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 878/79)

राधा बाल कृष्ण
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-1-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1980

निदेश सं० 7401—यतः मुझे, राधा बाल कृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पासनात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षित जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11, विश्वास बाल न० ८५३७४, है, नवज ० (ईस्ट) मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाकुमेंट सं० 1355/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तरोक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ने वो ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पठमिनी और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री योधम कृशनस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजान्व में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजान्व में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अनोद्दत्तान्तरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें त्रुक्त गांधों पौराणों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 11 विश्वास बालरस एकेन्यू (ईस्ट)
मद्रास-4 (डाकुमेंट सं० 1355/79)

राधा बाल कृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 29-1-1980

मोहर :

प्रक्रम प्राई-टो-एल-एस--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1980

निवेश सं 8710—यतः मुझे, राधा बाल कृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विचित बाजार
मूल्य 25,000/- ₹ थे प्रथमिक है

और जिसकी सं 101, साउथ स्ट्रीट, चिदमबरम है तथा जो
चिदमबरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चिदमबरम (डाकुमेंट सं 1374/79) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून, 1979

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यगान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यगान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यगान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बावजूद, उक्त अधिनियम
के अन्तर्न कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में भूमिका के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य मासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना गहिए था, ठिकाने में
सुविधा के लिए;

1. इन्दिरा मीनाक्षी

(अन्तरक)

2. श्री जी० ठौरेराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीकृत सम्पत्ति के अंतर के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के निम्न में कोई भी आधेगः—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अधिकारियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकृत अधिकारियों में से हिस्सी अधिकृत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अधिकृत द्वारा, भूमोहस्ताकरी के पास विवित में हिस्से आ सकेंगे।

सावधानीकरण:—इसमें वर्णित गद्दीयों पौर पर्ती का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—101, साउथ स्ट्रीट, चिदमबरम
(डाकुमेंट सं 1374/79)

राधा बाल कृष्ण
संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों, प्रधार्ता:—

10—506GI/79

तारीख : 8-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० 10212—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 1ए, और 1 बी है तथा जो टेलुनघुपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1484/79) म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तुरकों) और अन्तरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री शारदा हरीहरन

(अन्तरक)

2. कल्यानी शंकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अथ अविक्षित द्वारा, भ्रष्टोत्स्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-व में परिपादित है, वही पर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए प्रयुक्त

अनुसूची

भूमि —प्लाट सं० 1ए, टेलुनघुपालयम, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1484/79)

(ख) एसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

राधा बाल कृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

यतः यत्, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रकप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रामीण विविध, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० 10212--एन॒: मुझे, राधा बाल कृष्ण, ग्रामीण विविध, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्याख्यात 'उक्त प्रविधियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संभव प्रायिकारों को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी संख्या 1बी, टेलुनधुपालयम है तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावड़ा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1485/79) में रजिस्ट्रीकरण प्रविधियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के प्रदूष प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रभावरक (प्रभावरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा प्राय गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रविधियम के अधीन कर देने के अस्तरक के अधिकार में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौरया;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविधियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रविधियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रविधियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अस्तित्व—

1. श्री शारदा हरिहरन

(अन्तरक)

2. श्री सरस्वती अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधीक्षित वारी के पास जिक्रिय में किए जा सकेंगे।

प्रवधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविधियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—प्लाट सं० 1 बी, टेलुनधुपालयम, कोयम्बटर (डाकु-मेंट सं० 1485/79)

राधा बाल कृष्ण
सक्षम प्रायिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II; मद्रास

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट पाई० औ० एन० एस०-----

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन मूल्य:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1980

निदेश सं० 10230—अतः मुझे, राधा बाल कुण्ठे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भारती स्ट्रीट है तथा जो वीरप्पन चटर्म
ईरोड में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड
(डाकुमेंट सं० 2096/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथाधूर्वांक सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से
उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया
है।—

1. श्री राह वरदराजन

(अन्तरक)

2. श्री नललम्माल और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी प्रावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की वार्षीय से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किसी अधिकता हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवड़ किसी अन्य अधिकता हारा, अवौहस्ताकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

(क) एस० ए० निम्नों द्वारा दिया गया उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी निम्नों द्वारा किसी बन या घन्य आलियों
को, जिन्हें प्राप्तकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ प्रतिरक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण 30ए 3; भारती स्ट्रीट, वीरप्पन चटर्म
(डाकुमेंट सं० 2696/79)।

राधा बाल कुण्ठे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 6-2-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम द्वारा 269-व के मनुस्करण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा
(1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवौत्:—

प्रकृष्ट प्राई. टी.एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1980

निवेश सं. 10230—प्रत: मुझे, राधा बाल कृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि एवाच अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं. 30ए, 3, भारती स्ट्रीट है तथा जो वीरप्पन
चटर्ज, ईरोड़ में स्थित है (और इससे उत्तर अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय
ईरोड़ (डाकुमेंट सं. 2697/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अधिनियम की वई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रदृश प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निर्मानित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाता चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1)
के अधीन, विवरित अविक्तियों, अवृत्ति ।—

1. चिदम्बरम

(अन्तरक)

2. श्री एम. पलतनिस्वामी

(अन्तरिति)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के सम्बन्ध में ओर भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रविष्ट शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रबोहस्तावारी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20ए में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा; जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण—30ए 3, भारती स्ट्रीट ईरोड़
(डाकुमेंट सं. 2697/79) ।

राधा बाल कृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-2-1980
मोहर :

प्रस्तुत प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

1. श्री के० मुनियपन और अन्य

(अन्तरक)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० नाथरटनम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II; मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1980

निदेश सं० 10098—अतः मुझे राधा बाल कुण्ठन्,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,00/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 6 स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे
उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3016/79)
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की यई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
लिखित म गस्तविज्ञ रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के शायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
जो, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) १। उक्त अधिनियम, या
अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन लिमिटेड अधिकारी, अवैतु:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत से कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
ब द्वारा किसी अन्य अविक्त द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्र
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 167-168; 6 स्ट्रीट, थांदिपुरमा;
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3016/79)।

राधा बाल कुण्ठन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर शायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 5-2-1980
मोहर:

प्रख्य प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1980

निवेश सं० 10098—यतः, मुझे, राधा बालकुञ्ज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है
और जिसकी सं० 13/169-170, आदिपुरम है, तथा जो
6 स्ट्रीट, कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बत्तूर (डाकुमेंट सं० 3016/79) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० मुनियप्पन और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री एम० श्रवनाशियप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में फिर जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण — 13/169-170 थांदिपुरम 6 स्ट्रीट
कोयम्बत्तूर (डाकुमेंट सं० 3016/79)।

राधा बालकुञ्ज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1980

निर्देश सं० 10098—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 13/171, धादिपुरम है, तथा जो 6 स्ट्रीट कोयम्बत्तूर में स्थित है (ग्रौं और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर (डाकुमेंट सं० 3017/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भव्यरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तररण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के बन्धारण के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्थायों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धात-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथोबत्तार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

1. श्री के० मुनियप्पन और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री के० विश्व१।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-का में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—13/1-71, धादिपुरम 6 स्ट्रीट कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3017/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 5-2-1980

मोहर :

प्रकल्प प्राइंट ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निम्नेण सं० 10254—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर पर्याप्ति, जिवाँ उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस सं० 937/1, 547/2, 547/1 964, 945, और 548, है, तथा जो कोटाधिरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोटाधिरी (डाकुमेंट सं० 460/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपरोक्त कृश्यनात प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) भी र अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से तुझे किसी प्राय की बाह्यत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(घ) ऐसी हिसों प्राय या किसी धरा या पन्न आदियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रवित्रियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर प्रवित्रियम, 1957 (1957 का 27) के व्योगनार्थ अन्तरिक्षीय हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसने में मुश्किल के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रयुक्त अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11--506GI/79

1. श्री सौदर पांडियराज।

(अन्तरक)

2. वसन्तराज पांडियराज।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण :——इसमें प्रयुक्त पाब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही घर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 937/1, 547/2, 547/1, 964, 965 और 548, कोटाधिरी (डाकुमेंट सं० 460/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2 मद्रास

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रलेप आईडी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निकेश सं० 10254—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 937/2 और 549 है, तथा जो कोटधिरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोटधिरी (डाकुमेंट सं० 549/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का छारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम ने अधीन नहीं देते के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

1. श्री जी० टी० सौदर पांडियराज।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमसाधर पांडियराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अंग व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-नहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगात्मक अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया था या किया जाना चाहें था छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि आर० एस० सं० 937/2 और 549, कोटधिरी (डाकुमेंट सं० 459/79)।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-2, मद्रास

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 7-2-1980
मोदूर:

प्रस्तुति आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० 10254—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उद्यापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 937/1 है, तथा जो कोटघिरी में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, कोटघिरी (डाकुमेंट सं० 458/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तररक्तों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उच्चारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अवृत्त :—

1. श्री जी० टी० सौदर पांडियराज।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जानकी सौदरराज।

(अन्तरिती)

को यदृ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी प्रावेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में बितबद्ध किसी अस्थ अविक्षय द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संरक्षण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयाप्त 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयाप्त में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं० आर० एस० 937/1, कोटघिरी (डाकुमेंट सं० 458/79)।

राधा बालकृष्णन,
सन्नम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० 10255—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 12/26-29, मूलनूर है, तथा जो ठारापुरम में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूलनूर (डाकूमेंट सं० 571/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः:—

1. श्री सी० मानिखम और अन्य । (अन्तरक)

2. श्री एन० मुतुस्वामी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त प्राप्ति के अर्जन के प्रत्यन्ध में कोई भी ग्राहकः:—

(क) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तापीत के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण —मूलनूर बठुघपट्टी रोड, मूलनूर (डाकूमेंट सं० 571/79)।

राधा बालकृष्णन,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट लीनो एसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रावकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं. 10108— अतः मुझे, राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 28/54, है तथा जो कौली ब्रौन रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं. 2799/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तर्पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरण के हायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी ब्रन या भव्य प्रासितियों को, जिहे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों अवधारित:—

1. श्रीमती के. नदिनी प्रौर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री एम.ए. लतीफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रधायाय के 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण— 28/54, कौली ब्रौन रोड, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं. 2799/79)।

राधा बालाकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, मद्रास

तारीखः 7-2-1980

मोहरः

प्रारूप टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश स० 10240—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 902/3, है, तथा जो मेट्रूर रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डकुमेंट स० 2841/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापत्ति में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० एम० आदिसवरन

(अन्तरक)

बी० एम० चिन्मयन और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रवृत्ति उक्त व्यक्ति द्वारा अवौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि टी० एम० स० 902/3, मेट्रूर रोड, ईरोड, (डकुमेंट स० 2841/79) ।

राधा बालकृष्ण,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रकल्प शाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश स० 10249—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० नठुवट्ठम है, तथा जो घूड़सूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय घूड़सूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि गतरक (गतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए नहीं पाया
गया प्रतिकर्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिकरण में विविध
वास्तविक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती रहमत बीबी
रजिया बीबी

(अन्तरक)

2. श्री के० पी० मोहम्मद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यवर्ती में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्षम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में में किए अवक्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही
प्रवृत्ति होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण —नठुवट्ठम घूड़सूर (डाकुमेंट सं०
637/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1980

निर्देश सं० 10247—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 4, सेनघनूर है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घासिपुरम, कोयम्बटूर (डाकुमेंट स० 2070/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बी० विजय लक्ष्मी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजकुमारी जेयन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौद्युसराकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि-4, सेनघनूर, कोयम्बटूर (डाकुमेंट स० 2070/79)।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 6-2-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-२, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० 10102—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 21/492, रनघे फोड़र स्ट्रीट है, तथा जो कोपम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, कोपम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2845/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यगत प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

12—506GT/79

1. श्रीमती हेमशीरा श्रीवी

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती वी० ए० पलनिस्व मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकाप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दायीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—21/492, रनघे फोड़र स्ट्रीट,
कोपम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2845/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२, मद्रास

तारीख : 6-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1980

निर्देश सं०—१०२४४—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4, तुरसी निवास रामलिनाथ नगर है, तथा जो कोयम्बटूर-११ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आदिपुरम कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1726/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा यावा गा ग्राम प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हई फिरो आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा रहिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० गणेश कुमार

(अन्तरक)

2. श्री के० बोलुमानी और के० रमेश

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षर्य:—इतर्वा प्रभुरा शब्दों और पदा जा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूर्म और निर्माण—४, तुरसी निवास रामलिनाथ नगर कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1726/79)।

राधा बालकृष्णन
ताम ग्रामीणारी,
नदीनगर नगर पालिका आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-2-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. श्री के० वी० राजगोपाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री वी० रतन नाथ

(अन्तरिती)

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 फरवरी 1980

निर्देश सं० 7420--यतः, मुझ, राधा बालकृष्ण, प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 4, है, तथा जो वैद्यराम अव्यार स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्त्रीपता अधिकारी के कायालिय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेंट सं० 774/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोत्तम समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूषयमान प्रति हन रु० निए प्रतिरित की गई है और मुम्भ रु० विश्वाग करने का कारण है कि पथा पूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूषयमान प्रतिफल से, ऐसे दूषयमान प्रतिफल के फन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चालिक छा से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विषय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहिया शुल्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व(1) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(ख) ऐसौ किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए आ, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—4, वैद्यराम अव्यार स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 774/79) ।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसर में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-2-1980
मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती सी० बी० सेशान्द्री, और अक्षरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सी० तायम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्देश मं० 10218—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 6/79 है, तथा जो सुलिलवान स्ट्रीट कोयम्बटूर में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1904/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सुलिलवान स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1904/79)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्ण
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्रकृति आई० टी० एस० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1980

निर्देश सं० 10265—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी जो यह विवास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 440/3 है, तथा जो इसवरन कोविल स्ट्रीट तिरुचूर में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचूर (डाकुमेंट सं० 1131/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठाल के लिए अन्तरित जी गई है और मूले यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी घाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में छमी करने या छमसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख)ऐसो किसी घाय का छन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-घ के अनुसूचन में, म, उक्त अधिनियम, की वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० कृष्णस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री ए० गोपाल स्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तरसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोदृस्तान्तरी के पास लिखित में लिए जा मर्कें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही पर्यंत होता, जो उस अन्याय में दिया गया है।

बन्धुकृष्ण

भूमि और निर्माण—440/3 टी० एस० ईश्वरन कोविल स्ट्रीट तिरुचूर (डाकुमेंट सं० 1131/79)।

राधा बाल कृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 14-2-1980

मोहर :

प्रकल्प नारू० टी० एन० पर०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1980

निवेश सं० 10234—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और, जिसकी सं० 191, है, तथा जो टी० वीरबद्र चेट्टीयार
रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ईरोड (डाकुमेंट सं० 2655/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्थमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्थमान
प्रतिफल से, ऐसे दूस्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अविस्तयों, अधीक्षतः:—

1. श्री ए० बालसुभमनिय मुदलियार

(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० बालसुभमनिय चेट्टीयार

(2) श्री जी० राजामद्वाल

(3) श्री एन० श्रीनिवासन और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजन में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
यमात्र होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता की पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 191, वैस चेयरमैन टी० वीरबद्र चेट्टीयार रोड,
ईरोड (डाकुमेंट सं० 2655/79)।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त; (निरीक्षण);
अर्जन रेज- , मद्रास

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

प्रधन प्राइंटी टी० एस० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० 10260—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 279/1 है, तथा जो अरन मनेपुद्रूर तिरुप्पूर में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पूर (डाकुमेंट सं० 936/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के प्रग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे बदने में मुविद्धा के लिए; प्रौढ़/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रासिन्यों को, जिन्हें प्रारंभी प्राय हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्चि के लिए;

प्रतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, घर्षतः—

1. श्री बी० राम प्रसाद, नहलप्पा गोडर

(अन्तरक)

2. श्रीमती मरस्वनी अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहिया शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरिती अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अप्य अविक्षिया द्वारा, पूर्वोक्तस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अप्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 279/1, अरनमनेपुद्रूर तिरुप्पूर (डाकुमेंट सं० 936/79)।

राधा बालकृष्ण
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० 8639—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 121/1ए, है, तथा जो सेमबरकम सेंडापेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, टाम्बररम (डाकुमेट सं० 2432/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीलक्ष्मीनारायण स्वामी, उमेश चन्द्रा (अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मिनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोकी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सं० 131/1ए, सेमबाल्कम (डाकुमेट सं० 2432/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 12-2-1980
मोहर :

ब्रह्मपुर बाई० ही० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्वेश सं० 7374--प्रतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन समय प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्तिवाचार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 628/3 है, तथा जो 29, रायपेट्टा हाई रोड मद्रास-14 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), [रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मीतापुर (डाकुमेंट सं० 1101/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 79 की पूर्णत भावान सम्पत्ति के ग्रावर राशि से रूप के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मूले वह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उच्चत बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर (अन्तरित) और अनुसूची (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरोध के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाहाविह रूप से लिया गया है :—

(क) अन्तरण में हई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने पा उससे बचने में सुविधा है लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें मार्दीय पायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनाकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

13—506GT/79

1. आर० अम्बजभाल और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री आर० स्वामीनाथन

(प्रतिरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजंन के लिए कार्यावधियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अव्रंत के संबंध में कोई भी प्रावेष्ठ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रवधि या तत्संबंधी अकियों पर मुक्ति की तामील से 30 दिन को प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ज किसी अन्य अधिकारी द्वारा प्रधीन अक्षर के पास लिखित रूप में किए जा सकेंगे :

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अवधि होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-- 29, रायपेट्टा हाई रोड, मद्रास-14, (डाकुमेंट सं० 1101/79)।

राधा बालकृष्ण
कक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज- . मद्रास

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 18 फरवरी 1980

निवास सं० 8625—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 132, तनगराज नगर है, तथा जो तिरुप्पा-
पुलियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
कडलूर (डाकुमेंट सं० 1119/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० सुश्रमनियन, और अदरस
(अन्तरक)
2. श्रीमती बी० लक्ष्मी अम्माल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20 के अन्य परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—132, तनगराज नगर तिरुप्पापुलियर
(डाकुमेंट सं० 1119/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-2-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II; मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1980

निवेश सं० 10261—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 279/1/19/4, है, सथा जो अरनमनैपुद्वार तिरुप्पूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुप्पूर (डाकुमेंट सं० 1111/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फदह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के प्रधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री रामप्रसाद
नल्लप्पा गोडर

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० रविमनी अम्माल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अवधि या तरंगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृसनाक्षरी के पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसरो

भूमि टी० एस० सं० 279/1/10/4, अरनमनैपुद्वार तिरुप्पूर (डाकुमेंट सं० 1111/79)।

राधा बालकृष्ण
संभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 13-2-80

मोहर :

प्रृष्ठ पाई० टी० एन० एस०—————

1. श्री ए० एम० मुथुस्वामी और अवरस

(प्रन्तरक)

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

2. श्री ग्राम० श्रीनिवासन

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्देश सं० 10223—यतः, मुझे, राधा बाल कुलनं,
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन संशब्द प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 32/8, है, तथा जो सामय्यर नई स्ट्रीट
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2512/79) में रजिस्ट्रीकरण,
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रभाव प्रतिशत से अधिक है और अव्वरक (अव्वरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रक्षेत्रण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अव्वरण में हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अव्वरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर
में ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरकी व्यक्तियों फर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—32/8 सामय्यर नई स्ट्रीट कोयम्बटूर
(डाकुमेंट सं० 2512/79)।

राधा बालकुलन
संक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-2-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन मूल्यमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1980

निर्देश सं. 10223—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारब है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 32/8, है, जो सामय्यर न्यू स्ट्रीट कोयम्बूरू
में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्बूरू
(डाकुमेंट सं. 2511/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया,
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रमाणक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों
को, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगशार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट महों किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री ए. एम. मुस्तस्वामी और अदरक
(अन्तरक)
2. श्री आर. श्रीनिवासन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूल्यांकी तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रकाश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के पीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतिवाच
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिचित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—32/8, सामय्यर न्यू स्ट्रीट कोयम्बूरू
(डाकुमेंट सं. 2511/79)।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा—।—

प्रकृष्ट प्राईडी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 फरवरी 1980

निर्देश सं० 7174—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय प्रम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बन्दिकावानूर है, तथा जो पोश्चेरी में स्थित
है (और इससे उपारद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकॉर्टी अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट
सं० 2365/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरीत की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह 15 प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से इई किसी आय को बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अनुराग के दृष्यमान में
कमी करने का सर्वेव बचने में सुविधा के लिए; और या

अनुसूची

भूमि बंदिकावानूर—पोश्चेरी (डाकुमेंट सं० 2965/79)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपबाया (1)
के अधोन, निम्नलिखित अवित्यों, अवतः—

तारीख : 18-2-1980
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 18 फरवरी 1980

निवेश सं० 8568—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० शरोतियम, पम्मल है, तथा जो पल्लावरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लावरम (डाकुमेंट सं० 1620/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अभियांत्रियों, प्रर्ती:—

1. श्रीमती सकिवाय बियाराम (अन्तरक)
2. श्री ओ० एस० अब्दुल रशीद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोद्दाशाश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

भूमि शरोतियम, पम्मल (डाकुमेंट सं० 1620/79)।

राधा बालकृष्णन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-2-1980
 मोहर :

प्रह्लाद आर्हा टी. एम. एस.—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० आर०II/2802-5/जून 79—अतः मुझे
पी० एला० रूगंटा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-वाँ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिस की सं० ए० नं० 335, हिस्सा नं० 1 सी० टी० ए० म०
नं० 349 प्लाट नं० 13 और 14 है तथा जो मालांड में स्थित है
और इसमें उगावद्ध प्रत्युमूल्यी में प्रीरुप्त रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-6-79 को विलेख संख्या एस 55/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिवत्त मधिक है और घन्तरक (घन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रक्षरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी उन्या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मिशेस फाँसीस्का डिगोव्हा पिटो और अन्य
(अन्तरक)

(2) फनी हिल को० आ-हाउसिंग सोसायटी लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पश्चों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याय होगा जो उस प्रधाराय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० ए०/55/79 बम्बई उपरजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 25-6-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रूगंटा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बम्बई

दिनांक: 9 जनवरी, 1980

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

हंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1980

नई फ़िल्मी-110011, दिनांक 22 मार्च, 1980

मं. ४५० २/५/७९-१० I(व)---भारत के राजपत्र, दिनांक 22 मार्च, 1980 में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैग 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती के लिये संघ लोक सेवा आयोग हारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बृश्वरी, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोकान, कटक, दिल्ली, दासपुर (गाहाटा), हारदाबाद, जयपुर, जम्म, नवाखाल, मद्रास, नाशपत्र, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टब्लैयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, और त्रिवेन्द्रम में 24 अगस्त, 1980 में एक गम्भीर शातारणी पराक्षमा पराक्षमा लो जाएगा।

आयोग यहि घोषि लो. परीक्षा के उपर्यक्त केत्वों तथा उगके प्रारंभ ब्रोने को लागाव म परिवर्तन लार मक्का ते। लोकांक म प्रेता लाग्न उम्मीदवारों को परीक्षा भी समझ-पारणी लगा स्थान धर्याव शातों के चार म भारत लाया जाएगा। (दाखल अनुबंध 1 परा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के अधार पर सेवाओं/पदों के निम्नलिखित वर्गों में भर्ती की जाएगी ---

वर्ग I	--पिविल हंजीनियरी
वर्ग II	--यांत्रिक हंजीनियरी
वर्ग III	--वैद्युत हंजीनियरी
वर्ग IV	--इलेक्ट्रोनिकी लथा हर मंचार हंजी-नियरी

प्रत्येक वर्ग के अन्तर्गत विभिन्न सेवाओं/पदों में लगभग किसीनी रिक्तियाँ हैं वह नीचे दर्शाया गया है;--

वर्ग—I—पिविल हंजीनियरी
मुप 'क' की सेवाओं/पद

- (i) हंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा 28**
- (ii) भारतीय रेल भूडार सेवा (पिविल हंजीनियरी पद) @
- (iii) केन्द्रीय हंजीनियरी सेवा *
- (iv) सेवा हंजीनियर सेवा 5 (अ० ज० ज० के उम्मीद-भवन तथा सड़क संचार) वारों के लिये 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।
- (v) केन्द्रीय जल हंजीनियरी 30 (अ० ज० ज० के उम्मीदवारों के लिये 5 और अ० ज० ज० के उम्मीदवारों के लिये 2 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित है)।
- (vi) केन्द्रीय हंजीनियरी सेवा (सड़क) 4 (अ० ज० ज० के उम्मीदवारों के लिये 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।
- (vii) गहायक कार्यपालक हंजी-नियर (पिविल) (बाक व तार मिविल हंजीनियरी संक्ष) *
- (viii) गहायक कार्यपालक हंजी-नियर (पिविल), सीमा मड़क हंजीनियरी सेवा 27**
- (ix) भारतीय आयुश कारखाना 1. (रिक्ति अ० ज० उम्मीदवारों सेवा (हंजीनियरी शाखा) वारों के लिय आरक्षित) पिविल हंजीनियरी पद

मुप 'ख' की सेवाओं/पद

- (x) बहायक हंजीनियर (पिविल) बाक व तार मिविल हंजीनियरी संक्ष
- (xi) बहायक हंजीनियर (पिविल), प्राकाशकाणी का सिविल नियर रक्ष

वर्ग-II—यांत्रिक हंजीनियरी

मुप 'क' की सेवाओं/पद

- (i) यांत्रिक हंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा 12**
- (ii) भारतीय रेल भूडार भेवा (यांत्रिक हंजीनियरी पद) @
- (iii) केन्द्रीय जल हंजीनियरी 5 (अ० ज० ज० के उम्मीदवारों सेवा (यांत्रिक हंजीनियरी के लिये 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।
- (iv) केन्द्रीय शक्ति हंजीनियरी सेवा (यांत्रिक हंजीनियरी पद) *
- (v) सेवा हंजीनियर सेवा 5 (अ० ज० ज० के उम्मीदवारों (वैद्युत तथा यांत्रिक संचार) के लिये 1 आरक्षित रिक्ति (यांत्रिक हंजीनियरी पद) सम्मिलित है)।
- (vi) भारतीय आयुश कार- 10 (अ० ज० ज० के उम्मीद- व्याना सेवा (हंजीनियरी वारों के लिये 2 और अ० ज० ज० शाखा) (यांत्रिक) ज० के उम्मीदवारों के लिये 1 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित है)।
- (vii) भारतीय नी सेवा आयुश सेवा (यांत्रिक हंजीनियरी पद) *
- (viii) यांत्रिक हंजीनियर (कनिष्ठ) भारतीय भू- विज्ञान संवेद्धण *
- (ix) सहायक त्रिनिग हंजीनियर भारतीय भू-विज्ञान संवेद्धण *
- (x) सहायक प्रबन्ध (कार- 6 (अ० ज० ज० के उम्मीदवारों व्याना) (बाक व तार हूर- वारों के लिये 1 रिक्ति सम्म- संचार कारखाना संगठन) लित है)।
- (xi) भहायक कायपालक हंजी- नियर (यांत्रिक), सीमा मड़क हंजीनियरी सेवा 10**
- (xii) कर्मसाना अधिकारी 2 (अ० ज० ज० के उम्मीदवारों (यांत्रिक) ई० ए० म० ई० के लिये 1 आरक्षित रिक्ति सम्म- कोर, रक्षा मंत्रालय। लित है)
- (xiii) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक हंजीनियरी सेवा (यांत्रिक हंजीनियरी पद) *
- (xiv) गहायक विकास अधिकारी (हंजीनियरी) का पद, नक्तीकी विकास महानिवेद- गालय (यांत्रिक हंजीनियरी पद) *

(xv)	सहायक निवेशक (तक- नीकी) प्रूप 'क' का पद (योग्यिकी इंजीनियरी पद) का पद, भारती उच्चोग विभाग।	1 (प्र० जा० के उम्मीदवार के लिये आरक्षित)	प्राकाशकाणी सिविल निर्माण विभाग स्कंध
(xvi)	ग्राम्यक यांत्रिक इंजी- नियर भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण	*	(xiii) कर्मशाला अधिकारी (वैद्युत), ई० एम० ई० कोर, रक्षा, मंत्रालय।
(xvii)	कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक), ई० एम० ई० वारों के लिये आरक्षित है) कोर, रक्षा मंत्रालय।	1 (यह निक्षिप्त प्र० जा० के उम्मीदवार के लिये आरक्षित है)	वर्ग-IV-इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रूप 'क' सेवाएँ/पद
			(i) सिगनल इंजीनियरों की 10** भारतीय रेल सेवा
			(ii) भारतीय रेल भंडार सेवा @ (दूर संचार/इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी पद)।
			(iii) भारतीय दूर संचार सेवा *
			(iv) इंजीनियर, बोतार : 2 (प्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 और प्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।
			"(v) उप-प्रभारी इंजीनियर समूद्रपार संचार सेवा 2 (प्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 रिक्ति सम्मिलित है)
			"(vi) सहायक स्टेशन इंजीनियर आकाशवाणी *
			(vii) तकनीकी अधिकारी, 10 (प्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और प्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिये 4 आर- क्षित रिक्तियाँ सम्मिलित है)।
			(viii) संचार अधिकारी, 1 प्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित।
			(ix) भारतीय आयुष्य कारबाना 1
			सेवा (इंजीनियरी शास्त्रा) (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद)
			(x) भारतीय नौसेना, आयुष्य : *
			सेवा (इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी पद)
			(xi) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर संचार इंजी- नियरी पद) *
			(xii) कर्मशाला अधिकारी (इलेक्ट्रॉनिकी), 1 ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय। 1
			(xiii) महायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिवेश- शालय, (इलैक्ट्रॉनिकी दूर संचार इंजीनियरी पद) *
			प्रूप 'क' सेवाएँ/पद
			(xiv) महायक इंजीनियर आकाशवाणी *
			(xv) महायक इंजीनियर समूद्रपार संचार सेवा 10 (प्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और प्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 रिक्तियाँ सम्मिलित है)।

(xvi) तकनीकी सहायक (प्रूप 'ब')—भाराजपत्रित समूद्रपार संचार सेवा उम्मीदवारों के लिए 1 और अब 30 ज० ज० ज० के सम्मिलित हैं।

(xvii) कर्मसाला अधिकारी (इलेक्ट्रॉनिकी), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

(अ) भारतीय रेश मंडार सेवा में रिकियां की संख्या 7** है।

विभिन्न रेशों इंजीनियरी सेवाओं (मिलिटरी, यांत्रिक, वैद्युत और (मिगनल), भारतीय रेश भार सेवा और भारतीय आयुश कार्रवाना सेवा (गियिल, यांत्रिक, वैद्युत और इलेक्ट्रॉनिकी) के सामने विक्षाई गई रिकियां स्थापी हैं।

दूसरी अन्य सेवाओं और पदों के सामने विक्षाई गई रिकिया अस्थाई है।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

*रिकियां गरकार ने सूचित नहीं की है।

**अनसूचित जातियों तथा अनसूचित उन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण रिकियों की संख्या, यदि कोई होगी, गरकार छाश निर्धारित की जाएगी।

नोट—उपर्युक्त सेवाओं/पदों पर भर्ती नियमाबली के परिणामस्थ—I में निर्धारित परीक्षा योजना (योजनाओं) के आधार पर की जाएगी।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैग 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से उस के लिए या किसी और के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के अंग के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटों के पैग 6 में उल्लिखित गुलक जो केवल एक भार देना होगा और प्रत्यक्ष वर्ग के सेवा/पद जिसके लिये यह आवेदन कर रहा है, वे लिये भलग भलग गुलक नहीं देना होगा।

गोलान दें—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिये विचार किये जाने के बाद उन्हें आवेदन-पत्रों में उनका वरीयता क्रम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहें उननी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उनके रैंक का ध्यान रखने हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उन्हें सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिये उन पर विचार दिया जाएगा। जिनके लिये उन्होंने अपनी वरीयता का उल्लेख दिया है और किसी अन्य सेवा/पद के लिये नहीं।

सेवा (ओं)/पद (पदों) वर्ग या वर्गीय तथा गियिल इंजीनियरी; यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी तथा इलेक्ट्रॉनिकी और दूर संचार/इंजीनियरी (वैद्युत, विध्युतावली की प्रस्तावना) में सम्मिलित जिन सेवाओं/पदों के लिये उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा हिंगत वरीयता-परिवर्तन के किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से उल्लिखित अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ सोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए। उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र भेजने के पश्चात् उनको कोई भी ऐना पत्र आयोग या रेश मंत्रालय की ओर से नहीं भेजा जाएगा जिसमें कि उनसे विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये अपनी संशोधित वरीयताओं, यदि कोई हों वास्ते के लिये कहा जाए।

किन्तु यह है कि जब कोई अनुरोध पूर्वोत्तम अवधि के समाप्त होने के बावें किन्तु सेवाओं के आवंटन को अनितम रूप दिए जाने से पहले प्राप्त हों, तो रेश मंत्रालय (रेशवे बोर्ड) इस बात से संतुष्ट होने पर कि उम्मीदवार को उस सेवा में आवंटा क्या जाने से अनुचित कठिन होगी जिसके लिये उसने अपनी वरीयता निरिष्ट की है तब लोक सेवा आयोग के प्राप्तशर्त में एस अनुरोध पर विचार कर सकता है।

ध्यान दें : --उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिये अपनी वरीयता बताएं जिनके लिये वे नियमों की शर्तों के अनुसार पाप्र हों और जिनके लिये वे प्रणियोगी हों। जिन सेवाओं और पदों के बावें पाप्र नहीं हों और जिन सेवाओं और पदों से संबंधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बावें वे बनाई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः नियम 5(ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवार केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिये ही प्रणियोगी बनाने के पाप्र होंगे और अन्य सेवाओं और पर! के लिये उनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिये गये उम्मीदवारों की वरीयता पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिये ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिये वरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

4. परीक्षा में प्रवेश आने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर, गणित, संघ सोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक बाटा प्राप्त किये जा रखते हैं। यह गणि संचिय, संघ सोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ सोक भवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डक्षर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर पोस्टल आर्डर के स्थान पर चेक या करेंटी नोट स्थोकार नहीं किये जायेंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नक्क भुगतान द्वारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं। वो रुपये की यह गणि किसी भी हालत में बापस नहीं की जाएगी।

नोट . उम्मीदवारों को चेनावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र इंजानियर सेवा पराभा, 1980 के लिए निर्धारित मुक्ति पत्र में ही प्रस्तुत कर। इंजानियर सेवा पराभा, 1980 के लिए नियारत आवेदन-प्रपत्र से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ, सचिव, संघ सोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 12 मई 1980 (12 मई 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप-ममूह या नश्त्रीय में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 26 मई, 1980) को या उसमें पूर्ण पक्षुच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बावें प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपममूह या लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि आहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कहा रहा है कि वह 12 मई, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान निकोबार द्वीपममूह या लक्ष्मीप में रहे रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश आदेत वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग को रु 80.00 (अनुसूचित जातियों और मन्त्रसूचित

जन जानियों के उम्मीदवारों के मामले में रु 20,00) ता शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विली के प्रशान आवश्यक पर देय रेकॉर्डिनेशन भारतीय पोस्टल आर्डर या गवर्नर, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आक इण्डिया की मुख्य खाता नई दिली में देय स्टेट बैंक आक इण्डिया की किसी भी खाता से जारी किए गए रेकॉर्डिनेशन बैंक ड्राफ्ट के स्पष्ट में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त/गवर्नर या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह “051 लोक सेवा आयोग—गवर्नर शुल्क” के सेवालीय में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उभयों रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षागत भी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। वह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैग 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छोट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छोट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो । जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्व पाकिस्तान (अब बंगला बेण) से भारत आये हुए बास्तविक विद्युतियां व्यक्ति हैं या वर्षा से बास्तविक स्पष्ट में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति हैं और 1 जून 1963 को या उसके बाद सार्वत्र आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भागत श्रीलंका ममझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद सार्वत्र आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो तो उसे उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु 54,00 (अनुशुल्कित जारीयों और अनुशुल्कित जन जानियों के मामले में रु 14,00) की गणि धाप्त कर दी जाएगी। किन्तु यदि निप्रम 6 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवार को आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्थक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपर्युक्तों को प्रपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकता तो वह शुल्क बापसी का हक्कदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नीचे पैग 9 के उपर्युक्तों को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग का भुगतान किए गए शुल्क की आपसी के किसी व्यापे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या अध्ययन के लिए आवश्यक रखा जा सकता।

9. यदि कोई उम्मीदवार, 1979 में ली गई हजारीनियरी सेवा परीक्षा, में बैठा हो और अब इस परीक्षा के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा कर या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही दसवां आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए। ताकि वह आयोग के कार्यालय में निर्धारित तारीख तक पहुंच जाए। यदि वह 1979 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त होता अनुशुल्कित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1980 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और शुल्क भौटा दिया जाएगा। ध्यान दें कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क बापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 9 जून ई 1980 को या उससे पहले प्राप्त हो जाता है।

10. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की आपसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार जो अनुरोध पर 1कगा भा पोस्टल आवेदन में विचार नहीं किया जाएगा।

11. परीक्षा की घोषना को नियमानुसार के परिणाम I में मन्मित्रित गाभाव्य घोषणा परीक्षण और भवित्व इन्जीनियरी, यांवित इंजीनियरी,

वैद्युत इंजीनियरी और हालैदानिकी और बूरसंचार हंजीनियरी के प्रश्न-पत्रों में अनुशुल्क पत्रार के प्रश्न होंगे। वस्तुतरक परीक्षण और नमूने के प्रश्नों के विस्तृत विवरण के लिए उम्मीदवारों को सूचनार्थे विवरणिका के उपावन्ध II को देखिए।

आर० एम० अहलूदालिया
उप-सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

प्रनुबन्ध I

उम्मीदवारों को प्रनुबेण

1. उम्मीदवारों को जाहिए कि वे आवेदन-पत्र करने से पहले एक दिन आगे नियमावलों का ध्यान से पढ़कर यह वस्तु ले कि वे पराक्रा में बेठन के पावर भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छोट नहीं दी आ सकता है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैग-1 में दिए गए कन्द्रा म ग अक्सा एक का जड़ा वह पराक्रा देने का इच्छक है अन्तम स्वप्न से चतु लता चाहिए। सामान्यतः जन इष्ट स्थान म पारं-बतेत से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावतीकाँड़ अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अभी या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले सरकारी नोकरी में हों या नस्कारी श्रीधोगिक उपशमां में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या नेर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन पत्र आयोग को गोड़े भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन, अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आविष्टी नागीश के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही नस्कारी नोकरी में आकर्मिक या देनिक दर कर्मनारों में बैठक स्थापो या अस्थायी है नियन्त से या कार्य प्रभारित कर्मकारियों को है नियन्त से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवर्तन (प्रणाली टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय, विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेकॉर्डिनेशन किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भरने के अपने दाव के समर्थन में प्रमाण पत्रों की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए: नोटिस का पैग 5 और नीचे पैग 6) (देखिए नोटिस का पैग 6)
 - (ii) आय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के सामयिक आकार (लगभग 5 सें. मी०x 7 सें. मी०) के फोटो की जो एक जैसी प्रतियां जिस पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।
- फोटो की एक प्रति को आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपर्युक्त वक्तव्य में निर्धारित स्थान पर उपरका बैनी चाहिए।

- (iv) लगभग 11.5 सें. मी. 27.5 सें. मी. ० के दो बिना टिकट लगे हुए त्रिफोके जिन पर आपका पता निखा हो।
- (v) जहाँ लागू हो वहा अनुचूनित जानि/अनुचूनित जन जानि का होने का दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहाँ लागू हो वहा आयु से छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के गाथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।

नोट ३.—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के गाथ उपर्युक्त मद
 (ii), (iii), (iv) और (vii) में उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रामाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा महीने प्रमाणित हों। परिणाम संभवतः दिसंबर, 1980 में घोषित किए जाएंगे। जो उम्मीदवार परीक्षा के विशेष भाग के परिणाम के आधार पर अवक्षित परीक्षण हैं ताकि साक्षात्कार के लिए अर्थता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र गाक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए, तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रतेकों के विवरण नीचे दिए गए हैं और पद (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रतेकों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में घोषित होते हैं—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टम आई-

प्रत्यक्ष पोस्टम आईर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर “मध्य, संघ लोक मेवा आयोग को नई विली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टम आईर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृप्ति या कटे-फटे पोस्टम आईर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टम आईरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मूहार होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टर आईर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही मध्य, संघ लोक मेवा आयोग को नई विली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैक ड्राफ्ट-

बैक ड्राफ्ट स्टेट बैक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और यह सचिव संघ लोक मेवा आयोग की स्टेट बैक आफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई विली में देय हो सका विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैक में देय बैक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृप्ति या कटे-फटे बैक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र—आयोग मामान्यतः जन्म की वह सारी बैक आयोग करता है जो मैट्रिक्युलेशन के प्रमाण पत्र या माध्यमिक

विद्यालय क्लासेने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक्युलेशन के समकालीन प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा संवार्गित मैट्रिक पांग छात्रों के रजिस्ट्रेशन के उद्दरण में वर्ज की गई ही और वह उद्दरण विश्वविद्यालय के समूचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष प्रमाण पत्र की अभिप्रामाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

प्रत्युत्रेशों के इस भाग में आप मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र के बाब्योग के अन्तर्गत उपर्युक्त बैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में जन्म की नारीख नहीं होतीं या आयु के केवल परे वर्ष या पूरे वर्ष भी महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या अभिप्रामाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उत्तीर्ण संस्था के हैंडस्टर्टप्रिंटिंग से लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रामाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। जहाँ से उन्हें मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उपकी जन्म की तरीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन प्रत्युत्रेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र मैट्रिक्युलेशन प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त उत्तीर्ण संस्था से लिए गए प्रमाण-पत्र में वीर्य गई जन्म की तरीख से भिन्न हो और इनके लिए कोई स्पृष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट १.—जिस उम्मीदवार के पास पौर्ण ही करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र हो, उसे कवल आयु में स्वदृढ़ प्रस्तुप्ति बाले पृष्ठ की अभिप्रामाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट २.—उम्मीदवारों को इनाम रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी दर्जीकरण में प्रकल्प के लिए जन्म की नारीख एवं वर्ष जैसे विवर आयु तथा उसे स्वीकृत द्वारा जानकारी बाले योग्यता अवलोकन करने की अनुमति नहीं दी जाएंगी।

(iii) योग्यता का प्रमाण-पत्र—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिसमें इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम ६ में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उपके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (प्रयोगी विश्वविद्यालय या किसी परीक्षा निकाय) का हाला आयहि जिसमें उसे योग्यता विशेष प्रवान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कोण अवश्य बाता चाहिए, और अपेक्षित योग्यता से स्वदृढ़ प्रस्तुप्ति द्वारा की गुणित में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्षर पर उपकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु उसे पर्याप्त मानने के लिए आध्य नहीं होगा।

आयोग को अपना आवेदन-पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम ६ में निर्धारित इंग्रीजी न हो तो उस नीचे नोट १ के अधीन दिये गए प्रमाण-पत्र के प्रश्न के पैरा १ भी निर्धारित प्रश्न में संबद्ध कालजी, विश्वविद्यालय या प्रिस्टिल/जिस्ट्राइंडेन में लिए गए हो। आयोग के एक प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए कि उसने अर्थक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और इंग्रीजी प्रदान किए जाने के लिए आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

नोट ३.—यदि कोई उम्मीदवार, ऐसी परीक्षा में बैठ जुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लाने पर वह इस परीक्षा के लिए योग्यता रूप में अवहा प्राप्त हो

जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हत परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पास होगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मात्री जाएगी और यदि वे अर्हत परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में पहली विंगम्बर, 1980 तक नीचे निर्धारित प्रधान में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

अर्हत परीक्षा उत्तीर्णना दर्शने वाला प्रमाण-पत्र

1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
..... मायूर/सुपुत्री* ने जो इस कालेज के/को* छात्र/छात्रा* है परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और इसी प्राप्त करने के/की* पात्र हो गए/गई है तथा उन्हें *क्षेत्री मिली है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
..... सुपुत्र/सुपुत्री* मास, 19 में द्वारा आयोजित परीक्षा में बैठने वाले/काली* है/बैठी* है और उक्त परीक्षा के परिणाम की 19 तक घोषित हो जाने की संभावना है।

हमनाक्षर
पदनाम
मंस्था का नाम
स्थान जहाँ स्थित है

दिनांक

*जो शब्द लागू न हो उसे कुछ अन्य काट दें।

नोट 2:- नियम 6 के प्रस्तुत में उल्लिखित योग्यताओं के माध्य परीक्षा में प्रवेश जाहंन वाले उम्मीदवार को नम्बरद्वारा/मंस्था/विषय-विद्यालय के प्रियपत्र/हीन से यह दर्शाने वाला प्रमाण पत्र की एक अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमें विदेशी गणे विशेष विषयों में से एक विषय लेकर एम० एस० सी० डिग्री परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है/परीक्षा दी है।

(iv) फोटोग्राफ़ :- उम्मीदवारों को आने हाल ही के पासपोर्ट भ्राकार (लगभग 5 रो 30 X 7 सें 30 मी०) के फोटो की वो एक जरी विधियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में निर्धारित स्थान पर नियका देनी चाहिए फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्पष्टीकृत स्थान से हस्ताक्षर करने चाहिए।

छ्यान दें:- उम्मीदवारों को चेनावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैग 3 (ii), 3(iii), 3(iv), 3(v), और 3(vi) में उल्लिखित प्रलेख आविष्कार में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उल्लिखित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विकल्प कोई अधिन नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैग 3 (iii) के नोट 1 में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आशोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार विभी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे प्रपने वाले के समर्थन में उस जिले,

के जिले में उसके माता पिता (गो जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, तिना प्रधिकारी या उप मण्डल प्रधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिस संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण पत्र जारी करने के लिए नक्षम प्रधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए फार्म में प्रमाण पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता प्राप्ति विधियों की मूल्य हो गई हो तो यह प्रमाण पत्र उस जिले के प्रधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन में आमतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनसूचित जातियों और अनसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत वाले वाल प्रमाण पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
..... मायूर/सुपुत्री* श्री जो गाव/कस्बा* जिला/मण्डल* राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र के/की निवासी है जाति/जन जाति* के/की* है जिस नियुक्ति के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति के रूप में साम्यता दी गई है:-

नियुक्ति (प्रनसूचित जातियों) आदेश, 1950*।

नियुक्ति (अनुसूचित जन-जातियों) आदेश, 1950*।

संविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियों जन जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*।

(अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों सूची (आंशोधन) आदेश, 1956, अम्बरी पुरान्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुरान्गठन अधिनियम, 1966 दिल्ली वन्देश विधायिका, राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी भूत्र (पुरान्गठन), अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)

संविधान (जम्म और कश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश, 1956*।

संविधान (अठमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1959* अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) आधाननदी, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादग और नागर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962*।

संविधान (दादग और नागर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962*।

संविधान (दादग और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1962*।

संविधान (पाइंचेरी) अनुसूचित जातियों आदेश, 1964*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967*।

संविधान (गोआ, दमन और दिय) अनुसूचित जातियों आदेश, 1968*।

संविधान (गोआ, दमन और दिय) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1968*।

संविधान (नागरलैण्ड) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1970*।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* आर या उनका परिवार आम तौर से गाव/कस्बा* है

जिला/मंडल* राज्य/संघ*
राज्य क्षेत्र में रहते/
रहनी* हैं।

हस्ताक्षर
**वक्तव्यम्
(कार्यालय की मोहर गहिर)
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

स्थान
नाम
*(जो भव्य लागू न हों उसे छुपया काट दें)

नोट—यह प्रयुक्त “आम तौर में रहते/रहनी है” का अर्थ यही होगा जो “रिप्रेटेशन आफ दि पीपल एक्ट 1950” की धरा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

- (i) जिला मणिस्ट्रेट/प्रतिरिक्ष जिला मणिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिपी कॉमिक्स्टर/एवीशनल डिपी कॉमिनर/डिपी कॉलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइरेंडरी मणिस्ट्रेट/सिटी मणिस्ट्रेट/बड़ीजनल मणिस्ट्रेट/नालनक मणिस्ट्रेट/एजनीक्यटिव मणिस्ट्रेट/प्रारंभेट कॉमिक्स्टर।
*(प्रथम श्रेणी के स्टाइरेंडरी मणिस्ट्रेट से बाहर रहते का नहीं)
(i) चीफ प्रेसीडेंसी, मणिस्ट्रेट/प्रिंटीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मणिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मणिस्ट्रेट।
(ii) रेक्ट्र्यू अफमर जिसका ओढ़का नहींपदार में कमन हो।
(iii) उम इलाके का सब-डिवीजनल अफगर जहाँ उम्मीदवार और या उमका परिवार आमतौर से रहता हो।
(iv) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का गविच/हेवलपमेंट अफगर, “नष्ट हीप”।

5. (i) नियम 5 (a) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट के लिए बाबा करने वाले भरकारी कर्मचारी की प्रगति विभाग/कार्यालय के अध्यक्ष से नीचे दिए, कार्म में प्रमाण-पत्र की मृत्यु प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि

- *(i) श्री/श्रीमती/कुमारी* कार्यालय/प्रभाग में -----के पद पर ----- से स्थायी है।

- *(ii) श्री/श्रीमती/कुमारी केंद्रीय सरकार के अधीन नियमित आधार पर विद्यालयी स्तर से ----- से लगानीर संयोग में है।

*जो लागू न हों उसे काट दें।

हस्ताक्षर
पत्रनाम
मंत्रालय/कार्यालय
कार्यालय की मोहर

नाम
स्थान -----

- (ii) नियम 5 (g) (ii) या 5 (g) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का बाबा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का बाबा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रस्तावित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए। इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आगे बाता है।

में से किसी एक में लिए गए प्रमाण पत्र को अभिप्राणित/प्रमाणित प्रति-निर्धारित यह दिखाने के लिए प्रत्युत करनी चाहिए कि यह भूत्यूवं पूर्वी पाकिस्तान में आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवासन पर भारत आया है।

- (1) दृच्छारथ्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहने वाले विविध कैम्प के लिए।
(2) उम क्षेत्र का जिला मणिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
(3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अधिकारी जिला मणिस्ट्रेट।
(4) स्वयं प्रभारित सब डिवीजनल या सब डिवीजनल अफमर।
(5) उम शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/प्रिवेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(iii) नियम 5 (g) (iv) अथवा 5 (g) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का बाबा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का बाबा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रस्तावित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए। इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आगे बाता है।

(iv) नियम 5 (g) (vi) अथवा 5 (g) (vii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का बाबा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का बाबा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित शुल्क: भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मणिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विज्ञाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 5(g) (viii) अथवा 5(g) (ix) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चालने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक पुनर्स्थापन, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अर्थात् विदेशी शत्रु देश के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट ----- के रेक नं. ----- रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/*अशांतिग्रस्त क्षेत्र में) कोशी कारवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगना के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर -----
पत्रनाम -----
दिनांक -----

*जो भव्य लागू न हों उसे काट दें।

(vi) नियम 5 (ग) (x) अथवा 5(ग) (xi) के अन्तर्गत आशु सीमा म सूट बाहरे दाखे उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल मे) कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिंदेशक, गीमा मुख्या दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल मे कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत लिए जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म-

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट —————— के रैंक नं. —————— सीमा सुरक्षा दल मे कार्य करते हुए मन 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

इस्ताक्षर ——————
पदनाम ——————
तारीख ——————

(ii) नियम 5 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु में सूट का बाबा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय अधिकारी को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मणिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ बास्तविक प्रत्यावर्तित अधिकृत है और वियतनाम से जूलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(viii) नियम 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु में सूट बाहरे चाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तजानिया से प्रवासन कर आए हुए या जाम्बिया, मलाबी, जैरे तथा इथियोपिया से प्रवार्थित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मणिस्ट्रेट से जहां वह इस समय विदास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवासन कर आया है।

6 जो उम्मीदवार ऊरर दैरा 5 (ii), (iii) और (iv) मे से किसी भी बर्ग के अन्तर्गत नोटिंग के दैरा 7 के अनुसार शुल्क में सूट का बाबा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या भरकार के राजपत्रित अधिकारी या संभव मद्दत या राज्य विद्यान मंडल के मद्दत से, वह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति मे नहीं है, इस प्रावधान का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसको अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होती।

7. जिस अधिकृत के लिए पालता प्रमाण-पत्र प्रावधान हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्तुत भारत सरकार के नेत्र/निर्माण और प्राकास/रक्षा/ऊर्जा/कृषि और सिचाई/संचार/उद्योग और नगर पूर्ति और पुनर्वास/हस्तान और बांग/जहाजरानी और परिवहन/सूचना और प्रसारण/पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय द्वारा प्रावधान पालता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाब तीव्र विद्या जाएगा।

8. उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि वे अवैदन-पत्र भरते समय कोई बूढ़ा व्यौदा या उसे अधिका किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी जेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रत्येक अधिका उसकी प्रति की किसी प्रतिष्ठित को किसी भी स्थिति मे न तो ठीक करे न उसमें परिवर्तन करे और न कोई केर-बदल करे और न ही कोई फेरबदल किए गए/सूटे प्रत्येक प्रस्तुत करे। यदि ऐसे दो या उसमें अधिक प्रत्येक या उनकी प्रतियों मे कोई अनुद्धि अधिका विभाग हो तो विभाग के सम्बन्ध में साधीकरण प्रस्तुत किए जाएं।

9. आवैदन-पत्र देर मे प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप मे वह तक स्वीकार नहीं किया जाता कि आवैदन-प्रपत्र ही अमूक तारीख को भजा गया था। आवैदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का

सूचक न होगा कि आवैदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा म बैठने का पाव हो गया है।

10. यदि परीक्षा मे सम्बद्ध आवैदन-पत्रों की प्राप्ति की व्याप्तिरी नारीख मे एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवैदन-पत्र की पावनी न मिले तो उने पावनी प्राप्त करने के लिए आयोग मे तकाल भास्कर करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के अन्त्येक उम्मीदवार को उसको आवैदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथागत दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख मे एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवैदन-पत्र के परिणाम के बारे मे संबंध लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए इसे आयोग से तस्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मासमे मे विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. जिन पुस्तिकारों मे नियमावली तथा पिछली पाँच परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का व्यौदा सम्मिलित होता है, उसकी दिक्की प्राप्ति नियंत्रक, विविध लाइन्स, विल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां मे भेल आर्डर अधिका नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महज, रिली मिनेमा के सामने एम्प्रेसिया बिल्डिंग "मी" लालक बाबा बड़क मिह मार्ग, नई विल्ली 110001 और (ii) प्रकाशन साथा के दिक्की काउंटर उद्योग भवन, नई विल्ली-110001 और (iii) गवर्नर्मेंट बाफ इंडिया बुक लिंग, 8, के० एम० राय रोड, कलकत्ता-1 मे केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ऐसे पुस्तिकार विविध मुफ्तस्मिल नगरों मे भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

13. आवैदन-पत्रों से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार—आवैदन पत्रों मे सम्बद्ध भास्कर पत्र आदि सचिव, संबंध लोक सेवा आयोग, छोलपुर हाउस शाहजहां रोड, नई विल्ली-110011, को भजे जाएं तथा उनमे नीचे लिखा व्यौदा आवधार रूप से दिया जाएगा।

(i) परीक्षा का नाम

(ii) परीक्षा का महीना और वर्ष

(iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अध्यक्षता जन्म की नारीख, यदि रोल-नम्बर साचत नहीं।

(iv) उम्मीदवार का नाम (प्रगत तथा बड़े अधिकारों मे)

(v) आवैदन-पत्र मे दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दे (i).—जिन पत्रों आदि मे यह व्यौदा नहीं होगा, संभक्त: उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ध्यान दे (ii) परीक्षा के समाप्त हो जाने के बाब यदि उम्मीदवार से कोई ऐसा पत्र/सूचना प्राप्त होती है जिस पर उसने अपना नाम और अनुक्रमानुक्रम नहीं लिखा है, तो एस पत्र पर काइ ध्यान नहीं दिया जाएगा और न ही उन पर कोई कायंबाही की जाएगा।

पते मे परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर देनी चाहिए कि उसके आवैदन-पत्र मे उल्लिखित पत्रन पर भेजे गए पत्र आदि, ग्रामपाल द्वारे पर, उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पते मे किसी भी प्रकार का परिवर्तन द्वारे पर आयोग को उसकी सूचना उपयुक्त देरा 13 मे उल्लिखित व्यौदे के साथ, यथागत वी जानी जाएगा। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देते का प्रगत प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय मे वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

प्रश्नबन्ध II

संघ सोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को संज्ञानार्थ विवरणिका

क. अस्त पत्रक प्राप्ति

आप जिस परीक्षा में बैठते वाले हैं, उसको 'वस्तुपत्रक परीक्षण' कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होते। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कहीं संभावय उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) आपको चुन देना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई दृष्टि नहीं हो।

क. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होते हैं। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3..... के क्रम से प्रश्नांश होते हैं। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, क्रम में संभावित प्रश्नांश लिखे होते हैं। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रश्नांश मही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रश्नांश का चुनाव करना होगा। (नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रश्नांश का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

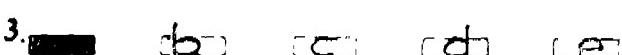
ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होते हैं। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़ कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जाके नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्या 1 से 200 तक आर लांडों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के नामने a, b, c, d, e..... के क्रम से प्रश्नांश लिखे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ देने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रश्नांश सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रश्नांश के प्रश्न को वर्णन करने का वायत को प्रत्यक्ष से काषा बनाकर उसे अकित कर देना है, जैसा कि संस्कृत उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्थानीय का प्रयोग मही करना चाहिए।







इस लिए यह जरूरी है कि 1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० वैसिल (वैसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा भिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने माथे एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का लायोग करते रहन्य कोई ऐसी अनावधानी न हो जिसमें वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाएं और वह देखा हो जाए।

15—506GI/79

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से भी से प्रिमिट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही घरना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षा माझ होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा माझ होने के बाद 45 मिनट तक किसी भी परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं है। इन तियमा का उल्लंघन पर कड़ा दब दिया जाएगा।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर में जाने की अनुमति नहीं है। इन तियमा का उल्लंघन पर कड़ा दब दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, आपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्थानी से साफ़-माफ़ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी आपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। संभव है कि इन अनुदेशों का आवधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रतिष्ठित संक्षिप्त है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के लिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने का कह दें तो उसके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपने प्रवेश पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० वैसिल, एक रबड़, एक वैसिल शार्पनर और नीली या काली स्थानी वाली कलम सी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हाइ बोर्ड या एक कार्ड बोर्ड लाए जिस पर कुछ न लिखा हो। यदि आपके बेस्क की सतह बराबर नहीं है तो इसकी सतह बराबर होने के कारण आपको अपने उत्तर पुस्तिका पर उत्तर अकित करने में आसानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जल्दत मही होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक ग्राम का गांज दिया जाएगा। आप कच्चा काम गाँड़ करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

घ. विशेष अनुदेश :

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरंत आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अस्थिरा, उसे अवश्यक नहीं। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध लिखनी होगी।

घ. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, किंतु यह जरूरी है कि आप अपने नम्बर का, वधना से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप अपनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बड़े, पर लापरवाही न हो। प्रगत आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो जिता न करें। आप को जो प्रश्न अस्थिर किल मालूम पड़े, उन पर समय बर्यां न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़े भी और उन किल प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक रमान हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर हैं। आपके द्वारा अंकित सही प्रश्नों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना अन्वय करने को बहुत, आप लिखना अन्वय कर दें।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहे जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका, उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने के लिए काराज न से जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका, उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने के लिए काराज परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है।

नमने के प्रश्न

1. मीयं वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?

- (a) धर्मोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमज़ोर थे।
- (b) धर्मोक के बाव मान्यता का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) धर्मोकोत्तर युग में आधिक शक्ति थी।

2. संतुष्टीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विद्यायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विद्यायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- (c) कार्यपालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठ्याला के छात्र के लिए पाठ्योत्तर कार्य-क्रमाप का मुख्य प्रयोगन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करता है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

4. मूर्य के सबसे निकट ग्रह है,

- (a) चुक
- (b) मंगल
- (c) बुहुमति
- (d) बुद्ध

5. अम और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है?

- (a) पेह पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का गरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेह पौधे जितने कम होते हैं, नदिया उतनी ही गाढ़ से भरी होती है जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेह पौधे जितने अधिक होते हैं, नदिया उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेह पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही दीमी गति से बफ़ पिछल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st January 1980

No. P/1890-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Notification of even number dated 17th December 1979, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Dr. T. Ramasami as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission for a period of two years with effect from 22nd December 1979, or until further orders, whichever is earlier, under the powers vested in him *vide* proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations 1958.

S. BALACHANDRAN
Under Secy. (Admn.)
for Chairman

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 28th February 1980

No. N9 RCT 21.—In partial modification of this Commission's Notification No. N9 RCT 21, dated 28th January 1980, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. Paul as Section Officer w.e.f. 6th January 1980 until further orders.

The 29th February 1980

No. O9 RCT 18.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri N. L. Sharma, a permanent Section Officer of this Commission as Research Officer, in an officiating capacity with effect from 22nd February 1980 until further orders.

No. D9 RCT 25.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. N. Duggal (CSS Selection Grade) as Deputy Secretary in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from 27th February 1980 (Afternoon), until further orders.

The 1st March 1980

No. N9 RCT 21.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Ahuja, a permanent assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 1st March 1980 to 29th May 1980 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 1st March 1980

No. O.II-1437/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Umarani Narzary as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 6th December 1979 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 3rd March 1980

No. O.II-1102/78-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. V. Krishna Rao, GDO, Grade-II of Group Centre, CRPF, Pallipuram with effect from the afternoon of 2nd February 1980 on expiry of one months' notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

B. K. KARKRA
Assistant Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 27th February 1980

No. 1222/A.—In continuation of I.S.P. Notification No. 2041/A, dated 13th February 1978, the undersigned is pleased to sanction the continued appointment of Shri A. V. Subramanian, Accounts Officer, office of the Divisional Engineer Telegraphs, Solapur, as Accounts Officer, India Security Press, Nasik Road, on deputation basis for a further period of one year w.e.f. 13th February 1980 on the same terms and conditions.

N. RAMAMURTHY
Sr. Dy. General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
COMMERCE WORKS AND MISC

New Delhi, the 3rd March 1980

No. Admn.I/8(16)/III/4859.—The Comptroller and Auditor General of India with the concurrence of the Govt. of India, Ministry of Finance has sanctioned the permanent absorption of Shri M. L. Salwan, Audit Officer in the National Thermal Power Corporation Ltd., with effect from June 10, 1978. He is deemed to have retired from Government service with effect from the date of his absorption in the N.T.P.C. as per Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

M. S. SARNA
Director of Audit

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 1st March 1980

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri D. V. Satyanarayana Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th February 1980 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri R. Sripadaranjan a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th February 1980 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. V. Ramabrahma Sastry a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th February 1980 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri A. R. Subramanian a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 15th February 1980 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn. I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. R. Subramanyam a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th February 1980 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. K. Venkataraman a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 18th February 1980 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri Y. Subramanyam-I, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 18th February 1980 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri K. Ramakrishna I, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 18th February 1980 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri R. K. S. Prakasa Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th February 1980 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8-132/79-80/376.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri T. S. Prabhakara Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 20th February 1980 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

R. HARIHARAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HQRS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 20th February 1980

No. 6/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following officers in Offg. capacity in existing vacancies without effect on seniority in grades and on dates shown against each :—

1. Shri Goverdhan Lal, Offg. Asstt. From 1-2-80
Asstt. Staff Officer Staff Officer until further
(ad-hoc) orders.

2. Shri M.K. Khastagir Offg. Asstt. From 1-2-80
Asstt. Staff Officer Staff Officer until further
(ad-hoc) orders.
3. Smt. Arati Bose, -do- -do-
Asstt. Staff Officer (ad-hoc)

The above officers will be on probation for two years from the date of their promotion.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL OF FACTORY ADVICE

SERVICE AND LABOUR INSTITUTE

Bombay-400 022, the 20th February 1980

No. 17/14/78-Estt.—The Director General is pleased to appoint Shri DD SRIVASTAVA, a permanent Head Clerk, as Administrative Officer in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institutes in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th February 1980.

A. K. CHAKRABARTY
Director General

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd March 1980

No. 12(116)/61-Admn.(G).—Consequent upon the reversion of Shri S. Bandopadhyay, Deputy Director (Mechanical) from deputation with the Government of Uganda under U.N.D.P., the President is pleased to appoint him as Director (Gr. II) (Mechanical) on ad-hoc basis in Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 7th January 1980 and until further orders.

M. P. GUPTA
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 21st February 1980

No. A-1/1(1054).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Dev Raj, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 13th February 1980.

2. The appointment of Shri Dev Raj as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1056).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri B. S. Mathur, Junior Field Officer in the Directorate of Supplies and Disposals, Kanpur to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate at Kanpur with effect from the forenoon of 1st January 1980.

2. The appointment of Shri Mathur as Asstt. Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and on *ad-hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

The 22nd February 1980

No. A/1/1(1145).—The Director General (Supplies and Disposals) is pleased to appoint Shri H. C. Premi, Section Officer of the CSS in the D.G.S. & D., New Delhi to officiate on deputation basis as Assistant Director (Lit.) (Gr. II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 12th November 1979 (F.N.) and until further orders.

K. KISHORE
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 21st February 1980

No. A-6/57(8) Vol.X.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officiating Assistant Inspecting Officers (Textiles) substantively against the permanent posts of Assistant Inspecting Officer (Textiles) with effect from the dates noted against each :—

S. No., Name and Date of confirmation

S/Shri

1. N. Bosc—1-11-1971.
2. G. S. Munshi—1-11-1972.
3. H. Biswas—8-11-1972.
4. T. J. George—8-11-1972.
5. I. N. Kapur—12-11-1972.
6. B. P. Chakravorty—30-4-1974.
7. R. K. Misra—30-4-1974.
8. G. K. Shukla—1-7-1974.
9. R. N. Kaul—1-1-1975.
10. Rajinder Singh—6-9-1975.
11. A. R. Hussainy—1-1-1976.
12. H. N. Chakravorty—1-2-1976.
13. P. N. Mukherjee—8-4-1976.
14. Sukumar Som—1-1-1978.
15. J. K. Ghosh—1-3-1978.
16. B. Rudra—1-7-1978.
17. V. P. Jain—11-11-1978.
18. Gurmukh Singh—1-6-1979.

The 23rd February 1980

No. A/6/247(256)/60-II.—Shri C. P. Sinha, permanent Asstt. Inspecting Officer (Met) and officiating Asstt. Director of Inspection (Met) in the Jamshedpur Inspectorate retired from service w.e.f. 31st January 1980 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

The 25th February 1980

No. A-6/247(85).—Shri A. K. Guha, permanent Dy. Director of Inspection (Met) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' Metallurgical Branch) and officiating Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') in the Directorate of Inspection (Met), Jamshedpur, retired from service with effect from the afternoon of 31st January 1980 on attaining the age of superannuation.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES
Nagpur, the 25th February 1980

No. A.19012(124)/80-Estt.A Vol.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri V. S. Kaduskar, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in his Department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 23rd January 1980, until further orders.

S. BALAGOPAL
Head of Office

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 28th February 1980

No. C-5603/718-A.—Shri Salig Ram, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) in South Central Circle Office, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th January 1980 (A.N.) vice Shri A. S. Rawat, Establishment and Accounts Officer transferred.

No. C-5604/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Map Curator, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ad-hoc* basis in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 27th September 1979 (A.N.) vice Shri Ram Lal, Establishment and Accounts Officer (on *ad-hoc* basis) proceeded on leave.

No. C-5605/718-A.—Shri M. Raju, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office (now attached to Research and Development Directorate, CST&MP) is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ad-hoc* basis in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th October 1979 (F.N.) vice Shri Van Khanna, Establishment and Accounts Officer (on *ad-hoc* basis) proceeded on leave for 41 days.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 25th February 1980

CORRIGENDUM

No. A.12025/2/79-SI.—Reference Directorate General of Health Services Notification No. A.12025/2/79-SI, dated the 22nd January 1980.

For—Shri Sumir Choudhury.
Read—Shri Samir Choudhury.

SHIV DAYAL
Dy. Director Administration (Store)

New Delhi, the 25th February 1980

F. No. 27-6/75-Admn.I.—Consequent on his reversion to his parent office, Shri P. L. Nayyar relinquished the charge of the post of Accounts Officer, National Malaria Eradication Programme, Delhi on the forenoon of the 1st February 1980.

He proceeded on leave for 30 days with effect from 1st February 1980 to 1st March 1980.

No. A.12025/2/78-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Namdeo Anand Rao Gawali to the post of Dental Surgeon at Central Government Health Scheme, Pune, with effect from the forenoon of 6th February 1980 in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12026/20/78(SJH) Admin.I.—Smt. Mohini Gehani relinquished the charge of the post of Senior Physiotherapist, Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of the 22nd September 1979.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

KRISHI MANTRALAYA
(KRISHI VIBHAG)
VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 28th February 1980

No. F.2-1/79-Estt.(I).—The *ad-hoc* appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended w.e.f. 1st December 1979 to 6th June 1980.

The 29th February 1980

No. F.2-4/79-Estt.(I).—Shri I. S. Chawla, Superintendent (Grade I), is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted) (Ministerial), in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture), purely on *ad-hoc* basis, w.e.f. forenoon of 4th February 1980 until further orders.

No. F.2-4/79-Estt.(I).—Shri N. C. Jain, Superintendent (Grade I), is promoted to officiate as Special Officer (Projects), Group 'B' (Gazetted) (Non-Ministerial), in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) purely on *ad-hoc* basis, w.e.f. forenoon of 4th February 1980 until further orders.

B. N. CHADHA
Director Administration

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 27th February 1980

No. A.19025/33/79-AIII.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (group B) Shri C. M. Janardhanam, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (group III) in this Dte, at Bombay, w.e.f. 1st January 1980 (FN), until further orders.

The 29th February 1980

No. A.19025/27/79-AIII.—Smt. Susan Nair, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on short-term basis in this Dte. at Cochin w.e.f. 1-2-80 (AN) to 31-3-80 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 7th February 1980

No. PA/79(11)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Suchindrum Ramasubbaiyer Sambasivan, a Selection Grade Stenographer, Reactor Research Centre, Kalpakkam, to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—960) in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of January 30, 1980 until further orders.

A. S. DIKSHIT
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 25th February 1980

No. PPED/3(262)/76-Adm.2297.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. G. Menon, a permanent Assistant Personnel Officer of this Division as General Administrative Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 19, 1980 upto the afternoon of April 3, 1980 vice Shri R. V. Bajpai, General Administrative Officer deputed for training.

No. PPED/3(262)/76-Adm.2298.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 19, 1980 upto the afternoon of April 3, 1980 vice Shri P. G. Menon, Assistant Personnel Officer who has been appointed to officiate as General Administrative Officer in place of Shri R. V. Bajpai deputed for training.

B. V. THATTE
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 29th February 1980

No. AMD/2/2896/79-Adm.—The resignation tendered by Shri Joseph Raymond Peter, from the temporary post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from February 8, 1980 (afternoon).

M. S. RAO
Sr. Administrative and Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401504, the 21st February 1980

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri P. Ganapathy, a permanent Personal Assistant as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 on *ad-hoc* basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of February 19, 1980 and upto April 3, 1980 vice Shri S. Thirambaknath, Asstt. Personnel Officer deputed for training at ISTM, New Delhi.

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th February 1980

No. A.32013/3/79-EW.—The President is pleased to appoint Shri Harbans Singh, Electrical and Mechanical Officer to the grade of Assistant Director (Equipment) in the scale of Rs. 1100—50—1600, on an *ad-hoc* basis for six months with effect from the 14th February, 1980 (forenoon).

Shri Harbans Singh is posted at DGCA Hqrs. New Delhi.

No. A32014/1/79EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following Officers to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on regular basis, with effect from the 17th September, 1979, in an officiating capacity and until further orders:—

- S. No., Name and Station of posting*
1. Shri Dharam Pal, Delhi Airport, Palam.
 2. Shri M. M. Bhardwaj, Delhi Airport, Palam.
2. This cancels this office Notification No. A32014/1/79EA, dated the 17th January, 1980.

V. V. JOHRI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 12th February 1980

No. A.12026/4/74-EI.—On reversion to his parent office on the expiry of his term of deputation, Shri S. C. Bhatia, relinquished the charge of the Office of Accounts Officer, Civil Aviation Department, New Delhi, on the afternoon of the 1st February, 1980.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 3rd March 1980

No. A.12025/7/79-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Sh. Kanu Gohin as Assistant Director of Air Safety (Engg)/Senior Air Safety Officer (Engg) in an officiating capacity with effect from 29-1-1980, until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R.K. Puram, New Delhi.

N. A. P. SWAMY
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 27th February 1980

No. 1/31/80-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. N. Roychoudhury, Assistant Administrative Officer, New Delhi as Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 25-5-78 to 4-1-80, purely on *ad-hoc* basis, and with effect from the forenoon of the 5th January, 1980 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/253/80-EST.—Shri M. J. Dalal, officiating Assistant Engineer, OCS, Switching Complex, Bombay, was permitted to resign his appointment with effect from the afternoon of the 31st December, 1979.

No. 1/405/80-EST.—Shri M. S. Mani, Perm. Assistant Administrative Officer, Madras, retired from service, on attaining the age of superannuation, w.e.f. the afternoon of the 31st December, 1979.

H. L. MALHOTRA,
Dy. Director (Admn.)
for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 28th February 1980

No. 1/80.—Shri D. C. Ahuja, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Meerut, presently on deputation to the Directorate of Inspection & Audit Customs & Central Excise, on his promotion as Supdt. Central Excise, Group 'B' vide Central Excise Collectorate, Meerut Establishment Order No. 12/80 dated 11-2-80, is appointed as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi with effect from 12th February 1980 (Forenoon).

K. L. REKHI
Director of Inspection

DIRECTORATE OF PUBLICATIONS CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 1st March 1980

No. 1/80.—Shri T. R. Sharma Office Superintendent in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise is appointed to officiate as Administrative Officer on *ad-hoc* basis in the Directorate of Publications, Customs and Central Excise at New Delhi w.e.f. 7-2-1980 (F.N.).

A. D. NAGPAUL
Director

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay-400020, the 29th February 1980

No. II/3E(a)2/79.—The following Administrative Officer/Examiner Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I have retired on superannuation in the afternoon of the dates shown against their names :

S. No., Name & Designation and Date of retirement :

1. Shri P. C. Joshi, A.O.—31-1-1980.
2. Shri S. N. Shah, Examiner—31-1-1980.

No. II/3E(a)2/79.—Shri S. N. Shah, Office Superintendent on promotion assumed charge as Examiner of Central Excise Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I with effect from 23-1-1980 Forenoon.

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise
Bombay-I

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 26th February 1980

No. 42016/1/80-Adm.IV.—In continuation of C.W.C. Office Order No. A-32014/2/79-Adm. V, dated 8-8-1979, Chairman Central Water Commission, hereby extends the ad-hoc appointment of the undermentioned officers to the post of Extra Assistant Director (Hydromet) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, for a further period upto 15-8-1980 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

1. Shri D. S. Madan
2. Shri A. P. Khanna
3. Shri Vinod Kaul
4. Shri S. Venkataraman
5. Shri Ravinder Saxena
6. Shri L. P. Bhuyan

The appointment of the above mentioned officers in the grade of Extra Assistant Director is in the nature of purely local arrangement and will not confer upon them any right for claiming regular promotion in the Central Water Commission.

J. K. SAHA
Under Secy.
for Chairman, C.W.C.

New Delhi, the 27th February 1980

No. A 19012777/79-Adm V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Dr. (Miss) Sushila Kumari, as Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry) in the Central Water Commission, New Delhi in an officiating capacity on an initial pay of Rs. 710 (Rupees seven hundred and ten only) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 21st January 1980 until further orders.

Dr. (Miss) Sushila Kumari will be on probation for a period of two years in the post of ARO (Scientific-Chemistry) with effect from 21-1-80.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS) CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th February 1980

No. 23/2/77-ECII.—The following officers of the Central Public Works Department, on attaining the age of

Superannuation (58 years), have retired from Government Service with effect from the date noted against each :—

S. No.	Name of Officer & Designation	Date of retirement	Present & last station of posting	Designation
1	2	3	4	
	S/Shri			
1.	B.L. Manchanda E.E. (Civil).	31-1-80 (AN)	E.E., 'P' Division C.P.W.D. Sadiq Nagar, New Delhi.	
2.	S.S. Wasu E.E. (Civil).	31-1-80 (AN)	Surveyor of Works-II, SSW (Aviation), C.P.W.D. R.K. Puram, New Delhi.	
3.	J.S. Aggarwal E.E. (Electrical)	31-1-80 (AN)	Executive Engineer Elect. Divn. No. IV (DA), New Delhi.	

S. S. P. RAU,
Dy. Director of Admin.
for Director General (Works)

New Delhi, the 29th February 1980

No. 1/93/69-ECIX.—Shri B. S. Godbole, Senior Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 29-2-1980 (AN).

H. D. SINHA
Dy. Director of Administration

**MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)**

New Delhi, the 28th February 1980

No. 77/EB/708.—It is hereby notified for general information that the existing Palghat (Olavakkot) and Madurai Divisions of Southern Railway have been reorganised into three Divisions viz., Palghat (Olavakkot), Madurai and Trivandrum with effect from 2nd October, 1979. The name of Olavakkot Division has been changed as Palghat Division with effect from 26th January, 1980. These Divisions will remain under the control of Southern Railway. The territorial Jurisdictional limits of the three divisions are as under :—

Name of Divisional Headquarters	Territorial jurisdiction
1	2
1. Palghat	Jolarhettal (excl.) to Mangalore; Shoranur to Nilambur Road, Palghat Town to Palghat Jn.; Coimbatore North to Mettupalayam; Mettupalayam to Ootacamund; Erode to Tiruchirappalli Fort (excl.); Salem to Mettur Dam; Salem Jn.—Salem Market; Irugur- Colmbatore North-Podanur.
2. Madurai	Tiruchirappalli Jn. (excl.) to Rameswaram Port; Tiruchirappalli Jn. (excl.) to Madurai; Madurai to Tuticorin; Madurai to Bodinayakkunur; Virudunagar to Quillon; Madurai to Manmadurai; Dindigul to Podanur (excl.); Pollachi to Palghat Town (excl.); Virudunagar to Manmadurai; Maniyachchi to Tenkasi; Tirunelveli to Tiruchendur.

(1)	(2)
3. Trivandrum	Shoranur (excl.) to Cochin Harbour Terminus; Ernakulam to Trivandrum; Trivandrum to Kanyakumari.

The Broad Gauge line from Nagercoil to Tirunelveli (about 72 KMs) when completed, will be added to the new Trivandrum Division.

These three Divisions will be under the charge of their respective Divisional Railway Managers.

K. BALACHANDRAN,
Secy, Railway Board &
ex-officio Jt. Secy.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 27th February 1980

No. 20.—The resignation tendered by Shri Gurbux Singh, officer of I.R.S.M.E. Department has been accepted with effect from 2-11-1979 FN.

R. K. NATESAN,
General Manager.

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 28th February 1980

No. P.185/GAZ/Mech.—The undermentioned officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers (on Probation) are confirmed in Class I/Junior Scale of that service on South Central Railway with effect from the dates indicated against each :

- | S. No., Name and Date from which confirmed. |
|---|
| 1. Shri B. N. Rajasekhar—20-10-1978. |
| 2. Shri N. L. Madhusudan—17-2-1979. |
| 3. Shri D. Pothuraju—22-11-1979. |

N. NILAKANTA SARMA,
General Manager.

N. F. RAILWAY

Gauhati-11, the 23rd February 1980

No. E/55/III/90(O).—Shri Takht Ram, Officiating Senior Personnel Officer (Welfare) N. F. Railway is provisionally confirmed in the Class II service as Assistant Secretary to General Manager with effect from 11-3-69.

B. VENKATARAMANI,
General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Metropoliton Structural Works Private Limited*

Calcutta, the 27th February 1980

No. 11309/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Metropoliton Structural Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shree Yarn Industries Private Limited*

Calcutta, the 27th February 1980

No. 28836/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shree Yarn Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Singh Tractors Private Limited.*

Jullundur, the 29th February 1979

No. G/Stat/560/2979/1749.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Singh Tractors Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. N. MAULIK,
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Prabhat Kamal Construction Company Private Limited.*

Madras-600 006, the 1st March 1980

No. DN/7133/560/PCV/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Prabhat Kamal Construction Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Green Stone Auto Industries Private Limited.*

Madras 600 006, the 1st March 1980

No. DN/7069/560/PCV/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Green Stone Auto Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dwarka Oil Industries Private Limited*

Madras 600 006, the 1st March 1980

No. DN/7173/560/PCV/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dwarka Oil Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras.

INCOME TAX DEPARTMENT

New Delhi, the 27th February 1980

No. coord/Pub./Delhi/C/77-78/44435.—In pursuance of sub-section (1) of section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue) order dated 10-8-77 the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do hereby publishes names of assesses who are in default of the Rs. 1,00,00/- or more as on the last day of the Financial year 1977-78 i.e. as on 31-3-1978.

S. No.	Name and address of the assessee	Amount of default for the period of 2 years and above.
1	2	3
1.	Asa Ram Verma C.P.W.D., New Delhi.	33,30,000
2.	M/s. Allenberry & Co. (P) Ltd. 10, Daryaganj, Delhi.	2,03,58,000
3.	M/s. Asia Udyog 10, Daryaganj, Delhi.	1,31,000
4.	Anandi Lal (Late) through Hari Ram, P/o. Hari Ram Shanker Lal, 4-B, Ware Housing Area, Naraina, Delhi.	12,82,000
5.	M/s. Bharat Union Agencies (P) Ltd. 10, Darya Ganj, New Delhi.	45,10,000
6.	M/s. Chand Finance & Chitfund (P) Ltd. through Yash Paul Bhasin, F-41, West Patel Nagar, New Delhi.	2,18,000
7.	M/s. Dalima Jain Airways Ltd. 10, Daryaganj, New Delhi.	77,34,000
8.	M/s. Green Group & Finance Chit Fund C/o. M/s. S.K. Bhandari & Co. C. As., M-132, Connaught Circus, New Delhi.	1,06,000
9.	Indraprashtha Finance & Chitfund (P) Ltd., C/o. Sh. S.C. Suneja, Advocate, M-4-A, Jangpura Extension, New Delhi.	1,80,000
10.	Dr. J. Dharma Teja C/o. M/s. Raghu Nath Rai & Co. C. As. 3, Hanuman Road, New Delhi.	3,16,43,000
11.	M/s. United India General Finance (P) Ltd., (In Liq.) C/o. Official Liquidator, Bharat Scouts Building, New Delhi.	9,35,516

No. Coord/Pub/Delhi/B/77-78/44440.—In pursuance of sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue) order dated 10-8-77 the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in the public interest so to do, hereby publish names and other particulars of assessee on whom penalty of not less than of Rs. 5000/- was imposed during the financial year 1977-78.

S. No.	Name & Address	Status	Asstt. Year	Section	Amount (Rs.)
1.	22-007-CT-5678 M/s Pearl Cycle Industries. Ltd. (In Liq.) C/o Official liquidator, 16, Ring Road, New Delhi.	Ltd.	1961-62 273 1965-66 271(1)(a) 1965-66 271(1)(b) 1965-66 273 1971-72 271(1)(b) 1971-72 271(1)(b) 1971-72 273	27,677 1,95,875 39,175 29,381 13,000 7,800 9,750	

New Delhi, the 29th February 1980

No. Coord./Pub./Delhi /Δ/45142.—Following is the list showing the names (a) being individuals and HUFs who have been assessed on an income of more than two lakhs of rupees; (b) being firms, association of persons or companies who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1977-78. (i) indicates status (1) for individuals (B) for H.U.F. (C) for Company (ii) for assessment year (iii) for income returned (iv) for income assessed (v) tax payable by the assessee and (vi) tax paid by the assessee :—

(1) M/s. Continental Device Co. (I) Ltd. Naraina, Indl. Area, New Delhi, 22-007 CT-4355 (i) C (ii) 1975-76 (ii) 14,25,770 (iv) 15,58,280 (v) (vi) 76,253 (2) M/s. Indo-European Machinery Co. (P) Ltd., Kucha Ustani Dug, Chandni Chowk, Delhi, 22-007-CZ-5436 (i) C (ii) 1976-77, 77-78 (iii) 22,11,330, 17,40,330, (iv) 12,11,330, 17,99,940 (v) 8,13,238, 11,49,346 (vi) 8,13,238, 11,82,550 (3) M/s R.B.I. Tirth Ram Shah (India) Ltd. 5, Parliament Street, New Delhi, 22-007-CW-5337 (i) C (ii) 1974-75 (iii) 7,81,669 (iv) 10,81,669 (v) 7,40,470 (vi) 7,40,470 (4) M/s Sh. Ram Refrigeration Industries Ltd., 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, 20-007 CY-4807 (i) C (ii) 174-75 (iii) 35,78,220 (iv) 36,26,590 (v) 20,94,356 (vi) 20,94,356, (5) Shri Virmani Satya Pal, 33-Najafgarh Road, Indl. Area, New Delhi-22-017-PY-3229 (i) I

(ii) 1975-76 (iii) 2,94,620 (iv) 2,94,620 (v) 2,03,468 (vi) 2,03,468.

M. W. A. KHAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi.

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL.

Bombay-400 020, the 29th February 1980

No. F.47Ad(AT)/50-P.III.—The following officers officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal are confirmed in their appointments with effect from the 1st August, 1978.

1. Shri R. S. Wickey.
2. Shri C. P. Santhanam.
3. Shri N. N. Nayak.
4. Shri S. B. Lade.
5. Shri S. N. Mandal.
6. Shri Sat Pal.
7. Shri H. C. Srivastava.
8. Shri A. N. Tiwari.
9. Shri L. R. Aggarwal.
10. Shri G. S. Shetye.
11. Shri S. Chelliah.

T. Dr. SUGLA,
President.

FORM ITNS

(1) Mrs. Francisca De Gouvea Pinto & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Fanny Hill Co. op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II**

Bombay, the 9th January 1980

Ref. No. ARII/2802.5/June-79.—Whereas, I P. L. ROONGTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 335, Hiss No. 1 C.T.S. No. 349, Plot No. 13 & 14 situated at Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-6-79 Document No. S. 55/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S/55/79/Bom and registered on 25-6-79 with the Sub Registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Tahira Industries (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Nathubhai N. Patel, Shantibhai N. Patel.

(Transferee)

(3) Nathubhai N. Patel, Shantibhai N. Patel.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III,**

Bombay, the 30th January 1980

Ref. No. AR. III/AP/346/79-80.—Whereas, 1 V. S.

SHESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A2, S. No. 65, H. No. 5, S. No. 72, H. No. 628, S. No. 76, H. No. 1 situated at Majas
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-6-79 Document No. S. 647/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the **said Act**, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-647/79 and registered on 15-6-79 with Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 30-1-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th February 1980

Ref. No. KNL/13/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, DLF Colony, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building known as Sandu Rice Mills with Land measuring 8 Bighas 11 Biswas situated at Kasba Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sunder Lal S/o Sh. Fateh Chand, S/Sh. Om Parkash, Chander Parkash, Yoginder Parkash sons of Shri Sunder Lal, Smt. Sarla Devi W/o Shri Om Parkash S/o Shri Sunder Lal P/o M/S. Sunder Rice Mills, Karnal.

(Transferor)

(2) M/S. Uggar Sain & Sons, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Factory Building with land measuring 8 Bighas 11 Biswas situated at Kasba Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1635 dated 7-6-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 26-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th February 1980

Ref. No. PNP/22/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, DLF Colony, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land 28 kanal 19 marlas at plot No. 48 Garden Colony, situated at Kachroli Teh. Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in 22-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kashmiri Lal S/o Shri Ram Dass
S/o Shri Sohna Ram
R/o Paradize Agriculture Farm,
Kachroli Teh. Panipat.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwan Devi W/o Shri Karam Chand
S/o Shri Ganeshi Dass
R/o D-11/6, M.T. Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 kanals 19 marlas situated at Plot No. 48, Garden Colony, Kachroli Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1425 dated 22-6-1979 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 26-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th February 1980

Ref. No. PNP/12/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, DLF Colony, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial Plot No. T-2, situated at Industrial area Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) S/Shri Gulshan Rai, Dhanpat Rai, Darshan Rai sons of Shri Girdhari Lal R/o 59/12, Parbat Road, Delhi.
(2) S/Sh. Tek Chand, Dharambir, Yashpar sons of Shri Ram Kishan Dass R/o 59/16 Parbhatty Road, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Chaman Lal Manohar Lal through Chaman Lal S/o Shri Gainda Ram Manohar Lal S/o Shri Ishq Dass, Industrial Area, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8444 sq. yards situated at Plot No. T-2, Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1864 dated 16-7-1979 with the sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 26-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Shaker Lal, Piare Lal sons of
Shri Rajpat R/o Sirsa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th February 1980

Ref. No. SRS/39/79-80.—Whereas J. G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, DLF Colony, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 825 Rori Bazar, situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Jagdish Rai S/o Shri Sham Lal, C/o M/s. Lal Chand Sham Lal, Rori Bazar, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being shop No. 825 situated at Rori Bazar, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2975 dated 20-7-1979 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. O. P. Gomez, 2. Smt. Mary Gomez,
42, National Park, Lajpat Nagar, IV,
New Delhi-110 024.

(Transferor)

(2) Smt. R. Sobhana Devi,
C/o Dr. Vijayakumar,
Dental Specialist, Cantonment, Quilon.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 6th December 1979

Ref. No. L.C. 369/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Quilon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 26-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 2505/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 6-12-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—506GI/79

FORM ITNS

(1) Shri C. O. Varghese,
Chaniyil House,
Karithala, Cochin-682 016.

(Transferor)

(2) Smt. Unniamma Andrews,
XXXVI/152A, Karakkamori Cross Road,
Cochin-11.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 2nd February 1980

Ref No. L.C. 396/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 13-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

7,600 cents of land with buildings are per schedule attached to Doc. No. 2173/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 2-2-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDG.",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 12th February 1980

Ref. No. L.C. 397/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Perunad Village (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranny on 19-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri K. T. George,
Karimpanal,
Kanjirappally.

(Transferor)

(2) Smt. Thressiamma George,
Karimpanal, Kanjirappally.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

9 acres of rubber estate as per Doc. No. 2310/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. T. George,
Karimpanal,
Kanjirappally.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 12th February 1980

Ref. No. L.C. 398/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Perunad Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Renny on 29-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

9 acres of rubber estate as per Doc. No. 2406/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 12th February 1980

Ref. No. L.C. 399/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Perunad Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranny on 30-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri K. T. George,
Karimpanal,
Kanjirappally.

(Transferor)

(2) Smt. Thressiamma George,
Karimpanal, Kanjirappally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

9 acres of rubber estate as per Doc. No. 2414/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. T. George,
Karimpanal,
Kanjurappally.

(Transferor)

(2) Smt. Thressiamma George,
Karimpanal, Kanjurappally.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 12th February 1980

Ref. No. L.C. 400/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Perunad Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranny on 1-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

9 acres of rubber estate as per Doc. No. 2437/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri V. Dasan Nadar,
Contractor,
Vattavila Puthenveedu,
Pallichal, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri P. Habeeb Mohamed,
Mulamoottu Vilakath Veedu,
Pappanamcode, Trivandrum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 12th February 1980

Ref. No. L.C. 401/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

* Sy. No. as per schedule situated at Nemon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nemon on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Property mentioned in the schedule attached to Doc. No. 1528/79.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Sivasankara Pillai,
Kadiyanipally Veedu,
Kuripuzha, Quilon-3.

(Transferor)

(2) Shri G. Mukundan Pillai,
"Kalyan Nivas",
Vallikerezhu, Kuripuzha, Quilon-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 12th February 1980

Ref. No. L.C. 402/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Quilon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Quilon on 28-6-1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

10 cents of land with buildings as per Doc. No. 2528/79.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. K. G. Thankamma,
"Kamal Sree",
34/150, Stadium Road, Cochin-11.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. V. P. Makkar,
"Vellappalliparambil",
Nadackel, Erattupetta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 12th February 1980

Ref. No. I.C. 403/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 23-6-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

12 cents of land with building in Sy. No. 506/3 of Ernakulam Village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—506GI/79

FORM ITNS

(1) Sadhana Banerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Suresh Ch. Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. AC-51/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 80, situated at Feeder Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 16-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 2-cottahs, 14-chittaks & 9-sq. ft. situated at 80, Feeder Road, Calcutta under Mouze Belgaria.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31-12-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Mahabir Prosad Saragi Jain & ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Sashi Prova Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 19th January 1980

Ref. No. Sl. 529/TR-62/C-78/Cal/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41, situated at Shibtolla St., Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 4-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in all that partly four storied and partly five storied building admeasuring about 9 cottahs of land situated at 41, Shibtolla Lane, Calcutta, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-3048 dated 4-6-79.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 19-1-80.

Seal :

FORM ITNS

(1) Iswari Prosad Goenka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 25th January 1980

Ref. Sl. 530/TR-67/C-53/Cal-1/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 123A (1/3rd share) situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Iswari Prosad Goenka.
- (2) Chandra Sekhar Nevatia, Minor represented by his father and natural guardian Deokaran Nevatia.
(Transferee)
- (3) 1. Oriental Eng. Works.
2. Sarat Chandra Pandit.
3. Bharat Motor Eng. Works.
4. Santra & Co.
5. Monoranjan Barua of Barua Bakery.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of building together with land measuring 17 K. 15 Ch. 14 Sft. being premises No. 123A Lenin Sarani, Calcutta, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta being No. I-3403 dt. 21-6-79.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 25-1-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Iswari Prasad Goenka.

(Transferor)

(2) K. Nevatia.

(Transferee)

- (3) 1. Oriental Engg. Works,
2. Sarat Ch. Pandit.
3. Bharat Motor Engg. Works.
4. Santra & Co.
5. Monoranjan Barua.

(Persons in occupation)

(Persons in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 25th January 1980

Ref. Sl. 5310TR-68ffC-52/Cal-I/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 123A (1/3rd Share), situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of building together with land measuring 17 K 15 Ch. 14 ft. being premises No. 123A Lenin Sarani, Calcutta, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta being No. 1—3404 dt. 21-6-79.

I. V. S. JUNEJA
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
 Acquisition Range-I,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 25-1-80
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 25th January 1980

Ref. No. Sl. 532/TR-68/C-51/Cal-1/79-80.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 123A (1/3rd Share), situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- | | |
|--|--|
| (1) Iswari Prasad Goenka. | (Transferor) |
| (2) S. K. Nevatia. | (Transferee) |
| (3) 1. Oriental Eng. Works.
2. Sarat Ch. Pandit.
3. Bharat Motor Engg. Works.
4. Santra & Co.
5. Monoranjan Barua. | (Persons in occupation)
(Persons in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of building together with land measuring 17 K. 15 Ch. 14 sft. being premises No. 123A Lenin Sarani, Calcutta, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, being No. I-3405 dt. 21-6-79.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-1-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sunil Kumar Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1980

Ref. No. Acq. 97/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 42/931 situated at Mouza Debgram, Dt. Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 6-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Darjeeling Fruits Pvt. Ltd.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 12-k., 12-ch. situated at Pargana Baikunthapur, Mouza Debgram, Dt. Jalpaiguri, more particularly stated as per Deed No. 2244 of 1979.

K. SINHA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV.
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 28-1-1980.
 Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFT AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1980

Ref. No. Ac-98/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, J. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 situated at Sadhanpur Mahallah, Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burdwan on 2-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Rimalendu Basu, Sri Sarojaksha Basu, Sri Birupaksha Basu, Sri Ambujaksha Basu, Sri Manojaksha Basu, Sri Shobhoniksha Basu, Sri Sajalaksha Basu, Sri Upalaksha Basu, Smt. Aya Basu, Smt. Jaysree Mitra and Smt. Jayanti Mitra.
(Transferor)

(2) Sri Joy Prokash Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2/5th out of 1.66 satak with building situated at with the Burdwan Municipality, Mouza Sadhanpur, Burdwan, more particularly as per deed No. 4244 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV
54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 28-1-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Sunil Chandra Kumar & another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Satter & another.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 1st February 1980

Ref. No. Sl. 533/TR-38/C-32/Cal-2/79-80.—Whereas, I,

I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 and 25, situated at Tantibagan Road, Calcutta-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building being premises No. 24, Tantibagan Road, Calcutta together with land measuring 1 k—4 ch 21 sft. and building being premises No. 25, Tantibagan Road, covering an area of 3 k 7 ch. 35 sft as per deed dated 18-6-79 registered before the S.R. Sealdaah, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—506GT/79

Date : 1-2-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Prahladrai Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narsingdas Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st February 1980

Ref. No. Sl. 534/TR-63/C-55/Cal-I/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40 (1/4th share), situated at Ganesh Ch. Avenue, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of land measuring 5 K 3 Ch. 26 Sft. together with tinshed being premises No. 40, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta as per deed No. I-3501 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-IV,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-2-80
 Seal :

FORM ITNS

(1) Gobardhan Dass Agarwal.

(Transferor)

(2) Balkrishnadas Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st February 1980

Ref. Sl. 535/TR-64/C-56, Cal-1/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40 (1/4th share), situated at Ganesh Ch. Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of land measuring 5 k 3 ch. 26 sft. together with tinshed being premises No. 40, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta, as per deed No. 1-3500 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 1-2-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Sankar Nath Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Seth Iron Foundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd February 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. Ac-101/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/1, situated at Q. Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 22-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1-B., 2-K. & 11-Ch. with building situated at 8/1, Q. Road, Bankra, Dt. Howrah, more particularly as per Deed No. 977 of 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rama Devi Saraogi & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 4th February 1980

Ref. 661/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 158, situated at Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Share of land and building situated at 158 Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta-40, more particularly as per deed No. I-3224 of 1979 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Sm. Monomala Dutta,
 (2) Sri Anjan Kumar Dutta &
 (3) Sm. Hasi Rani Patel.

(Transferors)

- (2) M/s. Godfray Bhumhardt Soan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th February 1980

Ref. No.AC-102/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 65, situated at Lakshmandas Lane, P.S. & Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 9-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2-K., 11-Ch. & 5-Sft. with building situated at 65, Lakshmandas Lane, P.S. & Distt. Howrah, more particularly as per Deed No. 1556 of 1979.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 5-2-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th February 1980

Ref. Ac-99/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 848, situated at Mouza Arjunpur, P.S. Rajarhat, Dt. 24-Prgns. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Amalendu Ghosh, Dwarkin Compound, Bagubati, Calcutta-59.
 2. Bimalendu Ghosh, 15/2C, Balaram Ghosh St., Calcutta-4.
 3. Nirmalendu Ghosh.
 4. Sukhendu Ghosh.
 5. Puranendu Ghosh.
 6. Sm. Labanya Ghosh.
 7. Sm. Sanghamitra Ghosh.
 8. Sanjukta Ghosh &
 9. Pratap Ghosh,
 all of Dwarkin Compound, Bagubati Road, Calcutta-59.

(Transferors)

- (2) M/s. Dwarkin & Sons Pvt. Ltd.,
 8/2, Esplanade East, Calcutta-69.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4-Kh. 3-Ch. with building 1400-Sq. ft. approx.) situated at Mouza Arjunpur, P.S. Rajarhat, Cossipur, Dum Dum, Dist. 24-Parganas, more particularly as per Deed No. 3079 of 1979.

K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Calcutta
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 8-2-80,
 Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Birendra Nath Roy Sarkar,
Sri Digendra Nath Roy Sarkar,
Pargana Baikunthapur, P.S. Siliguri, Dt. Darjeeling.
(Transferor)
- (2) Sri Krishna Lal Pradhan, Pargana Baikunthapur, P.S. Siliguri, Dt. Darjeeling.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th February 1980

Ref. Ac-100/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 474, situated at Mauja Siliguri Dt. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Siliguri on 18-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 42 cottahs situated at Pargana Baikanthapur, P.S. Siliguri Dt. Darjeeling more particularly as per deed No. 3821 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Syed Ali Mallick of Dakshin Gopalpur,
P.S. Tamluk, Dt. Midnapore.
(Transferor)

(2) M/s. Tamralipta Cold Storage Co. (P.) Ltd.,
Kanakpur, Dt. Midnapore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1980

Ref. Ac-103/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Nil, situated at Mouza Kanakpur, Dist. Midnapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panskura on 29-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 61 Decimals situated at Mouza Kanakpur, P.S. Panskura, Dt. Midnapore, more particularly as per deed No. 3417 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
20—506GI/79

Date : 14-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Dijendra Lal Banerjee & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. Ac-59/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30, situated at Seven Tanks Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 3-K., 5-Chs., 28-Sft. situated at 30, Seven Tanks Lane, Calcutta-30, under P.S. Dum Dum.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Samir Kumar Sarkar,
2. Prodip Kumar Sarkar,
3. Prabir Kumar Sarkar,
69, Beleghata Main Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Suresh Chandra Bhambhal Parekh,
2, Bani Nandan Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st February 1980

Ref. AC-104/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 955, 918, 947/972, 1286, 1288, 1289, situated at Dhapa, P.S. Bangur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and Parcel of land measuring 500 Bighas situated at Dhapa, P.S. Bangur, Dt. 24-Parganas more particularly as per deed No. 3128.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 21-2-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 21st February 1980

Ref. Ac-105/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Touzi No. 1378/1379, situated at Sundarban P.S. Canning

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-6-1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Samir Kumar Sarkar,
Sri Pradip Kumar Sarkar &
Sri Prabir Kumar Sarkar
69, Beliaghata Main Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Suresh Bhansali,
Moulzhali Bheri, P.S. Canning,
Sundarban, Dt. 24-Parganas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 223 acres and 6 sataks situated at pargana Sundarban, P.S. Canning, Dt. 24-Parganas, more particularly as per deed No. 3225 of 1979.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st February 1980

Ref. Ac-106/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29, situated at Kali Bari Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 22-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Sri Biswanath Majumdar,
(2) Sri Jagannath Majumdar,
(3) Sri Sambhu Nath Majumdar,
(4) Smt. Nihar Kana Majumdar
(5) Smt. Kamala Sengupta &
(6) Smt. Supra Dasgupta—
all of 29, Kali Bari Lane, Calcutta-31.
(Transferors)

- (2) (1) Sri Tridip Bandhu Roy &
(2) Smt. Bani Roy,
both of 1/29, Sahid Nagar Colony, Calcutta-31.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1-kh., 15-chs. & 31-sft. situated at 29, Kali Bari Lane, P.S. Kasba, Dt. 24-Parganas, more particularly as per Deed No. 2727 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-2-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sri Samir Kr. Sarkar, Sri Pradip Kr. Sarkar, Prabir Kr. Sarkar, 69 Beliaghata, Main Road, Calcutta.
(Transferors)

(2) Sri Dhirendra Nath Neogi of 10, Ganesh Ch. Ave, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st February 1980

Ref. AC-107/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh- No. 323, situated at Dhapa, P.S. Bangur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 300 Bighas situated at Mauja Dhapa, P.S. Bangur, Dt. 24-Parganas more particularly as per deed No. 3080 of 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 21-2-1980.
Seal

FORM ITNS

(1) Smt. Nirmal Rani Seth.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Garodia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1980

Ref. No. Ac-60/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 19/1, situated at Pathak Para Road and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 6-cottahs with structure situated at 19/1, Pathak Para Road, Calcutta-60 under P.S. Behala.

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1980

Ref. No. 39/JUNE/79.—Whees, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 17, situated at Mahal 1st Street Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madurai (Doc. No. 2285/79) on June 79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Smt. Muthathal Achi.
2. Shri Subramania Chettiar
Nerkuppai, Tirupathur Taluk,
Ramanathapuram.
3. Shri Panaiappa Chettiar,
Door No. 5, C.I.T. Colony,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

- (2) Smt. Andalammal,
W/o Shri S. Sathiah Chettiar,
3/32, Saminatha Maniyakkara Lane,
Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2285/79 JSRO I, Madurai.
Land & Building at Door No. 17, Mahal 1st Stret, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. Muthathal Achi
 2. Shri Subramania Chettiar,
 Nerkuppai, Tirupathur Taluk,
 Ramanathapuram.
 3. Shri Panaiappa Chettiar,
 Door No. 5, C.I.T. Colony, Mylapore,
 Madras-4.

(Transferors)

- (2) Shri S. Sathiah Chettiar,
 3/32, Saminatha Maniyakkara Lane,
 Paramakudi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 30th January 1980

Ref. No. 40/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, situated at Mahal 1st Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 2286/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2286/79 JSRO I, Madurai,
 Land & Buildings at Door No. 17, Mahal 1st Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
 21—506GI/79

Date : 30-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Ram
No. 107 & 108, Melachandaipettai Street,
Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 30th January 1980

Ref. No. 67/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107 & 108, situated at West Perumal Maistry Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 870/79) on June 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Document No. 870/79 SRO, Pudumandapam, Madurai.
Land & Buildings at Door No. 107 & 108, West Perumal Maistry Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. M. Kasthuri Ammal,
No. 123-A, Nethaji Road,
Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Parvathiswamy,
No. 100/9, Palam Station Road,
Sellur, Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 41/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 4, situated at Kattabomman 1st Street,
B.B. Kulam, Narimedu, Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madurai (Doc. No. 2171/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 2171/79 JSRO I, Madurai.
Land & Buildings at Door No. 4, Kattabomman 1st Street,
B.B. Kulam, Narimedu, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 93/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1719 & 1114, situated at Uthamapalayam Village, Madurai
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madras North (Doc. No. 2208/79) on June 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. R. Rajeswari Ammal,
 W/o late Shri P. Rathunam Pillai,
 Uthamapalayam South Street, Uthamapalayam,
 Madurai Taluk & Dt.
 (Transferor)

(2) Shri S. R. Nallappa Naidu,
 S/o Shri S. Ramasamy Naidu,
 Ladapuram Village, Peramalur Taluk,
 Tiruchi Dt.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2208/79 JSRO I, Madras North.
 Agricultural lands at Survey No. 1719 & 1114—3.90 acres
 at Uthamapalayam Village, Madurai.

O. ANANDARAM,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 7-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. S. Govindammal,
No. 35, North Masi Street,
Madurai.

(Transferor)

(2) Shri M. Pattani Chettiar,
No. 3/173, Musafar Colony Rawther Lane,
Paramakudi, Ramnad Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 79/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 87, situated at North Perumal Maistry Street, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 868/79) on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 868/79 SRO Pudumandapam, Madurai.
Land & Buildings at Door No. 87, North Perumal Maistry Street, Madurai,

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 110/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-168 situated at Thirunagar, Tiruparankundram, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruparankundram (Doc. No. 636/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. R. Balammal,
W/o Shri Radhakrishnan,
1/209-B, Devi Southern Dr. Ambedkar Road,
Matunga, Bombay.
(Transferor)
- (2) Smt. S. Rajeswari Sethuraman,
W/o Shri K. R. Sethuraman,
Manager, Indian Bank Town Branch,
Virudunagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 636/79 SRO Tiruparankundram.
Land & Buildings at Plot No. C-168, Thirunagar, Tiruparankundram, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 7-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Seethalakshmi Ammal,
C/o Shri S. Govindarajan
(Power agent)
Asst. Sessions Judge, Salem.

(Transferor)

(2) Minor S. P. Santha,
D/o Shri V. S. P. Subbiah Chettiar,
Valayapatti, Thirumayam Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 8th February 1980

Ref. No. 28/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25, situated at West Perumal Maistry Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1064/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 1064/79 SRO Pudumandapam, Madurai.
Land & Buildings at Door No. 25, West Perumal Maistry Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 8-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1980

Ref. No. 29/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25, situated at West Perumal Maistry Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1070/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. Shri S. Govindarajan,
Asstt. Sessions Judge, Salem.
2. Shri G. Rajagopal,
S/o Shri S. Govindarajan,

(Transferor)

(2) Minor S. P. Santha,
C/o Shri V. S. P. Subbiah Chettiar,
Valayapatti, Thirumayam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1070/79 SRO Pudumandapam, Madurai.
land & Buildings at Door No. 25, West Perumal Maistry Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 8-2-1980

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1980

Ref. No. 26/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 216/4B, 3B, 855/1, 883, 23 & 24 situated at Pattiveeranpatti, Sevugampatti, Nilakkottai Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Chatrapatti (Doc. No. 170/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 22—506GT/79

(1) Smt. B. Ernest,
 W/o Shri P. R. K. Baskaran,
 Pattiveeranpatti,
 Sevugampatti, Nilakkottai Taluk.

(Transferee)

(2) 1. Smt. Renuka Srinivasan
 2. Shri S. Devaiyya
 Pattiveeranpatti, Sevugampatti,
 Nilakkottai Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 170/79 SRO, Chatrapatti.

Agricultural lands in Survey Nos. 216/4B, 216/3B, 855/1, 883, 23 & 24 in Pattiveeranpatti, Sevugampatti, Nilakkottai Taluk.

O. ANANDARAM,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Madras-600 006

Date : 8-2-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 8th February 1980

Ref. No. 105/JUNE/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 231, situated at Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Kodaikanal (Doc. No. 217/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Vijayaraguntha Thondaiman,
S/o Shri Ramchandra Thondaiman,
Kodaikanal.

(Transferor)

(2) 1. Smt. R. Rajeswari, W/o Shri Ramakrishnan.
2. Smt. Jayalakshmi, W/o Shri Krishnamurthy.
3. Smt. Subbulakshmi, W/o Shri Segaran.
4. Smt. Indirani, W/o Shri Thyagarajan,
Survey No. 231, Kodaikanal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 217/79 SRO Kodaikanal.

Lands & Buildings in Survey No. 231-52 Acres & 28 Cents.
at Kodaikanal.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1980

Ref. No. 4/JULY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New No. 48, situated at North Beach Road, Madras-600 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madras (Doc. No. 2655/79) on July 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The South Indian Flour Mills (P) Ltd.,
19/20, Royapuram Beach Road,
Royapuram, Madras-600 013.

(Transferor)

(2) Shri S. A. Sattar,
No. 313, Haji Mohamed Rahomathullah Street,
Cuddapah Town (A.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2655/79 JSRO II, Madras.

Land & Buildings at Door No. 48, North Beach Road
Madras-600 001.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1980

Ref. No. 8690.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 654 20 Pachaiappa situated at Mudaliar St., Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 1097/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) C. Ganesan,
Venkataraman,
S. Rajaraman, S/o Seshayyar
Sankaranarayanan
Saroja Srinivasan Kamalamurthi,
Alamelu Narasimhan, 20,
Pachaiappa Mudali St., Kumbakonam.

(Transferee)

(2) P. Muthuswamy S/o Ramamurthi Ayyar
Thippirajapuram South St.,
Kumbakonam Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 654, D. No. 20, Pachaiappa Mudali St., Kumbakonam.

(Doc. No. 1097/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) G. Saraswathi Gnana Desikan J, Sambasivam St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006.

(2) A. Thiripurasundari No. 23, Kizh St., Chidambaram.

(Transferee)

Madras-600 006, the 9th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 7359.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 11, Kizh St., Chidambaram,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2495/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No. 11, Kizh St., Chidambaram.
(Doc. 2495/79)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) R. Nagarajan, S/o Late N. V. Radhakrishna Chettiar 15, Tatabad, Coimbatore.

(Transferor)

(2) A. V. Gopal 120A, 5th St., Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006. the 7th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 10213.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75, situated at Dr. Rajendraprasad Road, Gandhipuram, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1739/79) on June 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No. 75, Dr. Rajendra Prasad Road, Gandhipuram, Coimbatore.

(Doc. 1739/79).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 7-2-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II,
 MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th February 1980

Ref. No. 10101.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. No. 3/1865/2 & 3/1866, situated at Rangai Gounder St., Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2856/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) A. R. G. P. Pandurangan Chettiar L. Lalithammal 44, Subramaniam Road, R. S. Puram, Coimbatore-2.
 (Transferor)

(2) P. Badranarayanan S/o. Parthasarathi 55, A, Tata-bad 7th St., Coimbatore-2.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.S. No. 3/1865/2 and 3/1866, Rangai Gounder St., Coimbatore (7 cents & 344 sq. ft.).

(Doc. 2856/79)

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Madras-600 006.

Date : 8-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) A. R. G. P. Pandurangan Chettiar Lalithamnai, 44, Subramaniam Road, R. S. Puram, Coimbatore-2.
(Transferor)

(2) P. Ramkumar (Minor) S/o. Parthasarathi 55A, Tatabad 7th St., Coimbatore. 12.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 8th February 1980

Ref. No. 10101.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under Sections 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 3/1865/2 & 1866, situated at Rangai Gounder St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2855/79 on June 1979). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Land at T.S. No. 3/1865/2 and 1866, Rangai Gounder St., Coimbatore (10 Cents 261 Sq. ft.)

(Doc. No. 2855/79)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) P. Ratnam S/o. Pasupathy Mudaliar 52, East Periaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.
(Transferor)

(2) Praful Sejpal S/o Hariram 49, East Periaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006. the 7th February 1980

Ref. No. 10100.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. No. 8/363 and 364 at West Benkitaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2923/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);.

THE SCHEDULE

Land at T.S. Nos. 8/363 and 364, West Venkitaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore

(Doc. 2923/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—506GI/79

Date : 7-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) V. K. Sakthivel,
Alcohol Chemicals (P) Ltd.,
12C, Veerabhadra Chettiar Road Erode.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006.

(2) G. Seeranga Gounder,
S. Sundarambal,
S. Lakshmanan,
S. Senthilvadivu,
389A, Netaji Road,
Erode.
(Transferee)

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 10235.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 34 situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 2552/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 34 Erode.
(Doc. No. 2552/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980.
Seal :

FORM ITNS(1) V. K. Sakthivel,
21C, Veerabadra Chettiar St., Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 10235.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 34 situated at Erode
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Erode (Doc. 2553/79) on June 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) L. P. Iyyaswamy, S/o Palaniappa Gounder Lackapuram Kaspa Erode Tk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 34, Erode.
(Doc. 2553/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 7-2-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) V. K. Sakthivel,
Alcohol & Chemicals (P) Ltd.,
12C, Veerabada Chettiar, St., Erode.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006. the 7th February 1980

Ref. No. 10235.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 34 situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 2554/79) on June 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Balasubramanian 547, Netaji Road Erode.
V. K. Chenniappan
44A, Chidambaranar St.,
Veerappan Chatram Erode.
V. M. Natarajan, Kaveri Road,
Veerappan Chatram, Erode.
M. Chinnappa Gounder,
ABS Thottam, Big Agraharam Village Erode.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 34, Erode.

(Doc. 2554/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) V. K. Sakhivel,
Alcohol & Chemicals (P) Ltd.,
12C, Veerabhadra Chettiar Road,
Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1980

(2) T. Shanmuga Sundaram,
Mettur Modakurichi Village, Erode.
T. Thilumurthi, Modakurichi, Mettur, Erode.
J. S. Sivasubramanian,
Mettur, Erode.
J. S. Sivasubramanian,
R. M. S. Sakthinagar,
Erode.
V. R. Murugan, R. Kesavan,
14A, Park Approach Road,
V. O. Chidambaram Park, Erode.

(Transferee)

Ref. No. 10235.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 34 Erode,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Erode (Doc. 2555/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 34 Erode.
(Doc. 2555/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 10235.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 34 situated at Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 2556/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) V. K. Sakthivel,
Alcohol & Chemicals (P) Ltd.,
12C, Veerabhadra Chettiar Road,
Erode.

(Transferor)

(2) Athappan, Kuppuswamy, Govindaraju Arumugam, S/o Muthuswamy Gounder Vellalapalayam, Pudur Village, Erode.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 34 Erode.

(Doc. 2556/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Jeyamari w/o Swaminathan Mudaliar
Jeyabalan, Arokianathan, Jeyanathan,
17A, M. G. Road, Muthialpet,
Pondy-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

(2) G. Gnanam w/o S. Gopala Iyer,
64B, Salaitheru Muthialpet,
Pondicherry-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8693.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17A, Mahatma Gandhi Road, situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 878/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 17A, Salaitheru, Muthialpet, Pondicherry.
(Doc. No. 878/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Padmini, V. M. Thamby, Mahalakshmi Priya,
60/D, Edward Ellicts Road,
Madras-4.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

(2) Yogum Krishnaswami,
11, Bishop Wallers Avenue, East,
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 29th January 1980

Ref. No. 7401.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, Bishop Wallace situated at Avenue (East), Madras-4 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1355/79) on June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Bishop Wallers Avenue East, Madras-4.

(Doc. 1355/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1980

Seal

FORM ITNS

(1) Indira Meenakshi, Vembu,
South St., 101, Annamalainagar,
Chidambaram.

(Transferor)

(2) G. Dorairaj, Tailor,
Subramania Padaiaachi St.,
Chidambaram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(11) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1980

Ref. No. 8710.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 101, South St., Chidambaram, situated at Chidambaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Doc. 1374/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 101, South St., Chidambaram.
(Doc. 1374/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—506 GI/79

Date : 8-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 10212.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1A, and B,
situated at Telungupalayam (Doc. 1484/79)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. No. 1484/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sanda Hariharan,
Rep. by Venkataraman,
s/o Yagneswaran
39, West Periaswamy Road,
R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Kalyani Sankar,
w/o T. S. Ramani Sankar,
7, Sengupta St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 1A, Telungupalayam, Coimbatore.
(Doc. 1484/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 10212.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1B, Telungupalyam,
situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1485/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sastha Hariharan,
Rep. by Venkataraman,
39, West Periaswamy Road,
R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Saraswathi Ammal, T. S. Mohan Sankar,
7, Sengupta Road,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 1B, Telungupalyam, Coimbatore.
(Doc. No. 1485/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 6th February 1980

Ref. No. 10230.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30A3, Bharathi St., situated at Veerappan Chatram, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 2697/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) A. Chidambaram
s/o Armugha Mudaliar,
Power House Road,
Erode.

(Transferor)

(2) M. Palaniswamy, A. Manohar, A. Kandaswamy,
R. Vaiyapuri, K. Kupuswamy, C. Nallaswamy,
Pioneer Printers, Bharathi St.,
Veerappanchatram,
Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 30A3, Bharathi St., Erode.
(Doc. 2697/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) A. Varadarajan, s/o
Arumugha Mudaliar,
Power House Road, Erode.

(Transferor)

(2) Nallammal, Ponnammal, A. Kandaswamy,
V. Ramani, K. Eswari, C. Nallaswamy,
c/o Pioneer Printers,
Bharathi St., Veerappanchatram,
Erode.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 6th February 1980

Ref. No. 10230.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bharathi St., situated at Veerappanchatram Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 2696/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No. 30A3, Bharathi St., Veerappanchatram, Erode.

(Doc. No. 2696/79).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 5th February 1980

Ref. No. 10098.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 167-168, Gandhipuram, situated 6th St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3015/79), on June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. Muniappan, M. Shanta, M. Vijayalakshmi, 118, Megregar Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Nagratnam, w/o T. Dinakaran, 637, Peria Kadai St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 167-168, 6th St., Gandhipuram, (Doc. 3015/79).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 5th February 1980

Ref. No. 10098.—Whereas I, RADHA BAI AKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/169-170,
situated at Gandhipuram, 6th St., Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. 3016/79) on June 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) K. Muniappan M. Shanta,
Vijayalakshmi,
27/118, McGregor St.,
R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) M. Avanashi Appan, s/o
Marappa Gounder,
Shastri Road, Ramnagar,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at 13/169-170, Gandhipuram, 6th St., Coimbatore.

(Doc. 3016/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 5th February 1980

Ref. No. 10098.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

13/171,
situated at Gandhipuram, 6th St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3017/79) on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. Muniappan M. Shanta, M. Vijayalakshmi, 27/118, Megregar St., R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Chinnu, s/o Kannimuthu, Dr. Kanjappa Road, Saloon, Central Bus Stand, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 13/171, Gandhipuram, 6th St., Coimbatore.

(Doc. 3017/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) G. T. Soundra Pandiaraj,
Corley, Kotagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Janaki Soundararaj
Corsley,
Kotagiri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 10254.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 RS. No. 937/1,
 situated at Kotagiri,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 458/79) on June 1979
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 937/1, Kotagiri.
(Doc. 458/79)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—506 GI/79

Date : 7-2-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) G. T. Soundra Pandiaraj,
Corsley, Kotagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 10254.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 937/2, & 549,

situated at Kotagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 459/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 937/2, and 549 Kotagiri.
(Doc. 459/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS(1) G. T. Soundra Pandiaraj,
Corsley, Kotagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 10254.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 937/1, 547/2, 547/1, 964, 945 and 548, situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. 460/79) on June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Vasanthasagar Pandiaraj,
Rep. by Jantaki Soundaraj,
Corsley,
Kotagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 937/1, 547/2, 547/1, 964, 945 and 548, Kotagiri.
(Doc. 460/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) C. Manickam s/o Chockalingam Chettiar
A. Nagaraj s/o Arumugham Chettiar,
Vellakoil 638 111.

(Transferors)

(2) N. Muthuswamy Valayakkaranvalasu,
Dharapuram Tk.
A. K. Ramaswami Velampundi, Aayegoundenpalayam,
Dharapuram Tk.
J. Annapoorni, Nethaji Road, Erode.
M. Sadashivam, Kolathupalayam, Mettuvalasu,
Dharapuram Tk.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 7th February 1980

Ref. No. 10255.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

12/26 to 29, Mulanur,
situated at Dharapuram Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mulanur CBE (Doc. No. 571/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Mulanur Vadugapatti Road, Mulanur 'Mani Rice Mill'.
(Doc. No. 571/79).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) K. Nandini w/o Dr. Kulandaivelu,
K. Chandrasekaran s/o Dr. Kulandaivelu,
4, Rayapandaram St., Tiruppur.

(Transferor)

(2) M. A. Lathif, s/o Meeralava Rowther,
21/415A, Rangai Gowder St.,
Coimbatore.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 7th February 1980

Ref. No. 10108.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/54, situated at Cowley Brown Road, R. S. Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2799/79) on June 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 28/54, Cowley Brown Road, Coimbatore
(Doc. 2799/79)

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) L. M. Adiswaran
125, Mettur Road, Erode

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) V. M. Chinnappan
V. M. Senthilkumar
V. M. Subramaniam
Vattakkalvalasu,
Punjaikilambadi, Erode

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th February 1980

Ref. No. 10240.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 902/3, Mettur Road, situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 2841/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 902/3, Mettur Road, Erode.
(Doc. 2841/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 7th February 1980

Ref. No. 10249.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Naduvattam, situated at Gudalur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc. 637/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rahamath Beevi and Rajiya Beevi
22, Noyyal St., Tiruppur

(Transferor)

(2) K. P. Mohammed, K. P. Moosa, M. P. Alavi,
A. M. Bappu, K. Beequinma, A. M. Sainaba,
Thupputhpet, Gudalur Bazaar,
The Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Naduvattam, Gudalur.
(Doc. No. 637/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Hyrunnisa Bibi W/o Ummar Katap Rowther,
20/19, Fort Old Market Road,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.**

Madras-600006, the 7th February 1980

Ref. No. 10102.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21/492, Rangai Gowder St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2845/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building No. 21/492, Rangai Gowder St., Coimbatore.

(Doc. No. 2845/79).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) R. Ganesh Kumar,
S/o G. Ramakrishna Iyer,
28B, Bharathi Park Road, Coimbatore.
(Transferor)

(2) K. Velumani, K. Ramesh,
S/o P. R. Kandaswamy Site No. 10,
Remy Lay Out, Bharathi Park Road,
Coimbatore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 6th February 1980

Ref. No. 10244.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 4, Thulasi Nivas, situated at Ramalinga Nagar, Coimbatore-11

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Doc. 1726/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Site No. 4 (Thulasi Nivas) Ramalinga Nagar, Coimbatore-11.

(Doc. No. 1726/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—506GI/79

Date : 6-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) B. Vijayalakshmi,
15/10, Remy Lay Out,
Coimbatore-11.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

(2) Rajkumari Jain,
Pushpa Jain,
11/40A, Narayandas Lay Out,
Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600006, the 6th February 1980

Ref. No. 10247.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site No. 4, Sanganur, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Doc. 2070/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Site No. 4, Sanganur, Coimbatore.
(Doc. 2070/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) K. V. Rajagopal,
R. Madhavan, 1, Burkit Road,
Madras-17.

(Transferor)

(2) V. Ratna Bai, 11, Sarangapani St.,
Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 20th February 1980

Ref. No. 7420.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, Vaidyarama Iyer St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. 774/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Vaidyarama Iyer St., T. Nagar, Madras-17.

(Doc. 774/79).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—496GI/79

Date : 20-2-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 15th February 1980

Ref. No. 10218.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 6/79, situated at Sullivan St., Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1904/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) C. V. Seshadri,
 V. Narayan,
 V. Veeraraghavan,
 28/34, Karuppa Gounder St.,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) C. Thayammal,
 R. Subbalakshmi,
 C. Ramdoss,
 D. Ashfalakshmi,
 32/15, Sullivan St.,
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 6/79, Sullivan St., Coimbatore.

(Doc. 1904/79).

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Madras-600 006

Date : 15-2-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 14th February 1980

Ref. No. 10265.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS. No. 440/3, situated at Eswaran Koil St., Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 1131/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) N. Krishnaswamy,
S/o Nalla Muthu Gounder, Sree Meenakshi Ginning Factory, Old Market St.,
Tiruppur.

(Transferor)

(2) A. Gopalswamy,
S/o Annamalai Mudaliar,
A. Kandaswamy & Bros.
147, Eswaran Koil St.,
Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land and building at TS. No. 440/3, Eswaran Koil St., Tiruppur.

(Doc. 1131/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) A. Balasubramania Mudaliar,
94, Thirunagar, Erode.

(Transferor)

(2) M. Balasubramania Chettiar,
Selambayamal 199/7, V.C.T.V. Road, Erode.
G. Rajambal, G. Sundaram No. 7, Muthukaruppa
Chettiar St., Gandhinagar, Erode.
N. Srinivasan and K. N. Senthilnathan,
6/80A, New Vinayakar Koil St., Kangeyam.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.**

Madras, the 13th February 1980

Ref. No. 10234.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 191, situated at T. Veerabathra Chettiar Road, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. 2655/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land well etc. at 191, Vice Chairman T. Veerabathra Chettiar Road, Erode.

(Doc. 2655/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 13-2-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) B. Ramprasad, S/o Badriprasad,
R.K.V. Road, Erode.
Nallappa Gounder,
Kannikapuram, Arachalur, Erode Tk.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswathi Ammal,
W/o T. K. Baluswamy Chettiar,
615, Kamattikeri, Mohalla Area, Mysore.
Karnataka State.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 13th February 1980

Ref. No. 10260.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 279/1, situated at Aranmanaipudur, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 936/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 279/1, Aranmanaipudur, Tiruppur.
(Doc. No. 936/79).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th February 1980

Ref. No. 8639.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 131/1A, situated at Sembakkam Saidapet Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tambaram (Doc. 2432/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lakshminarayanaswamy, 179, Vellachery, Road, Sembakkam, Madras.
Umesh Chandra, Rep. by Lakshminarayanaswamy, 16, Hale Avenue, Stony, Stratford, Milton Keynes, MK 11 1en Bucks, England.

(Transferor)

(2) Ruggmini,
14, Elangovan St.,
East Tambaram,
Madras-59.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land with super structure at S. No. 131/1A, Sembakkam, Saidapet Tk.

(Doc. 2432/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 15th February 1980

Ref. No. 7374.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 628/3, situated at Door No. 29, Royapettah High Road, Madras-600 014 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1101/79 on June 1979) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—506G1/79

(1) R. Ambujammal & others,
29, Royapettah High Road,
Madras-14.

(Transferor)

(2) R. Swaminathan, 29, Royapettah,
High Road, Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 29, Royapettah High Road, Madras-14.
(Doc. 1101/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 15-2-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th February 1980

Ref No. 8625.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 132, Thangaraj Nagar, situated at Tirupapuliyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Cuddalore (Doc. 1119/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S. Subramanian,
S. Jayalakshmi,
S. Rajakumar,
Minor S. Natarajan,
Minor S. Velu,
33, Clive St., Cuddalore O.T.

(Transferor)

(2) B. Lakshmi Ammal,
81, Subbaraya Chetti St.,
Tirupapuliyur,
Cuddalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 132, Thangaraj Nagar Tirupapuliyur.
(Doc. 1119/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 18-2-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Ramprasad S/o Badripasad,
R.K.V. Road, Erode.
Nallappa Gounder S/o Velley gounder,
Kannikapuram, Archalur Erode.

(Transferor)

(2) S. Rukmnaai Ammal W/o V. Shanmugham,
Muthugoundanpudur 2nd St.,
Tiruppur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 13th February 1980

Ref. No. 10261.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS. No. 179/1/10/4, situated at Aranmanaipudur, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 1111/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at TS. No. 279/1/10/4, Aranmanaipudur, Tiruppur. (Doc. No. 1111/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 15th February 1980

Ref. No. 10223.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/8, Samayyar New, St., situated at Comibatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2512/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) A. M. Muthuswamy Iyer, A. M. Saraswathy S/o A. C. Madhavayyar No. 1, Nadu St., Venkatachala Mudaliar Lane, Madras-4.
 A. M. Venkatasubramanian, A. V. Rajagunasamurthy A. V. Madhavamaheswaran, A. V. Ramachandran, No. 9, Ranganathapuram St., Chetpet, Madras.
 (Transferors)

(2) R. Srinivasan S/o K. Ramaswamy Achari, 32/21, Sullivan St., Coimbatore-1.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 32/8, Samayyar New St., Coimbatore. (Doc. 2512/79).

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-80
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 15th February 1980

Ref. No. 10223.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/8, situated at Samayyar New St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2511/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) A. M. Muthuswamy Iyer, A. M. Saraswathy
S/o A. C. Madhavayyar,
1, Naidu Street, Venkatachala Mudaliar Lane,
Madras-4.
A. M. Venkatasubramanian, A. V. Rajagunasamurthy
A. V. Madhavamaheswaran, A. V. Ramachandran,
No. 9 Ranganathapuram St., Chetpet, Madras,
(Transferor)

(2) R. Srinivasan, S/o K. Ramaswamy Achari,
32/21, Sullivan St.,
Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32/8, Samayyar New St., Coimbatore.
(Doc. 2511/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 15-2-80

Seal :

FORM ITNS

(1) L. G. Nityanand, India House,
Trichy Road, Coimbatore-641018.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-6000 006, the 18th February 1980

Ref. No. 7174.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bandikavanur, situated at Ponneri Tk. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2365/79) on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bandikavanur, Ponneri Tk.
(Doc. 2965/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 18-2-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 18th February 1980

Ref. No. 8568.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shortiem, Pammal, situated at Pallavaram (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. 1620/79) in June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Sakhibai Khiaram,
12, Bank St.,
Madras-10.

(Transferor)

(2) O. S. Abdul Rasheed,
17, E. K. Guru St.,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands at Shrotiem, Pammal, Pallavaram.
(Doc. 1620/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-2-80

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 22nd March, 1980

No. F. 2/5/79-HI(B).—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on 24th August, 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 22nd March, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories—

Category I—Civil Engineering

Category II—Mechanical Engineering

Category III—Electrical Engineering

Category IV—Electronics and Telecommunication Engineering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below :—

Category I—CIVIL ENGINEERING

Group A Services posts

(i) Indian Railway Service of Engineers	28**
(ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts)	@
(iii) Central Engineering Service	*
(iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre)	5 (includes 1 vacancy reserved for S.T. candidates)
(v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering posts)	30 (includes 5 vacancies reserved for S.C. and 2 reserved for S. T. candidates).
(vi) Central Engineering Service (Roads).	4 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates).
(vii) Assistant Executive Engineer (Civil), (P & T Civil Engineering Wing) :	*
(viii) Assistant Executive Engineer (Civil) Border Roads Engineering Service	27**
(ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.	1 (vacancy reserved for S. C. Candidate).

Group B—Services/Posts

(x) Assistant Engineer (Civil) P & T Civil Engineering Wing	*
(xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio.	*

Category II—MECHANICAL ENGINEERING

(Group A—Services/Posts)

(i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;	12**
(ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);	@
(iii) Central Water Engineering Service Mechanic; 1 Engi-	5 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates)
(iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);	*
(v) Military Engineering Services (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts);	5 (includes 1 vacancy reserved for S. C. candidates).
(vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts)	10 (includes 2 vacancies reserved for S. C. and 1 reserved for S.T. candidates)
(vii) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts);	*
(viii) Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India.	*
(ix) Assistant Drilling Engineer in the Geological Survey of India;	*
(x) Assistant Manager (Factories) (P & T Telecom. Factories organisation);	6 (includes 1 vacancy reserved for S. T. candidates).
(xi) Assistant Executive Engineer (Mechanical) Border Roads Engineering Service;	10**
(xii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;	2 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates).
(xiii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering posts).	2**
(xiv) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development, (Mechanical Engineering Post)	3**
(xv) Post of Assistant Director (Technical) Group A (Mechanical Engineering posts) in the Department of Heavy Industry.	1 (Reserved for Scheduled Caste candidate).
Group B—Services/Posts	
(xvi) Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India.	*
(xvii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.	1 (Vacancy reserved for S.C. candidates.)

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

Group A—Services/Posts

(i) Indian Railway Service of Electrical Engineers;	12**
(ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);	@

(iii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);	*	(ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);	1
(iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts);	4	(x) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts)	*
(v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);	*	(xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts)	*
(vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);	*	(xii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME Ministry of Defence.	1
(vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing);	*	(xiii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development, (Electronics and Telecommunication Engineering Post)	*
(viii) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical) Cadre (Electrical Engineering Posts);	5 (includes 1 vacancy reserved for S. C. candidates).	Group B—Services/Posts	
(ix) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.	1	(xiv) Assistant Engineer in the All India Radio;	*
(x) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development, (Electrical Engineering Post).	*	(xv) Assistant Engineer in Overseas Communications Service;	10 (includes 2 vacancies reserved for S.C. and 2 vacancies for S.T. candidates).
Group B—Services/Posts		(xvi) Technical Assistant (Group B, Non-Gazetted) in Overseas Communication Service.	6 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 vacancy for S.T. candidates).
(xi) Assistant Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).	*	(xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence.	*
(xii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio;	*	@The total number of vacancies in Indian Railways Stores Service is 7**	
(xiii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.	*	The vacancies shown against the various Railway Engineering Services (Civil, Mechanical, Electrical and Signal), Indian Railway Stores Service and Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics) are permanent.	

Category IV—ELECTRONICS AND TELE-COMMUNICATION ENGINEERING

Group A—Services/Posts

(i) Indian Railway Service of Signal Engineers;	10**
(ii) Indian Railway Stores Service (Tele-communication/Electronics Engineering Posts);	@
(iii) Indian Telecommunication Service;	*
(iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation Ministry of Communications;	2 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 reserved for S.T. candidates).
(v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service;	2 (includes 1 vacancy reserved for S.T. candidates).
(vi) Assistant Station Engineer in All India Radio;	*
(vii) Technical Officer in Civil Aviation Department;	10 (includes 2 vacancies reserved for S.C. and 4 vacancies reserved for S.T. candidates).
(viii) Communication Officer in Civil Aviation Department;	1 (vacancy reserved for S.T. candidates).

The vacancies shown against the various Railway Engineering Services (Civil, Mechanical, Electrical and Signal), Indian Railway Stores Service and Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics) are permanent.

The vacancies shown against all other Services and posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

NOTE:—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in Appendix I to the Rules.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/posts for which he applies.

N.B.I.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

They should note that they will be considered for appointment to those services/posts only for which they express their preference and for no other service/post.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of services/posts, covered by the category or categories of services/posts viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Tele-communication Engineering (cf. preamble to the rules) for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCE, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

PROVIDED THAT WHERE A REQUEST IS MADE AFTER THE EXPIRY OF THE PERIOD AFORESAID BUT BEFORE THE FINALISATION OF ALLOCATION TO SERVICES, THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) MAY, IF IT IS SATISFIED THAT THE CANDIDATE WILL BE PUT TO UNDUE HARSHSHIP IF ALLOCATED TO THE SERVICE FOR WHICH THE CANDIDATE HAS INDICATED HIS/HER PREFERENCES AND IN CONSULTATION WITH THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, CONSIDER SUCH REQUEST.

N.B. 2.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1980 APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1980 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 12th May, 1980 (26th May, 1980) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 12th May, 1980 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 12th May, 1980.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form,

a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees and attach the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Engineering Services Examination held in 1979 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1979 Examination, his candidature for the 1980 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 9th July, 1980.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDFR ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question papers in General Ability Test and Two papers each in Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering as included in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Test, including sample questions, reference may be made to candidates information manual at Annexure II.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I
INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgment card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the Examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below.
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photographs of the candidate duly signed on the front side.
One copy of the photographs should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER 1980 CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED

CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and in para 6 :—

- (i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

- (b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The Certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding

the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the form of certificate given under Note 1 below.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 1st December, 1980.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination.

1. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ who has been a student in this college has passed the _____ examination and has become eligible for the award of _____ degree and that he/she* has been placed in _____ division.

2. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ is expected to appear/examination conducted by _____ in the month of _____ 19_____ and that the result of the above examination is likely to be announced by _____ 19_____.

Signature _____

Designation _____

Name of Institution _____

Where situated _____

Date _____

*Strike out whichever is not applicable.

NOTE 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

(iv) **Photograph.**—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(vi) and 3(vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note 1 under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of application. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated be-

low of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Caste) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Re-organisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature

**Designation

(with seal of office)

Place State/Union Territory*.

Date

*Please delete the words which are not applicable

NOTE.—The term "ordinarily" reside(s) used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

- †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
 - (iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides.
 - (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

5(i) A Government Servant claiming age concession under rule 5(b) should submit a Certificate in Original from the Head of the Department/Office in the following form.

The form of certificate to be produced by the candidate.
Certified that

*Shri/Shrimati/Kumari _____ holds a permanent post of _____ in the office/Department of _____ with effect from _____.

*(ii) Shri/Shrimati/Kumari _____ has been continuously in temporary service on a regular basis under the Central Government in the post of _____ in the _____ with effect from _____.

*Strike out whichever is not applicable.

Signature.....

Designation.....

Ministry/Office.....
Office stamp

Date

Place

(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5(c)(ii) or 5(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the Areas in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(c)(iv) or 5(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c)(iv) or 5(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c)(viii) or 5(c)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities

with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. Shri of unit was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(c)(x) or 5(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), (iii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Agriculture and Irrigation/Communications/Supply and Rehabilitation/Steel and Mines/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information infilling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such document or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application

form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of an application within a month from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But, if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications Civil Lines, Delhi-110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (iii) The Govt of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications regarding applications.—All COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (i) NAME OF EXAMINATION.
 - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

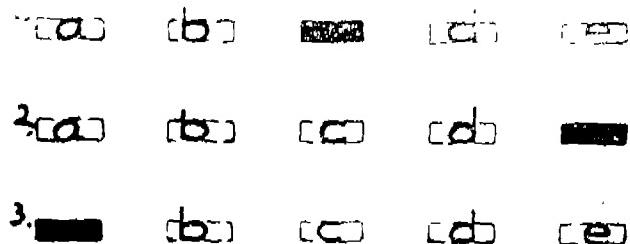
This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is, important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
 2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
 3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator-Supervisor.

YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If

any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard board or a card board on which nothing should be written. This may be useful for marking the answers on the Answer Sheet as it will provide an even surface, in case the surface of your desk is not smooth. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll no. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

F. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. As soon as you have got your test Booklet, ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. *There will be no negative marking.*

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet answer sheet

and the sheet for rough work from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development
 - (b) prevent disciplinary problems
 - (c) provide relief from the usual classroom work
 - (d) allow choice in the educational programme
4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

